वार्षिक रिपोर्ट 2021-22

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
वार्षिक रिपोर्ट
2021-22

विषय-सूची

शैक्षणिक गतिविधियां	01
कौशल शिक्षा और प्रशिक्षण	10
डिजिटल पहल	14
सीबीएसई कक्षा X और XII परीक्षाएं 2020-21	23
केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा (सीटीईटी)	29
प्रोफेशनल परीक्षाएँ	30
प्रतिबद्ध और एकजुट: सीबीएसई कोविड-19 अनुक्रियाशील टीम	34
मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण	35
जन अनुक्रियाशीलता और आउटरीच	37
संबद्धता	39
मेरिट छात्रवृत्ति योजनाएं	42
राजभाषा का प्रचार-प्रसार	44
समारोह और कार्यक्रम	46
बोर्ड की संरचना	62
संगठनात्मक संरचना	63
वर्ष के दौरान प्रशासनिक परिवर्तन	64
बोर्ड का शासी निकाय	68
वित्त समिति	71
परीक्षा समिति	72
परिणाम समिति	73
संबद्धता समिति	74
एनएएस के लिए राष्ट्रीय संचालन समिति	75
पाठ्यक्रम समिति	76
प्रशिक्षण सलाहकार समिति	79
कौशल शिक्षा समिति	81
सीटीईटी की सलाहकार और कार्यान्वयन समिति	84
राजभाषा कार्यान्वयन समिति	85
तुलन-पत्र	87
सीबीएसई कर्मचारियों की संख्या - एक नजर में	88
शिक्षण और विद्यालय नेतृत्व 2020-21 में उत्कृष्टता के लिए सीबीएसई सम्मान	89
पता और संपर्क विवरण: सीबीएसई मुख्यालय, क्षेत्रीय कार्यालय और उत्कृष्टता केंद्र (सीओई)	90

शैक्षणिक गतिविधियां

विद्यालयों में एनईपी 2020 का कार्यान्वयन

अधिगम विश्लेषण के लिए संरचित आकलन (SAFAL)- SAFAL का शुभारंभ माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा 29 जुलाई 2021 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की पहली वर्षगांठ पर किया गया था।

SAFAL ग्रेड 3, 5 और 8 के लिए योग्यता-आधारित आकलन है। सभी विद्यार्थी ग्रेड 3, 5 और 8 में विद्यालय परीक्षा देंगे, जिसमें रटने की बजाय प्रासंगिक कौशल और वास्तविक जीवन स्थितियों में ज्ञान के उपयोग के साथ-साथ मूल अवधारणाओं के आकलन के माध्यम से बुनियादी अधिगम परिणामों की उपलब्धि का परीक्षण होगा।

SAFAL के परिणाम से छात्रों के विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रत्येक विद्यालय को नैदानिक डेटा और अंतर्दृष्टि मिलेगी जो सभी विद्यालयों में योग्यता आधारित शिक्षा को सक्षम बनाएगा।

SAFAL का अग्रगामी परीक्षण शैक्षणिक सत्र 2022-23 में सीबीएसई के 2500 विद्यालयों में होगा।

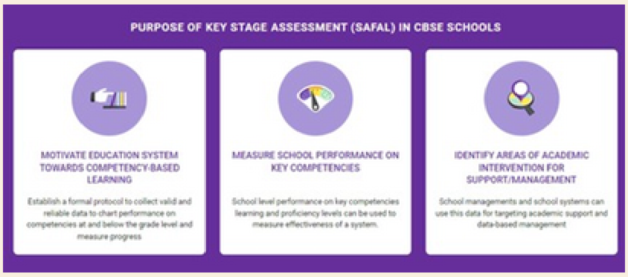

एचपीसी - समग्र प्रगति कार्ड

विद्यार्थी विकास के लिए रचनांतरणपरक आकलन के हिस्से के रूप में, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में समग्र प्रगति कार्ड (एचपीसी) तैयार करने की सिफारिश की गई है ताकि एक 360 डिग्री, बहुआयामी रिपोर्ट दी जा सके जो प्रगति के साथ-साथ प्रत्येक शिक्षार्थी की संज्ञानात्मक, भावात्मक, सामाजिक भावनात्मक और मन:चालित क्षेत्रों में विशिष्टता को विस्तार से दर्शाती है।

तदनुसार, सीबीएसई ने यूनिसेफ, एनसीईआरटी और मूलभूत साक्षरता और अंक ज्ञान के क्षेत्र में विभिन्न विशेषज्ञों के साथ व्यापक विचार-विमर्श और परामर्श के बाद समग्र प्रगति कार्ड का एक आद्य रूप विकसित किया है, जिसे विद्यालयों में पायलट किया जा रहा है।

विकसित किए गए आद्य रूप का संदृश्य इस प्रकार है:-

- एक शिक्षाशास्त्र का साधन।
- ऐसी प्रक्रिया जिसके माध्यम से शिक्षक और माता-पिता दोनों छात्र द्वारा सक्षमताओं की प्राप्ति के लिए समान रूप से भाग लेंगे।
- एक छात्र के विकास और प्रगति में समाज को भाग लेने में सक्षम बनाने का साधन।
- प्रत्येक बच्चे की विशिष्टता पहचानने का साधन।
- माता-पिता, शिक्षकों, शिक्षार्थियों और सहपाठियों के बीच सहयोगात्मक प्रयास।

एचपीसी की मुख्य विशेषताएं

- सहभागितापूर्ण व शिक्षार्थी केंद्रित
- समावेशी
- गुणवत्तायुक्त प्रतिपुष्टि
- आत्म जागरूकता और आत्म सम्मान पर निर्मित
- कौशल और सक्षमताओं की निगरानी
- अंतर्विषयकता
- लचीलापन

समग्र प्रगति कार्ड (HPC) सक्रिय, शिक्षार्थी केंद्रित और अनुभवजन्य शिक्षणशास्त्र की ओर एक रुपावलीगत परिवर्तन का संकेत देता है जिसमें शिक्षार्थी को उनके संदर्भ और रुचियों से संबंधित गतिविधियों और परियोजनाओं में शामिल किया जाता है।

विद्यालयों में सक्षमता आधारित शिक्षा को लागू करना

सक्षमताओं के बारे में एक सामान्य साझा समझ विकसित करने के लिए, बोर्ड ने नौवीं से बारहवीं कक्षा के लिए सभी प्रमुख विषयों में अधिगम रूपरेखा विकसित करने के लिए Azim Premji University और Educational Initiatives के साथ सहयोग किया।

इन रूपरेखाओं में ऐसे ज्ञान, कौशल और प्रवृत्तियों का स्पष्ट विवरण दिया गया है जिन्हें एक शिक्षा प्रणाली के तहत प्राप्त किए जाने का प्रयास होना चाहिए। इन्हें यह सुनिश्चित करने के लिए विकसित किया गया है कि शिक्षक निर्धारित गुणवत्ता मानकों को पूरा करने के लिए शिक्षण अधिगम को संरेखित करें और इसका उपयोग छात्रों के सीखने के स्तर की निगरानी करने के लिए भी करें।

ये रूपरेखाएं ऐसे संकेतक प्रस्तुत करती हैं जो सीबीएसई पाठ्यक्रम और एनसीईआरटी अधिगम परिणामों से जुड़े होते हैं। वे वैज्ञानिक सोच को पोषित करने की दृष्टि से जिज्ञासा, वस्तुनिष्ठता, सृजनात्मकता को प्रोत्साहित करने के लिए शैक्षणिक प्रक्रियाओं और आकलन रणनीतियों के सैंपल का खाका तैयार करती हैं। यह शिक्षक के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन होगा क्योंकि वह पाठ्यक्रम का संचालन करता/करती है। यह देश भर में शिक्षण, अधिगम और आकलन के लिए एक सामान्य मानक के रूप में भी कार्य करेगा।

फरवरी 2022 के महीने में सीबीएसई विद्यालयों के प्रधानाचार्यों और शिक्षकों से दसवीं कक्षा के हिंदी, अंग्रेजी, गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान विषयों में अधिगम की रूपरेखा पर प्रतिपुष्टि एकत्र करने के लिए ऑनलाइन वेबिनार की एक श्रृंखला भी आयोजित की गई थी।

4,589 विषय शिक्षकों और 1,562 प्रशासकों से प्रतिक्रिया एकत्र की गई, उनका विश्लेषण किया गया और रचनात्मक अंतर्दृष्टि के साथ रिपोर्ट तैयार की गई।

एनईपी 2020 के संदृश्य के साथ आकलन को संरेखित करना – सक्षमता आधारित आकलन की दिशा में उत्तरोत्तर परिवर्तन

बोर्ड ने कक्षा X और XII की बोर्ड परीक्षाओं में और अधिक सक्षमता आधारित प्रश्नों को शामिल करके आकलन को NEP 2020 के संदृश्य के साथ उत्तरोत्तर संरेखित करने के लिए कदम उठाए।

इस प्रक्रिया में, परीक्षा के प्रश्न पत्र के डिजाइन को निम्न अनुसार बदला गया था:

- वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न और MCQ शामिल करना।
- व्यक्तिनिष्ठ पेपर में प्रश्नों की संख्या कम करना।
- प्रश्नों के विविध स्वरूपों की शुरुआत - अभिकथन-तर्कसंगत प्रश्न और केस आधारित प्रश्न।

2022 की बोर्ड परीक्षाओं में, सीबीएसई में दसवीं कक्षा के लिए 30% अनुप्रयोग-उन्मुख/ स्रोत आधारित / केस-आधारित प्रश्न थे और बारहवीं कक्षा के लिए 20% थे।

विद्यालयों के लिए संसाधन विकसित किए गए, और शिक्षकों को अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, बेंगलुरु और सीएसएफ के सहयोग से एकांश (आइटम) लेखन पर प्रशिक्षण दिया गया।

आकलन और मूल्यांकन पर एक हस्तपुस्तिका: एकांश अभिकल्पना परीक्षण विकास (आइटम डिज़ाइन टेस्ट डेवलपमेंट) में सर्वोत्तम पद्धतियाँ एकांश अभिकल्पना के लिए लाई गई थी जो विद्यार्थी अधिगम का एक वैध और विश्वसनीय उपाय है। यह हस्तपुस्तिका परीक्षण उन विकासकर्ताओं को मार्गदर्शन प्रदान करती है जो अधिगम आकलन के लिए प्रश्न या क्रियाएं तैयार करते हैं; यह एकांश लेखन के लिए अधिगम रूपरेखा की भूमिका को विस्तृत करती है; उच्च गुणवत्ता वाले आकलन साधनों/ उपकरणों की विशेषताएं और विकास; और अंकन निर्देशिका के निर्माण सहित अच्छे एकांश लिखने के लिए निविष्टियां प्रदान करती है।

अनुसंधान आधारित निविष्टियां प्रदान करने के लिए सीबीएसई में आकलन केंद्र स्थापित किया गया था ताकि:

- सभी परीक्षाओं की गुणवत्ता में सुधार हो सके।
- मूल्यांकन को मानकीकृत किया जा सके और इसे अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाया जा सके।
- पेपर निर्धारकों और मूल्यांकनकर्ताओं का प्रशिक्षण हो सके।

सक्षमता आधारित प्रश्नों के संग्रह का निर्माण

सीबीएसई ने अंग्रेजी, हिंदी, विज्ञान और गणित में सीसीटी साप्ताहिक अभ्यास के लिए प्रश्नों विकसित किए और दीक्षा पोर्टल पर अपलोड किए। इसके अलावा, सीबीएसई ने श्री अरबिंदो सोसाइटी (एसएएस) और ब्रिटिश काउंसिल के सहयोग से सक्षमता आधारित एकांशों का संग्रह भी बनाया। एनईपी-2020 की सिफारिशों के अनुसार कक्षा I से V के लिए एकांश संग्रह विकसित किए गए थे।

ब्रिटिश काउंसिल और अल्फा प्लस के सहयोग से कक्षा VI-X के लिए विज्ञान, गणित और अंग्रेजी के लिए अंकन योजना और लगभग 1500 एकांश के साथ प्रश्न बैंक भी विकसित किया गया था। ये यहां उपलब्ध हैं:
https://cbseacademic.nic.in/cbe/assessment.html

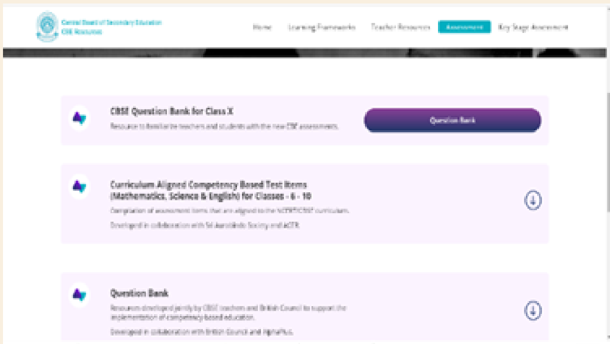

विद्यालय गुणवत्ता आकलन और आश्वासन रूपरेखा और मानक निर्धारण प्राधिकरण के रूप में सीबीएसई को केंद्रीय विद्यालयों, नवोदय विद्यालयों, एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों, सेना स्कूलों, वायु सेना स्कूलों, परमाणु ऊर्जा केंद्रीय स्कूल, रेलवे स्कूल, सीआरपीएफ पब्लिक स्कूल, असम राइफल्स पब्लिक स्कूल, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस पब्लिक स्कूल, सीमा सुरक्षा बल स्कूल, तिब्बती विद्यालय केंद्रीय जैसे विभिन्न मंत्रालयों और केंद्र सरकार के विभागों के नियंत्रण में कार्य करने वाले विद्यालयों के लिए एक मानक निर्धारक प्राधिकरण (एसएसए) के रूप में कार्य करने के लिए और स्कूली शिक्षा प्रणाली की प्रभावशीलता और दक्षता में वृद्धि के लिए मानक ड्राफ्ट करने के लिए अधिदेशित किया गया है।

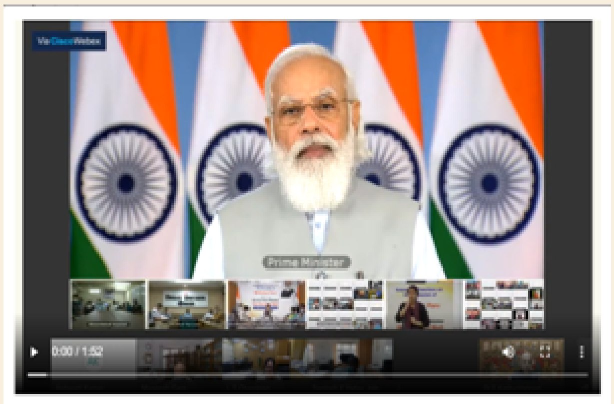

तदनुसार, विद्यालयों में रचनान्तरणपरक परिवर्तन लाने के लिए सीबीएसई द्वारा मानकों की रूपरेखा - विद्यालय गुणवत्ता आकलन और आश्वासन (SQAA) रूपरेखा तैयार की गई थी। 7 सितंबर 2021 को आयोजित शिक्षक पर्व पर भारत के माननीय प्रधानमंत्री द्वारा रूपरेखा का शुभारंभ किया गया था।

एसक्यूएए एक विस्तृत, वस्तुनिष्ठ और कार्यान्वयन योग्य स्व-आकलन साधन है जो विद्यालयों को विद्यालय के प्रकार्यों के विभिन्न क्षेत्रों में अपने प्रदर्शन का स्व-आकलन करने और अपने विकास की योजनाओं को नियोजित करने में सक्षम बनाता है। SQAA फ्रेमवर्क सात क्षेत्रों पर टिका है।

यह रूपरेखा विद्यालयों को मानकों के समक्ष अपने प्रदर्शन का विश्लेषण और मूल्यांकन करने के लिए प्रेरित करेगी, अंततः शिक्षार्थियों के व्यवहार, दृष्टिकोण और कौशल में बेहतर प्रदर्शन की ओर ले जाएगी और विद्यालयों को निरंतर सहयोग, नवाचार और जवाबदेही की संस्कृति विकसित करने और निरंतर सुधार की दिशा में प्रयास करने में सक्षम करेगी।

मूलभूत साक्षरता और अंकज्ञान (एफएलएन) मिशन की उपलब्धि

एफएलएन पर राष्ट्रीय मिशन के बारे में सीबीएसई विद्यालय के शिक्षकों को बेहतर समझ प्रदान करने और मिशन के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए, एफएलएन पर हितधारकों के लिए एक माइक्रोसाइट बनाई गई थी और इसे **http://cbseacademic.nic.in/fln/** पर देखा जा सकता है।

I-V के लिए प्रत्येक कक्षा के लिए 500 सक्षमता-आधारित प्रश्नों का एक प्रश्न बैंक इस माइक्रोसाइट पर उपलब्ध कराया गया था। प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन की मदद से रीडिंग आकलन सहित एक फाउंडेशनल रीडिंग कोर्स भी विकसित किया गया था और इस कोने में अंग्रेजी भाषा' के लिए एकीकृत किया गया था।

सीबीएसई एनईपी वेबिनार श्रृंखला

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के पहले वर्ष के पूरा होने पर, सीबीएसई ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने के लिए सीबीएसई द्वारा की गई पहलों और राष्ट्रीय शिक्षा नीति की सिफारिशों के बारे में और अधिक अंतर्दृष्टि देने के लिए 4 से 20 अगस्त 2021 तक 08 वेबिनार आयोजित किए।

अनुप्रयुक्त गणित के नए शुरू किए गए विषय के लिए विद्यार्थी सहायता सामग्री तैयार करना

ग्यारहवीं-बारहवीं कक्षा में अनुप्रयुक्त गणित का विकल्प चुनने वाले छात्रों की मदद करने के लक्ष्य के साथ, ई-समर्थन सामग्री विकसित की गई और बोर्ड की वेबसाइट पर अपलोड की गई।

सामग्री बुनियादी गणित और सांख्यिकीय साधनों की समझ और व्यवसाय, अर्थशास्त्र और सामाजिक विज्ञान सहित विभिन्न क्षेत्रों में उनके अनुप्रयोगों पर केंद्रित है।

3030 एकलव्य श्रृंखला: एक सीबीएसई और आईआईटी गांधीनगर की पहल

सीबीएसई और आईआईटी गांधीनगर ने एकलव्य श्रृंखला को आगे लाने में सहयोग किया। श्रृंखला का केंद्रबिंदुकक्षा VI-XII के विज्ञान और गणित पाठ्यक्रम में विद्यालयों में एनईपी 2020 को प्रभावी ढंग से लागू करने का तरीका दर्शाना था।

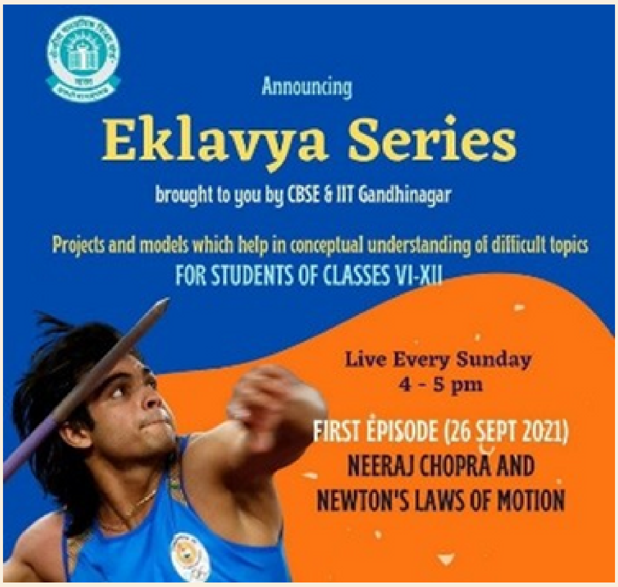

एकलव्य में निम्न शामिल किया गया है:

- कई क्रियाशील/ व्यावहारिक गतिविधियाँ, परियोजनाएँ, मॉडल जो विभिन्न विषयों की वैचारिक समझ में मदद करते हैं।
- विचारोत्तेजक प्रश्न, अधिन्यास जो लीक से हटकर सृजनात्मक चिंतन को बढ़ावा देते हैं (नीरज चोपड़ा ने 36 डिग्री पर भाला क्यों फेंका?)
- स्थानीय सामग्री का उपयोग करके प्रेरणादायक DIY (स्वयं करें) वीडियो प्रोजेक्ट जो पाठ्यक्रम को वास्तविक जीवन से जोड़ते हैं।

पाठ्यक्रम, आकलन और शिक्षक सशक्तिकरण को मजबूत करने के लिए अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय के साथ सहयोग

सीबीएसई द्वारा अजीमप्रेमजी विश्वविद्यालय के साथ मिलकर पाठ्येत्तर और शिक्षक हस्तक्षेपों/ मध्यवर्तनों के माध्यम से शिक्षार्थी केंद्रित शिक्षा को बढ़ावा देने की पहल की गई। अभ्यासरत शिक्षकों को आकलन रूपरेखा में अभिविन्यस्त किया गया था। बोर्ड ने सुधार के लिए उनसे फीडबैक भी लिया।

आनंदमय अधिगम सुनिश्चित करना

छात्रों के बीच विवेचनात्मक चिंतन, सृजनात्मकता और प्रभावी अध्ययन कौशल को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से पूरे वर्ष अनुभवजन्य शिक्षा, कला एकीकृत शिक्षा और कला एकीकृत परियोजना कार्य पर अधिक बल दिया गया।

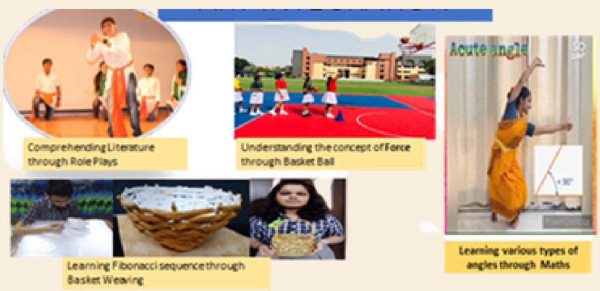

समावेशन के लिए विशेष हस्तक्षेप/ मध्यवर्तन

विद्यालयों को यह सुनिश्चित करने की सलाह दी गई थी कि विशेष आवश्यकता वाले सभी बच्चों और जिन बच्चों के माता-पिता आवश्यक सेवाओं (स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों) में शामिल थे, उन्हें सुलभ और अनुकूलित शिक्षा के लिए उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुसार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा अवश्य प्राप्त होती रहे। इस संबंध में विद्यालयों के लिए कुछ निम्न सुझाव थे:

- प्रत्येक विशेष बच्चे से संपर्क करें और उसकी व्यक्तिगत जरूरतों का आकलन करें और उसके अधिगम के लिए आवश्यक समायोजन करने पर चर्चा करें।
- अपने छात्रों की आवश्यकता के आधार पर अधिगम सामग्री के सभी रूपों (वर्चुअल, मुद्रित या प्रसारित) में प्रिंट के विकल्पों का उपयोग करें, जैसे अनुदेशन में ऑडियो या अन्य प्रारूप, चित्र, कैप्शन, बड़े प्रिंट और सांकेतिक भाषा विकल्प।
- छात्रों और माता-पिता पर दबाव कम करने के लिए लचीली समय-सारणी और समय सीमा, सहायक प्रौद्योगिकी, सरलीकृत गृहकार्य और निर्माणात्मक आकलन का उपयोग करें।
- शिक्षकों का मार्गदर्शन करें और उन्हें प्रशिक्षण दें और उन्हें दूरस्थ और ऑनलाइन स्थिति/स्थानों में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को पढ़ाने के तरीके पर साक्ष्य-आधारित संसाधन प्रदान करें।
- विशेष शिक्षकों और परामर्शदाता की विशेषज्ञ सलाह देकर माता-पिता का सहयोग करें।
- प्रज्ञाता दिशानिर्देश के खंड 3.4 का पालन करें जो विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के ऑनलाइन अधिगम में सहायता करने पर अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।

समावेशी शिक्षाशास्त्र कार्यक्रम

बोर्ड ने 03 बैचों में फरवरी, 2022 के महीने में 150 सीबीएसई विद्यालयों के लिए ब्रिटिश काउंसिल के सहयोग से समावेशी शिक्षाशास्त्र का कोर्स संचालित किया। जेएनवी, केवी और अन्य सीबीएसई संबद्ध विद्यालयों के लगभग 400 शिक्षकों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

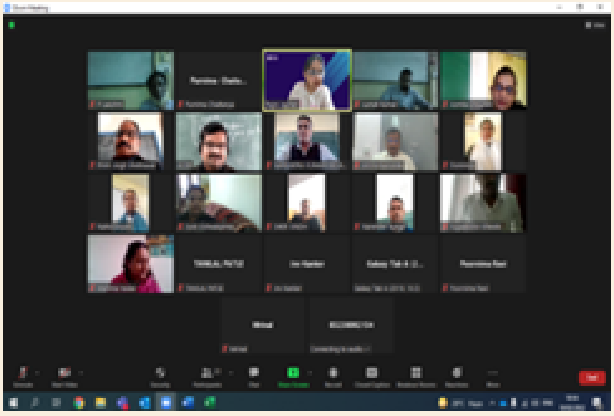

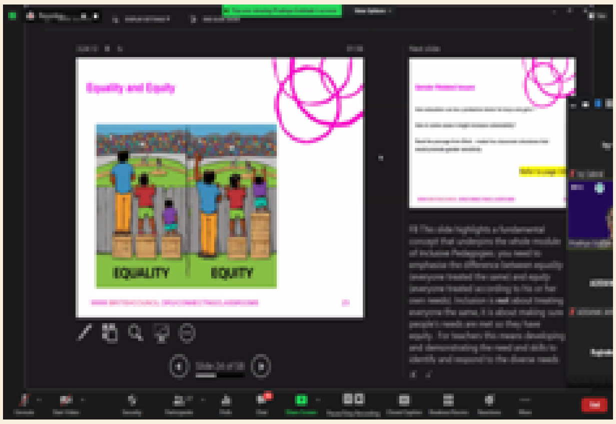

विद्यार्थी संवर्धन गतिविधियां: छात्रों के संवेदीकरण और विकास के लिए कई गतिविधियाँ आयोजित की गईं:

हमारे देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के बारे में और अधिक जागरूकता लाने और इसके संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हेरिटेज इंडिया प्रश्नोत्तरी 2021-22 का आयोजन किया गया था। इस प्रश्नोत्तरी का आयोजन दिनांक 28.01.2022 से 28.02.2022 तक ऑनलाइन किया गया। इस प्रश्नोत्तरी में कक्षा 6ठी और 12वीं (चाहे कोई भी बोर्ड हो) के सभी छात्र भाग लेने के पात्र थे। भारतीय स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने - 'आजादी का अमृत महोत्सव' के उपलक्ष्य में इस वर्ष की प्रश्नोत्तरी का विषय 'भारत का स्वतंत्रता संग्राम' था।

दीक्षा पोर्टल पर 75,894 प्रतिभागियों और MyGov प्लेटफॉर्म पर 1,11,847 प्रतिभागियों के साथ कुल 1,87,741 छात्रों ने इस चुनौती (प्रश्नोत्तरी) में भाग लिया।

सीबीएसई विज्ञान चुनौती

बोर्ड ने जनवरी-फरवरी 2022 के दौरान आठवीं से दसवीं कक्षा के छात्रों के लिए सीबीएसई विज्ञान चुनौती का आयोजन किया, ताकि शिक्षार्थियों में जिज्ञासा, जांच-पड़ताल और उच्च स्तरीय चिंतन के कौशल पैदा हो सके।

	नामांकन	पूर्ण
सीबीएसई विज्ञान चुनौती (अंग्रेजी)	16023	122829
सीबीएसई विज्ञान चुनौती (हिंदी)	3119	1531

आर्यभट्ट गणित चैलेंज

आजादी का अमृत महोत्सव (भारत @ 75) के हिस्से के रूप में, सीबीएसई ने छात्रों के बीच गणितीय क्षमताओं को बढ़ाने के लिए आर्यभट्ट गणित चैलेंज (एजीसी)-2021 का आयोजन किया। AGC-2021 का विषय भारत की गणितीय विरासत: शून्य से शिखर तक था। इसे MyGov और DIKSHA प्लेटफॉर्म पर 31 अगस्त, 2021 से 30 सितंबर, 2021 तक होस्ट किया गया था। कक्षा 8 से 10 तक के 292970 छात्रों, चाहे बोर्ड कोई भी हो, ने इस चुनौती में भाग लिया।

131721 छात्रों ने दीक्षा पोर्टल पर जबकि 161249 ने MyGov प्लेटफॉर्म पर भाग लिया।

सीबीएसई रीडिंग मिशन

बोर्ड ने 20 सितंबर, 2021 को सीबीएसई रीडिंग मिशन शुरू करने के लिए प्रथम बुक्स स्टोरी वीवर और सेंट्रल स्क्वायर फाउंडेशन के साथ साझेदारी की थी। यह मिशन दो साल की लंबी पहल है, जिसमें सभी सीबीएसई स्कूल भाग ले रहे हैं। शिक्षकों को प्रथम बुक्स के माध्यम से खुले तौर पर लाइसेंस प्राप्त, आयु-उपयुक्त बाल साहित्य के एक बड़ा भंडार सुलभ है। पठन कार्यक्रम, अंग्रेजी और भारतीय भाषाओं में उपलब्ध है।

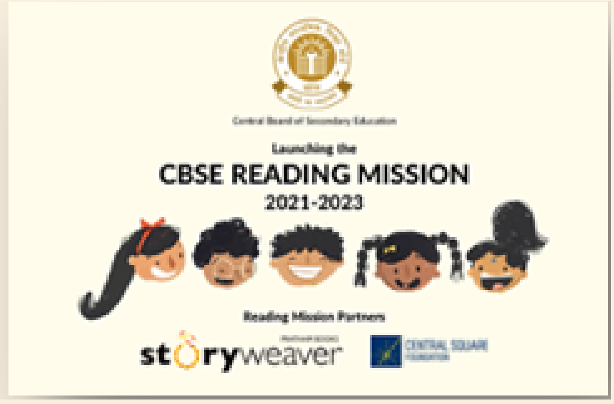

यह मिशन आवधिक शिक्षक या पुस्तकाध्यक्ष संपर्क' सत्रों के माध्यम से शिक्षकों को निरंतर समर्थन और मार्गदर्शन प्रदान करता है ताकि कहानियों की पुस्तकों का विकास के एक साधन के रूप में लाभ उठाया जा सके।

पठन-पाठन को बढ़ावा देने, शिक्षा में कला को एकीकृत करने वाली सह-शैक्षिक गतिविधियों, आनंदमय शिक्षण और अधिगम के लिए विद्यालयों में जागरूकता पैदा करने के लिए बोर्ड द्वारा राष्ट्रीय कहानी सुनाने की प्रतियोगिता शुरू की गई है।

छात्रों के लेखन, अनुसंधान, सृजनात्मक चिंतन और संचार कौशल को बेहतर बनाने के लिए एक मंच प्रदान करने हेतु सीबीएसई अभिव्यक्ति श्रृंखला का आयोजन किया गया। छात्रों को तीन विषयों पर अपने विचारों या विचारों को रचनात्मक रूप से व्यक्त करने के लिए कहा गया: 'जिन लोगों से हमेंभारत की स्वतंत्रता का 75वां वर्ष मिला', ''75 वर्ष पर भारत के विकास का संचित्र' और '100 वर्ष पर भारत के लिए मेरा दृष्टिकोण'।

2021 में हुई इन तीनों अभिव्यक्ति श्रृंखलाओं में लगभग 614699 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

एक भारत श्रेष्ठ भारत

ईबीएसबी कार्यक्रम के तहत, बोर्ड से संबद्ध विद्यालयों ने भागीदार राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के बारे में जानकारी बढ़ाने और छात्रों के बीच मेलभाव विकसित करने के उद्देश्य से विभिन्न कम लागत वाली गतिविधियों का आयोजन किया। छात्रों ने भागीदार राज्य/संघ राज्य क्षेत्र की भाषा में वाक्य सीखने, भागीदार राज्य के लोक गीत/नृत्य, संगीत, पेंटिंग आदि पर आधारित सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं और कई अन्य गतिविधियों में भाग लिया।

फिट इंडिया वीक के दौरान ईबीएसबी के तहत बनाई गई जोड़ी अनुसार विद्यालयों ने अपने सहयोगी राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के पारंपरिक खेलों और क्रीड़ाओं का भी आयोजन किया। देश के विभिन्न क्षेत्रों के नागरिकों के बीच एक सतत और संरचित सांस्कृतिक संबंध स्थापित करने के लिए विभिन्न गतिविधियों का संचालन करने हेतु विद्यालयों में ईबीएसबी क्लब भी बनाए गए थे।

ईबीएसबी के तहत विद्यालयों द्वारा आयोजित इन गतिविधियों में लगभग 634256 विद्यार्थियो ने भाग लिया।

परीक्षा पर चर्चा का चतुर्थ संस्करण

7 अप्रैल 2021 को आयोजित इस कार्यक्रम में सीबीएसई विद्यालयों के छात्रों ने अपने माता-पिता और शिक्षकों के साथ सक्रिय रूप से भाग लिया और माननीय प्रधान मंत्री से जीवन कौशलों के बारे में सीखा।

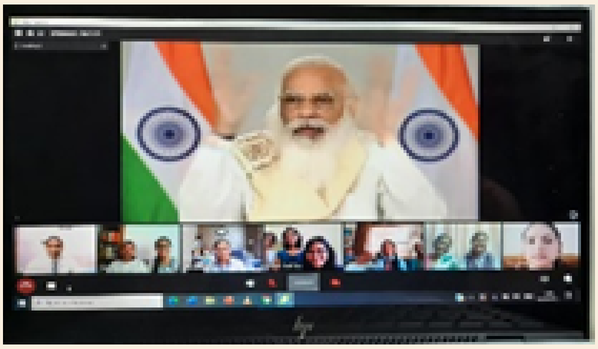

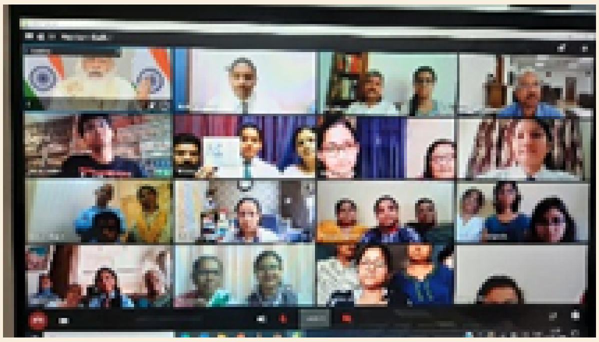

वीर गाथा परियोजना

स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय ने बहादुरों के साहसिक कार्यों और उनकी जीवन गाथाओं का छात्रों के बीच प्रसार करने के लिए 21 अक्टूबर से 20 नवंबर, 2021 तक वीर गाथा परियोजना का आयोजन किया।

विद्यालयों ने छात्रों द्वारा तैयार किए गए वीरता पुरस्कार विजेताओं पर सर्वश्रेष्ठ चयनित परियोजनाएं प्रस्तुत की। क्षेत्रीय स्तर के मूल्यांकन के बाद, गणतंत्र दिवस 2022 पर रक्षा मंत्रालय (**MoD**) और शिक्षा मंत्रालय (**MoE**) द्वारा अवार्ड के लिए सीबीएसई विद्यालयों और राज्य/संघ राज्य क्षेत्रों से संयुक्त रूप से 25 सर्वश्रेष्ठ परियोजनाओं का चयन किया गया। सीबीएसई विद्यालयों से कुल 19142 प्रविष्टियाँ प्राप्त हुई जिनमें सीबीएसई विद्यालयों के 8,09,978 विद्यार्थियों की सहभागिता देखी गई।

फिट इंडिया

इस मिशन को आगे बढ़ाने के लिए, सीबीएसई विद्यालयों ने सितंबर 2021 के महीने में फिट इंडिया प्रश्नोत्तरी में भाग लिया, जो सदियों पुराने स्वदेशी खेल, अतीत के राष्ट्रीय और क्षेत्रीय खेल नायकों सहित भारत के समृद्ध खेल इतिहास के बारे में छात्रों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए आयोजित किया गया था, और यह कि कैसे पारंपरिक भारतीय जीवन शैली की गतिविधियां सभी के लिए एक स्वस्थ जीवन की कुंजी हैं।

विद्यालयों ने 14 नवंबर से 12 दिसंबर 2021 तक विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करके फिट इंडिया विद्यालय सप्ताह भी मनाया, जिसका उद्देश्य छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों के मन में फिटनेस के महत्व को बैठाना था।

स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन विद्यालयों द्वारा 1 से 15 सितंबर 2021 तक पर्यावरणीय संधारणीयता के लिए सामूहिक चेतना के दृष्टिकोण के निर्माण और हितधारकों के बीच स्वस्थ जीवन के प्रति एक अग्रसक्रिय दृष्टिकोण विकसित करने के लिए किया गया था। स्वच्छता पखवाड़ा मनाने के लिए 454588 छात्रों और 20402 शिक्षकों ने विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई)

छात्रों के मजबूत शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सही दृष्टिकोण विकसित करने के लिए 7वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। महामारी की स्थिति के कारण, सभी विद्यालयों को विद्यार्थियों के लिए 21 जून 2021 को वर्चुअल रूप से 7वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन करने की सलाह दी गई थी।

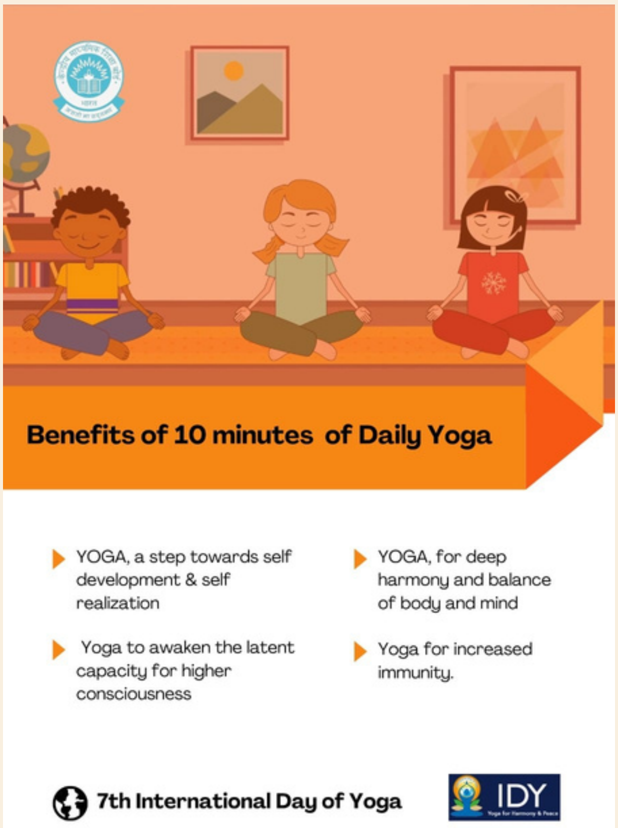

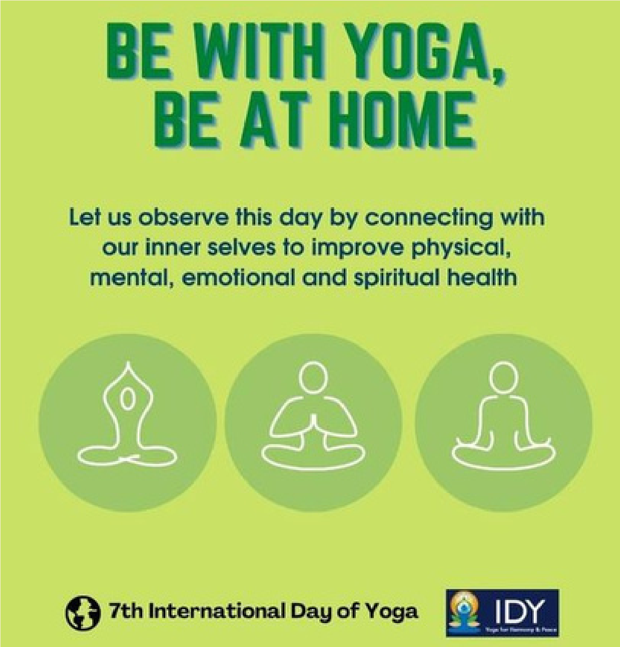

संविधान दिवस समारोह

भारत के संविधान को अपनाने का स्मरणोत्सव मनाने और छात्रों के बीच संवैधानिक मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए 26 नवंबर 2021 को सीबीएसई विद्यालयों द्वारा 'आजादी का अमृत महोत्सव' के एक भाग के रूप में संविधान दिवस मनाया गया।

75 लाख पोस्ट कार्ड अभियान

आजादी का अमृत महोत्सव **(AKAM)** के उत्सव के भाग के रूप में, डाक विभाग **(DoP)**, संचार मंत्रालय, ने विद्यालय शिक्षा और साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय के साथ मिलकर सीबीएसई और राज्य बोर्डों से संबद्ध सभी विद्यालयों में कक्षा 4 से 12 तक के छात्रों के लिए 01.12.2021 से 31.12.2021 तक '75 लाख पोस्ट कार्ड अभियान' का आयोजन किया। छात्रों को दो विषयों में से किसी एक पर एक पोस्ट कार्ड लिखने के लिए कहा गया था - **'स्वतंत्रता संघर्ष के गुमनाम नायक'** और **'2047 में भारत के लिए मेरा संदृश्य'**। पोस्टकार्ड भारत के माननीय प्रधानमंत्री को संबोधित किए गए थे। सीबीएसई से संबद्ध विद्यालयों ने 10 सर्वश्रेष्ठ पोस्टकार्ड चुने और सीबीएसई पोर्टल पर अपलोड किए। डाक विभाग (डीओपी) द्वारा अभियान में प्रयुक्त प्रत्येक पोस्टकार्ड पर एक रबर स्टैंप पता लगाया गया था।

सभी विदेशी सीबीएसई विद्यालयों के लिए, डाक विभाग ने प्रत्येक विद्यालय के लिए संबोधित किए गए पोस्ट कार्ड वाले पैकेट तैयार किए और उन्हें विदेश में संबंधित मिशनों को भेजा।

कार्ड विद्यालयों से वापस एकत्र किए गए और राजनयिक बैग के माध्यम से पुन: भारत भेजे गए।

राष्ट्रीय स्तर के मूल्यांकन के लिए सीबीएसई के 16 क्षेत्रों से कुल 320 सर्वश्रेष्ठ पोस्ट कार्ड चुने जाने थे। तदन्तर 75 सर्वश्रेष्ठ पोस्टकार्डों का चयन करने के लिए राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों से प्राप्त सर्वश्रेष्ठ पोस्ट कार्डों के साथ इनका सामूहिक रूप से मूल्यांकन किया गया जो डाक विभाग को भेज दिए गए।

इस पोस्ट कार्ड अभियान में सीबीएसई से संबद्ध 7000 विद्यालयों के कुल 21 लाख छात्रों ने भाग लिया।

कौशल शिक्षा और प्रशिक्षण

29 जुलाई, 2021 को भारत के माननीय प्रधान मंत्री, श्री नरेंद्र मोदी द्वारा 'एआई फॉर ऑल' कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। सभी के लिए एक 'डिजिटल फर्स्ट माइंडसेट' के निर्माण के लिए कृत्रिम बोध को सरल ढंग से प्रस्तुत करने के प्रयोजन के साथ कृत्रिम बोध के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने के लिए यह स्व-अधिगम ऑनलाइन प्रोग्राम डिजाइन किया गया है। यह कार्यक्रम इंटेल इंडिया के सहयोग से संचालित है।

देश के सभी 29 राज्यों और 7 संघ राज्य क्षेत्रों से दो लाख से अधिक पंजीकरण के साथ, यह कार्यक्रम पूरे भारत में सभी आयु वर्ग के नागरिकों के बीच एआई के बारे में जागरूकता बढ़ाने में सफल रहा। यह कार्यक्रम बहुभाषीय, परस्पर संवादात्मक शिक्षण संसाधनों के प्रावधानों और विशेष रूप से सक्षम जनों के लिए सुलभ प्लेटफार्म को क्रियाशील करने के साथ समावेश सुनिश्चित करने में सफल रहा।

कुल आउटरीच	**243214**
लिंग वार वितरण*	**महिला - 84187 (46.18%)**
	पुरुष - 98100 (53.82%)
आयु वार वितरण*	**18 वर्ष से कम - 122474**
	18 - 35 वर्ष - 122474
	35-50 वर्ष - 17483
	50 वर्ष से ऊपर - 4999

दीक्षा से संख्या शामिल नही है।

(https://diksha.gov.in/) भाषाएं

कार्यक्रम के लिए अधिगम संसाधन 11 भारतीय भाषाओं में उपलब्ध हैं: अंग्रेजी, तमिल, तेलुगु, गुजराती, हिंदी, मराठी, उड़िया, मलयालम, बंगाली, कन्नड़ और पंजाबी। दिया गया पाई चार्ट उपयोगकर्ताओं द्वारा चुनी गई भाषाओं को दिखाता है।

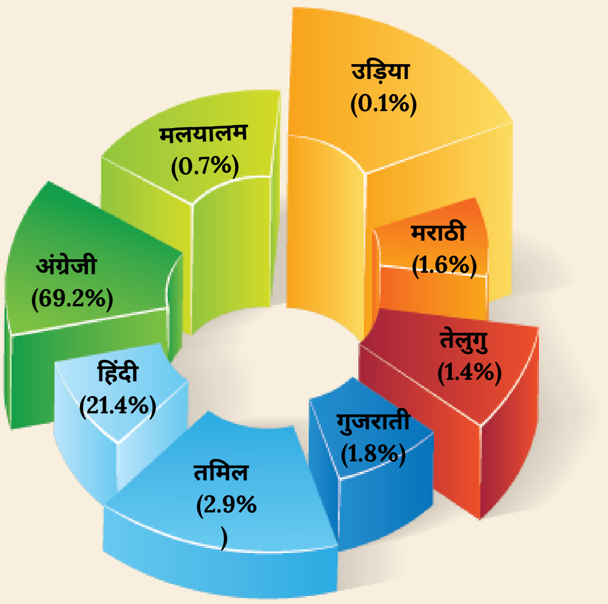

आउटरीच गतिविधियां

आधार स्तर पर जागरूकता और प्रशिक्षण सत्र देश के उन दूर-दराज के हिस्सों में आयोजित किए गए जहां संपर्क साधना कठिन था।

हस्तशिल्प पर विद्यार्थी हस्त-पुस्तिका

कक्षा VI - VIII में 12 घंटे की अवधि के कौशल मॉड्यूल के रूप में हस्तशिल्प की पेशकश की जाती है। सीबीएसई ने हस्तशिल्प और कालीन क्षेत्र कौशल परिषद (एचसीएसएससी) के सहयोग से 25 जून 2021 को कक्षा **VI-VIII** के लिए 'हस्तशिल्प' पर कौशल मॉड्यूल के लिए एक विद्यार्थी हस्त-पुस्तिका का विमोचन किया।

'हस्तशिल्प' पर यह कौशल मॉड्यूल व्यावहारिक गतिविधियों पर केंद्रित है और छात्रों को पेपर मैसे और फैशन ज्वेलरी पर व्यावहारिक अनुभव प्रदान करेगा।

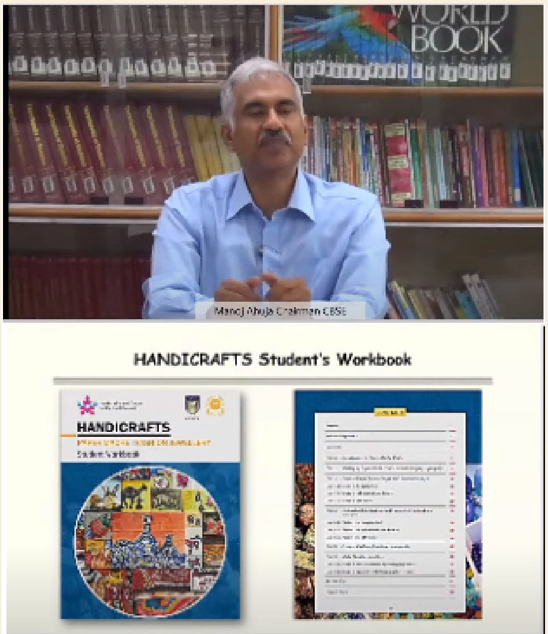

700 से अधिक विद्यालयों ने इस मॉड्यूल को शुरू करने का विकल्प चुना है और बोर्ड ने शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए हैं।

नवाचार एंबेसडर प्रोग्राम

इस कार्यक्रम का उद्घाटन 16 जुलाई, 2021 को माननीय शिक्षा मंत्री और माननीय जनजातीय कार्य मंत्री द्वारा किया गया था। सीबीएसई ने एआईसीटीई के साथ एक सहमति ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जिसका उद्देश्य कौशल संवर्धन की विभिन्न पहलों में स्कूली छात्रों और शिक्षकों को प्रेरित करना, प्रशिक्षित करना और संलग्न करना है जो वर्तमान में एआईसीटीई द्वारा इसके इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी छात्रों और संकाय के लिए आयोजित की जा रही हैं।

एनईपी-2020 में विद्यालय स्तर पर समस्या समाधान और विवेचनात्मक चिंतन के लिए युवा छात्रों के संवर्धन पर बल दिया गया है। इसलिए, शिक्षकों को प्रबोधक बनना होगा और इन युवा छात्रों को नवाचार और उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए मार्गदर्शन करना होगा।

सीबीएसई शिक्षा मंत्रालय के नवाचार प्रकोष्ठ (एमआईसी) और एआईसीटीई के सहयोग से 50,000 सीबीएसई शिक्षकों को इनोवेशन एंबेसडर के रूप में प्रशिक्षित करेगा।

विद्यालयों में कौशल विकास

विद्यालयों में कौशल विकास पर एक परियोजना के लिए सीबीएसई और नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च के बीच 15.06.2021 को एक सहमति ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार विद्यालयों में कौशल विकास को क्रियान्वित करने हेतु उचित सलाह देने के लिए एनसीईआर द्वारा दो चरणों में एक शोध अध्ययन किया जाएगा।

श्रीमती अनीता करवल, सचिव (विद्यालय शिक्षा और साक्षरता), श्री प्रवीण कुमार, सचिव (कौशल विकास और उद्यमिता) और श्री मनोज आहूजा, अध्यक्ष, सीबीएसईकी उपस्थिति में सहमति ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

राष्ट्रीय स्तर की साइबर सुरक्षा कौशल खेल

सीबीएसई और अमृता विश्व विद्यापीठ द्वारा साइबर सुरक्षा कौशल सीखने, इसका अभ्यास करने और इसे बढ़ाने के लिए एक अनूठा कार्यक्रम लाया गया। इस कार्यक्रम को अमृता इंडिया कैप्चर द फ्लैग जूनियर (अमृता InCTFj) कहा जाता है- स्कूली छात्रों के लिए खुला हुआ एक राष्ट्रीय स्तर का साइबर सुरक्षा कौशल उद्भवन कार्यक्रम। प्रतियोगिता निःशुल्क थी और इसमें भाग लेने के लिए किसी पूर्व ज्ञान की आवश्यकता नहीं थी। प्रतियोगिता में कक्षा 7वीं से 12वीं तक के विद्यार्थी भाग ले सकते थे।

साइबर सुरक्षा ज्ञान के अलावा, विद्यार्थियों में 21वीं सदी के महत्वपूर्ण कौशल जैसे विश्लेषणात्मक चिंतन, समस्या समाधान, स्फूर्ति से कार्य निष्पादन, टीम प्रयास आदि का विकास होगा। यह वर्तमान में अपने 6ठे संस्करण में है। छात्रों को अधिगम में मदद करने के लिए ऑनलाइन मार्गदर्शन और सत्र आयोजित किए जाएंगे। अमृता InCTF जूनियर में प्रोग्राम साइबर सुरक्षा सिखाने के लिए शिक्षण-अभ्यास-प्रतिस्पर्धा दृष्टिकोण का उपयोग किया जाता है।

क्षमता निर्माण के लिए शिक्षक प्रशिक्षण

ऑनलाइन प्रशिक्षण और वेबिनार

- सितंबर, 2021 तक कुल 26899 पंजीकृत प्रतिभागियों के लिए साइबर सुरक्षा पर एक ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था।
- प्रधानाचार्यों के लिए शैक्षिक नेतृत्व पर एक और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें जनवरी 2022 तक इस कोर्स को 9688 प्रधानाचार्यों ने पूरा किया।
- निपुण भारत दिशानिर्देशों के साथ, सीबीएसई ने एफएलएन मिशन में सीबीएसई विद्यालयों की सुविधा के लिए गूगल प्लेटफॉर्म और दीक्षा पोर्टल पर मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स (एमओओसी) लॉन्च किया।
- सीबीएसई उत्कृष्टता केंद्रों द्वारा माता-पिता के लिए "तनाव प्रबंधन" पर 44 वेबिनार आयोजित किए, जिसमें परीक्षा के तनाव से निपटने पर विशेष बल दिया गया।
- अनुकूल अधिगम वातावरण कार्यक्रम पर एक और ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, यह गूगल क्लासरूम प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है। अब तक कुल 18,184 शिक्षकों ने यह कोर्स पूरा किया है।
- लद्दाख के प्रधानाचार्यों के लिए एक विशेष अभिविन्यास कार्यक्रम 21-22 अप्रैल, 2022 को उत्कृष्टता केंद्र, दिल्ली (पूर्व) में आयोजित किया गया, जिसमें 39 प्रधानाचार्यों ने भाग लिया।
- सक्षमता-आधारित शिक्षा पर ब्रिटिश काउंसिल के साथ साझेदारी में सभी उत्कृष्टता केंद्रों के चिन्हित शिक्षकों के लिए 18 घंटे का ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कुल मिलाकर 87 कार्यक्रमों में 2712 शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया।
- एक्सप्रेशन इंडिया के सहयोग से प्राथमिक चिकित्सा और चिकित्सा आपातकालीन देखभाल के लिए प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में अब तक 702 शिक्षकों ने भाग लिया है।
- 1209 प्रधानाचार्यों के लिए रामकृष्ण मिशन के सहयोग से प्रधानाचार्यों हेतु जागृत नागरिक कार्यक्रम चलाया गया है।

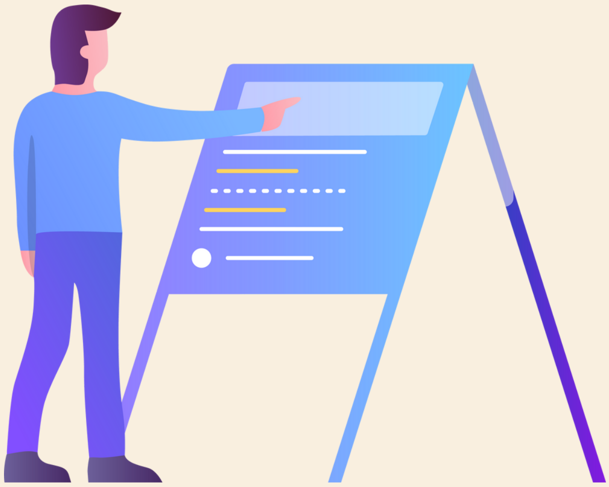

- रेन्जुली सेंटर फॉर क्रिएटिविटी, गिफ्टेड एजुकेशन एंड टैलेंट डेवलपमेंट, यूनिवर्सिटी ऑफ कनेक्टिकट, यूएसए द्वारा डिजाइन किया गया विद्यालयों के लिए संवर्धन कार्यक्रम भी आदित्य बिड़ला एजुकेशनल एकेडमी के सहयोग से आयोजित किया गया था।

वेबिनार

- 23 अगस्त 2021 को ग्राफिक नॉवेल के उपयोग पर एक वेबिनार आयोजित किया गया था। गूगल के सहयोग से "समग्र आकलन" पर एक ऑनलाइन कोर्स" शुरू किया गया था।

- 28 अक्टूबर को गूगल आर्ट्स एंड कल्चर के सहयोग से शिक्षण अधिगम पद्धतियों में कला और संस्कृति के एकीकरण पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया था।

वर्ष के दौरान प्रकाशित पुस्तिकाएं और मैनुअल

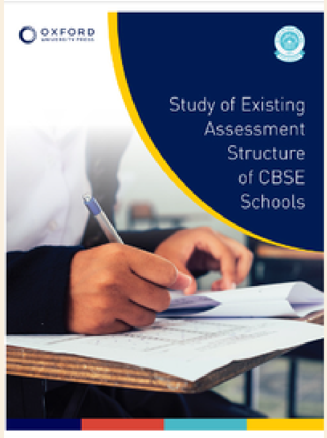

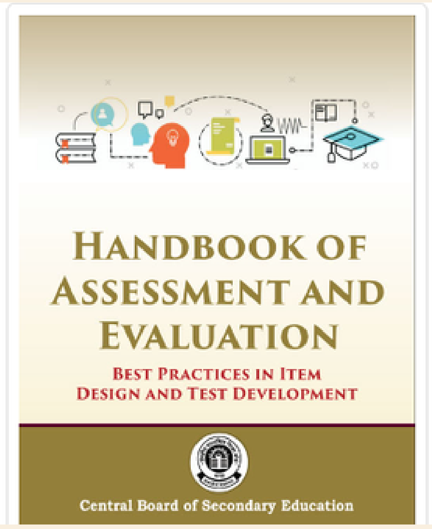

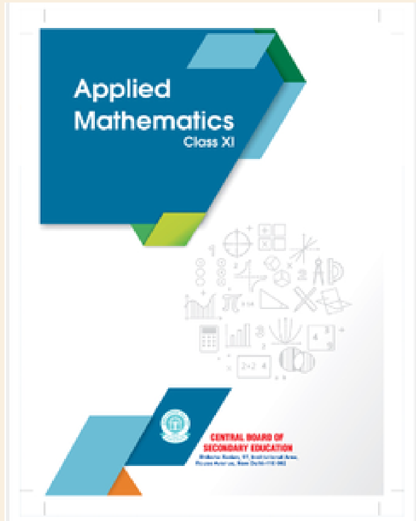

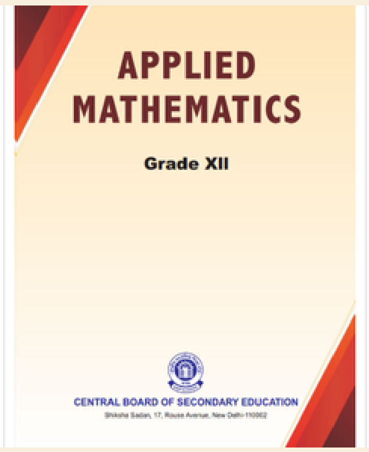

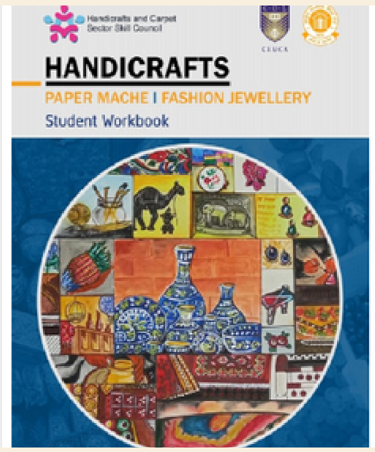

एकीकृत संबद्धता प्रणाली (आईएएस)

1) सरस 2.0 – विद्यालय संबद्धता पुन: संरचित स्वचालन प्रणाली

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की सिफारिशों को ध्यान में रखते हुए बोर्ड की ई-संबद्धता प्रणाली को सरस के रूप में पुनर्संरचित किया गया था और इसे मार्च 2021 में लागू किया गया। अगला संस्करण (R-2.0) मार्च 2022 से लागू किया गया है।

यह प्रणाली कम से कम संभव मानवीय हस्तक्षेपों/मध्यवर्तनों और कार्य/कारोबार सुगमता (EoDB) और ईज ऑफ लिविंग (EoL) के लिए निम्नलिखित विशेषताओं के साथ पूरी तरह से डिजिटाइज्ड है। :

- वचनबंध / स्व घोषणा
- अधुनातन प्रौद्योगिकी एआई/एमएल, जीआईएस और डेटा एनालिटिक्स
- डेटा संचालित निर्णय
- विद्यालय द्वारा स्व-निगरानी के लिए प्रगति पैनल
- 1-100 दिन में निपटान (सभी प्रकार के आवेदनों के लिए)
- सही डेटा का एकल स्रोत
- पारदर्शिता और जवाबदेही
- कोई डेटा अतिरेक नहीं
- स्वत: संबद्धता संख्या/विद्यालय संख्या आवंटन
- सभी आवेदनों का त्वरित और समयबद्ध निपटान
- विद्यालयों को उनके डैशबोर्ड पर वास्तविक समय आधार पर प्रगति बार के माध्यम से सभी संप्रेषणों और आवेदनों की स्थिति की उपलब्धता।
- एपी और लद्दाख सरकार के सरकारी विद्यालयों के संबंध में केंद्रीकृत भुगतान के लिए शुल्क वैलेट

2) OASIS - ऑनलाइन संबद्ध विद्यालय सूचना प्रणाली (सही डेटा का एकल स्रोत)

यह शिक्षकों के डेटा सहित वार्षिक रूप से 500+ मापदंडों के समक्ष ऑनलाइन जानकारी जमा करने या अपडेट करने हेतु सीबीएसई से संबद्ध विद्यालयों के लिए एक पोर्टल है। इस पोर्टल के माध्यम से एकत्र की गई जानकारी का उपयोग सीबीएसई द्वारा विभिन्न गतिविधियों हेतु, विशेष रूप से संबद्धता और परीक्षा हेतु, विद्यालयों के संभावित उपयोग के लिए उनका आकलन करने में किया जा रहा है। यह पूरे सीबीएसई में विभिन्न अनुक्षेत्रों से संबंधित सभी कार्यों/अनुप्रयोगों के लिए सही डेटा का एकल स्रोत है।

3) एआईसीए 2.0 - स्वचालित आईसी आवंटन प्रणाली-
यह कुछ पूर्व-निर्धारित मापदंडों और व्यावसायिक नियमों के आधार पर निरीक्षण समितियों के स्वत: और यादृच्छिक आवंटन के लिए एक प्रणाली है। सदस्य(सदस्यों) द्वारा मना करने के मामले में, विद्यालय निरीक्षण समिति के सदस्य(सदस्यों) बदल सकता है।

4) एआरसीए 1.0 - स्वचालित समीक्षा समिति आवंटन प्रणाली

यह कुछ पूर्व-निर्धारित मापदंडों और व्यावसायिक नियमों पर आधारित है। सदस्य (सदस्यों) द्वारा मना करने के मामले में, विद्यालय समीक्षा समिति के सदस्य (सदस्यों) बदल सकता है।

5) वीआईओएस 2.0 -विद्यालयों का वर्चुअल निरीक्षण
कोविड-19 महामारी के कारण विद्यालय बंद थे और निरीक्षण समितियाँ निरीक्षण के लिए आगे नहीं बढ़ पा रही थीं। इसे ध्यान में रखते हुए "विद्यालय का वर्चुअल निरीक्षण (वीआईओएस)" प्रणाली को विकसित और कार्यान्वित किया गया था।

6) समा एप (विद्यालय क्षेत्र मापने की एप) और वेब पोर्टल

विद्यालय क्षेत्र को वर्चुअल के साथ-साथ भौतिक रूप से मापने के लिए एक मोबाइल एपऔर एक वेब-आधारित एप्लिकेशन विकसित किया गया था, और 'सरस' मोबाइल एपके साथ एकीकृत था। यह भौतिक निरीक्षण के लिए जाने वाले निरीक्षण समिति के सदस्यों के लिए उपलब्ध है।

एकीकृत ऑनलाइन परीक्षा प्रणाली

7) अध्यापक- प्रधानाचार्यों और शिक्षकों के डेटा बैंक का ऑनलाइन संग्रह (OASIS के साथ एकीकृत)
यह दसवीं और बारहवीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाओं और अन्य समनुदेशनों से संबंधित उत्तर लिपियों के मूल्यांकन के उद्देश्य से सीबीएसई से संबद्ध विद्यालयों में पढ़ाने वाले शिक्षकों का डेटा एकत्र करने के लिए एक पोर्टल है।

8) नौवीं और ग्यारहवीं कक्षा के लिए पंजीकरण पोर्टल-
यह विद्यालयों के लिए कक्षा IX और XI के सभी छात्रों को पंजीकृत करने, ऑनलाइन शुल्क का भुगतान करने और पंजीकरण कार्ड तैयार के लिए बनाया गया है। डिजी लॉकर के माध्यम से विद्यार्थियों को पंजीकरण कार्ड भी उपलब्ध कराये जा रहे हैं।

9) दसवीं और बारहवीं कक्षा के लिए एलओसी पोर्टल
यह ऑनलाइन शुल्क भुगतान सहित पिछले वर्ष के IX और XI पंजीकरण डेटा के आधार पर दसवीं और बारहवीं कक्षा के संभावित अभ्यर्थियों की सूची को अंतिम रूप देने हेतु विद्यालयों के लिए एक ऑनलाइन पोर्टल है।

10) ओईसीसीएस - प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए ऑनलाइन परीक्षा केंद्र सहमति प्रणाली
सीबीएसई द्वारा आयोजित की जा रही विभिन्न परीक्षाओं के लिए परीक्षा केंद्रों के रूप में कार्य करने हेतु संस्थानों का विवरण और सहमति प्राप्त करने के लिए पोर्टल।

11) ओईओसीएस - प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए ऑनलाइन परीक्षा प्रेक्षक सहमति प्रणाली
सीबीएसई द्वारा आयोजित विभिन्न परीक्षाओं के लिए प्रेक्षक के रूप में कार्य करने के लिए शैक्षणिक और शिक्षा अधिकारियों से सहमति प्राप्त करने के लिए पोर्टल।

12) (ई-परीक्षा) - ऑनलाइन परीक्षा प्रसंस्करण और प्रबंधन प्रणाली
बोर्ड की पूरी परीक्षा प्रणाली को डिजिटल कर दिया गया है। ऑनलाइन प्रवेश पत्र, उपस्थिति पत्रक, समेकित उपस्थिति पत्रक और विद्यालय/केंद्र, अभ्यर्थियों की अनुक्रमांक वार सूची सहित सभी परीक्षा संबंधी गतिविधियों के लिए एक व्यापक वन स्टॉप पोर्टल विकसित और कार्यान्वित किया गया है।

13) ई-आईजी - ऑनलाइन आंतरिक ग्रेड अपलोडिंग और सत्यापन प्रणाली
यह सीबीएसई संबद्ध विद्यालयों द्वारा कक्षा-बारहवीं के आंतरिक ग्रेड की ऑनलाइन प्रस्तुति और उसकी सटीकता का पता लगाने के लिए उनके अधिप्रमाणन हेतु एक पोर्टल है।

14) ई-प्रैक- ऑनलाइन प्रैक्टिकल अंक अपलोडिंग और अधिप्रमाणन प्रणाली
यह विद्यार्थियों और परीक्षकों (आंतरिक और बाहरी दोनों) के साथ प्रैक्टिकल/परियोजना अंक और जियो-टैग की गई लैब छवियों की ऑनलाइन प्रस्तुति और उसकी सटीकता का पता लगाने के लिए उनके अधिप्रमाणन हेतु एक पोर्टल है।

15) आईएपीएक्स - दसवीं कक्षा के लिए ऑनलाइन आंतरिक आकलन / प्रैक्टिकल अंक संग्रह प्रणाली
यह विद्यालयों द्वारा कक्षा-X के विधिमान्य प्रैक्टिकल/प्रोजेक्ट्स/आंतरिक आकलन अंकों को ऑनलाइन जमा करने और उसकी सटीकता सुनिश्चित करने के लिए उनके अधिप्रमाणन हेतु एक पोर्टल है।

16) ऑनलाइन कार्यप्रवाह आधारित 'केंद्रीकृत दाखिला मास्टर सुधार (सीएएमसी)' प्रणाली
इस सुधार मॉड्यूल का उपयोग दसवीं और बारहवीं कक्षा के पूर्व-परीक्षा डेटा में सुधार के लिए किया जाता है। ये सुधार विद्यालय द्वारा किए जाते हैं और संबंधित क्षेत्रीय कार्यालय को भेजे जाते हैं जहां आधिकारिक पदानुक्रम में कार्य प्रवाह-आधारित प्रणाली के माध्यम से इनका अवलोकन किया जाता है और अंतिम अनुमोदन क्षेत्रीय अधिकारी/परीक्षा नियंत्रक द्वारा किया जाता है। एक बार स्वीकृत हो जाने के बाद इसे कक्षा X / XII के दाखिला मास्टर डेटा में अद्यतन किया जाता है।

17) मूल्यांकनकर्ताओं के प्रशिक्षण के लिए पोर्टल
यह पोर्टल पिछले मूल्यांकन के आधार पर मूल्यांकनकर्ताओं के व्यापक प्रशिक्षण और मूल्यांकन के मानक स्थापित करने हेतु सी-डैक की मदद से विकसित किया गया है।

18) ईसीएल - परीक्षा केंद्र लोकेटर ऐप
यह बोर्ड के सीबीएसई परीक्षार्थियों के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं में परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए एक मोबाइल ऐप है, जिसके माध्यम से वे केवल परीक्षा का विवरण और अनुक्रमांक दर्ज करके अपने परीक्षा केंद्रों का पता लगा सकते हैं। यह मोबाइल एपरियल टाइम ट्रैफिक डेटा के आधार पर सबसे छोटा रास्ता बताकर परीक्षा केंद्र तक पहुंचने में उनका मार्गदर्शन भी करता है।

19) ओएमजी - ऑनलाइन ओएमआर उत्पत्ति

टर्म 1 बोर्ड परीक्षा 2021-2022 के लिए, वास्तविक समय में ओएमआर उत्पत्ति की प्रणाली विकसित और कार्यान्वित की गई थी।

20) ओईक्यूपीडी - ऑनलाइन एन्क्रिप्टेड प्रश्न पत्र वितरण प्रणाली

यह लीक होने के किसी भी संभावित अवसर को रोकने के लिए प्रश्न पत्रों की तत्काल और सुरक्षित डिलीवरी के लिए एन्क्रिप्शन, प्रसार, एन्क्रिप्टेड के डिक्रिप्शन और प्रश्न पत्रों की छपाई के लिए एक प्रणाली है। जुलाई 2018 से इसका सफलतापूर्वक उपयोग किया जा रहा है। 2022 के 2021 (टर्म 1 परीक्षा) में सभी प्रश्न पत्रों को एन्क्रिप्टेड प्रारूप में भेजा गया था, जिसके परिणामस्वरूप प्रश्न पत्रों की समय पर उपलब्धता और संभार व्यय की भारी बचत और बहुत सारे कार्बन फुटप्रिंट्स की बचत हुई।

21) ओसीएयू - ऑनलाइन सही उत्तर अपलोड करना

टर्म 1 बोर्ड परीक्षा के लिए ओएमआर शीट के मूल्यांकन के बाद सही उत्तरों को तत्काल अपलोड करने के लिए एक प्रणाली विकसित और कार्यान्वित की गई थी।

22) ओईसीएमएस- ऑनलाइन परीक्षा केंद्र प्रबंधन प्रणाली

यह व्यापक निर्णय समर्थन प्रणाली है जिसमें प्रश्न पत्रों के बारे में फीडबैक, उत्तर पुस्तिकाओं की पैकिंग और प्रेषण, प्रेक्षकों के बारे में जानकारी आदि शामिल करते हुए केंद्रों और परीक्षाओं के संचालन के बारे में वास्तविक समय जानकारी प्राप्त करने हेतु एक पोर्टल और बैकएंड प्रणाली तंत्र उपलब्ध है।

23) सीबीटी - कंप्यूटर आधारित परीक्षण

सीबीएसई में कंप्यूटर सहायकों के चयन के लिए वर्ष 2001 में पहली बार कंप्यूटर आधारित परीक्षा शुरू की गई थी।2011 में, इसे एआईईईई अब जेईई परीक्षा के लिए पुन: शुरू किया गया था। तभी से इसका उपयोग विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए किया जा रहा है। हालाँकि 2018 में सीबीटी का ऑनलाइन संस्करण भी पेश किया गया था और 2019 में पीडीएफ संस्करण पेश किया गया था। 2021 में, सीबीटी मोड में पूरी सीटीईटी परीक्षा आयोजित की गई थी।

24) बोर्ड परीक्षा के लिए सीएमटीएम - (गोपनीय सामग्री ट्रैकिंग और निगरानी प्रणाली) ऐप

बोर्ड परीक्षा के अभिरक्षक, केंद्र अधीक्षक और प्रशासक के लिए अत्यधिक गोपनीय और संवेदनशील सामग्री के इलेक्ट्रॉनिक अनुवीक्षण, ट्रैकिंग और निगरानी के लिए तीन अलग-अलग ऐप विकसित किए गए हैं।

25) बोर्ड परीक्षाओं के अनुवीक्षण के लिए सीएमटीएम वेब पोर्टल

उपर्युक्त सीएमटीएम ऐप के अनुवीक्षण और अलर्ट/कार्रवाई/निर्णयों के लिए विभिन्न डेटा के विश्लेषण के लिए एक वेब पोर्टल।

26) प्रतियोगी परीक्षा के लिए सीटीईटी-सीएमटीएम - (गोपनीय सामग्री ट्रैकिंग और अनुवीक्षण प्रणाली) एप

अभिरक्षक, केंद्र अधीक्षक, बोर्ड के प्रतिनिधियों, प्रेक्षकों और प्रशासक के लिए अत्यधिक गोपनीय और संवेदनशील सामग्री के इलेक्ट्रॉनिक अनुवीक्षण, ट्रैकिंग और निगरानी के लिए पांच अलग-अलग ऐप विकसित किए गए हैं।

27) अनुवीक्षण के लिए सीटीईटी-सीएमटीएम वेब पोर्टल

ऊपर उल्लिखित सीटीईटी-सीएमटीएम एप्स के अनुवीक्षण और प्रशासक द्वारा कार्यों/निर्णयों के लिए विभिन्न डेटा के विश्लेषण के लिए एक वेब पोर्टल।

28) सीबीएसई प्रशासित परीक्षाओं में निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए उन्नत डेटा एनालिटिक्स/डेटा फोरेंसिक का उपयोग

सीबीएसई ने उन मामलों/केंद्रों का पता लगाने के लिए उन्नत डेटा एनालिटिक्स का उपयोग करने का निर्णय लिया, जहां परीक्षाओं के दौरान अनुचित साधनों के सहारा लेने की अधिक संभावना थी।

केंद्र और व्यक्तिगत परीक्षार्थी स्तर पर संदिग्ध डेटा पैटर्न की पहचान करने के लिए एल्गोरिदम विकसित करने हेतु सेंट्रल स्क्वायर फाउंडेशन (सीएसएफ) और प्ले पावर लैब्स के सहयोग से जनवरी 2021 सीटीईटी परीक्षा डेटा पर एक प्रायोगिक/मार्गदर्शीविश्लेषण किया गया था। विश्लेषण के परिणामों और विकसित एल्गोरिदम के आधार पर, सीबीएसई ने निर्णय लिया था कि इस तरह के विश्लेषण को अन्य प्रशासित परीक्षाओं तक बढ़ाया जाएगा।

सीबीएसई ने देश में सभी प्रमुख सीबीएसई प्रशासित परीक्षाओं में शैक्षणिक परीक्षण में किसी भी अनियमितता का पता लगाने, प्रतिक्रिया देने और इसलिए, लंबे समय में किसी भी अनियमितता को रोकने के लिए उन्नत डेटा एनालिटिक्स का उपयोग किया है।

इस तरह के विश्लेषण के आधार पर, सीबीएसई का लक्ष्य उन परीक्षा केंद्रों की पहचान करना है जहां डेटा परीक्षाओं के संचालन के दौरान अनाचार होने को इंगित करता है। परीक्षाओं की विश्वसनीयता को मजबूत करने और भविष्य में इस तरह के किसी भी अनाचार को रोकने के लिए सीबीएसई द्वारा उचित उपाय किए जा सकते हैं।

इसका उपयोग सीबीएसई द्वारा आयोजित राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण (एनएएस), केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा (सीटीईटी) और बोर्ड परीक्षाओं की विश्वसनीयता को बढ़ाने/मजबूत करने के लिए किया गया है। इसे टर्म-1 बोर्ड परीक्षा में सफलतापूर्वक लागू किया गया है।

29) ई-थ्योरी

यह मुख्य नोडल पर्यवेक्षक को उत्तर पुस्तिकाओं के बैग आवंटन, मूल्यांकनकर्ताओं को उत्तर पुस्तिकाओं के आवंटन, मूल्यांकन अनुवीक्षण, प्रश्नवार थ्योरी अंक अपलोड करने और अवार्ड सूचियों की ऑनलाइन उत्पत्ति के लिए एक ऑनलाइन प्रणाली है।

30) टीईटीआरए : थ्योरी मूल्यांकन प्रवृत्ति विश्लेषण - रीयल टाइम मूल्यांकन अनुवीक्षण के आधार पर निर्णय समर्थन प्रणाली

रियल टाइम मूल्यांकन अनुवीक्षण पर आधारित एक अनूठा पोर्टल और निर्णय समर्थन प्रणाली विकसित की गई है। इस प्रणाली में मूल्यांकन प्रवृत्ति की कल्पना, विश्लेषण और अनुवीक्षण किया जा सकता है। यह विभिन्न सांख्यिकीय आँकड़े भी उत्पन्न करता है और वास्तविक समय में मूल्यांकन संबंधी जानकारी का ग्राफिकल विज़ुअलाइज़ेशन प्रस्तुत करता है।

31) एसबीटीएमयूएस - स्कीम आधारित थ्योरी अंक अपलोडिंग प्रणाली

विद्यालयों द्वारा दसवीं कक्षा के यूनिट टेस्ट/मिड-टर्म/प्री-बोर्ड परीक्षाओं के आधार पर थ्योरी अंक ऑनलाइन जमा करने के लिए एक पोर्टल विकसित और कार्यान्वित किया गया था। इस पोर्टल में विद्यालयों के 3 साल के ऐतिहासिक डेटा को प्रदर्शित करने का भी प्रावधान था जिसमें विषयवार और समग्र औसत, विभिन्न श्रेणियों में अंकों के वितरण और अंकों के मॉडरेशन के लिए संदर्भ वर्ष आदि दिए गए हैं। 10 मिलियन अंक सफलतापूर्वक अपलोड किए जा रहे हैं। यह कोविड महामारी के दौरान एक पहल थी।

एक व्यापक परिणाम संकलन प्रणाली है। इसके माध्यम से परीक्षा के आंकड़ों (करीब 20 करोड़) को प्रक्रियागत किया जा रहा है। परिणामों को एक साथ संसाधित किया जा रहा है और सटीकता सुनिश्चित करने के लिए डेटा/परिणामों का मिलान किया जा रहा है।

33) परीक्षा के लिए पुन: संरचित आउटलेयर प्रणाली (आरओएसई)

यह क्षेत्रीय कार्यालय स्तर पर निदान की/ उपचारात्मक कार्रवाई के लिए पूर्व-परिणाम घोषणा चरण में असंगत अंक मामलों का बारीकी से पता लगाने के लिए अद्वितीय सॉफ्टवेयर है।

34) बारहवीं कक्षा के लिए व्यापक परिणाम सारणीकरण पोर्टल

कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा 2021 के लिए अंकों/ग्रेडों के सारणीकरण की नीति को लागू करने में विद्यालयों की सुविधा के लिए बहुत कम समय में एक पोर्टल विकसित किया गया और लागू किया गया।

बारहवीं कक्षा के अंकों के दसवीं कक्षा के घटक (30%), कक्षा XI घटक (30%) और बारहवीं कक्षा घटक (40%) की संगणना के लिए भी एक प्रणाली विकसित की गई थी। सभी अंकों के संग्रहण के बाद, इस पोर्टल मेंविद्यालयों द्वारा अंकों के मॉडरेशन के उद्देश्य से विषयवार अंकों और रेफरेंस मीन की विशेषता के साथ विद्यालय के लिए पूर्ण सारणीकरण शीट प्रदर्शित की गई। इस पोर्टल और बैकएंड सिस्टम से विद्यालयों के लिए बोझिल गणनाओं संबंधी बहुत सारा बोझ कम हो गया। यह ईओडीबी और ईओएल के अनुरूप था।

35) ग्रेड गणना प्रणाली (जीसीएस)

यह बोर्ड की ग्रेडिंग योजना के अनुसार विषयवार वरिएबल ग्रेड की गणना के लिए एक प्रणाली है।

36) परिणाम घोषणा एवं प्रसार टर्म-1 एवं टर्म-2 2021-2022

- सीबीएसई की वेबसाइट
- डिजी लॉकर पोर्टल
- विद्यालयों/छात्रों के डिजिटल लॉकर
- विद्यालयों को ईमेल
- छात्रों को ईमेल
- एसएमएस
- आईवीआरएस

37) सीबीएसई की "उमंग" पर उपस्थिति
(नए युग के शासन के लिए एकीकृत मोबाइल ऐप) - भारत सरकार की एक पहल

सीबीएसई नए युग के शासन के लिए एकीकृत मोबाइल ऐप (उमंग) के चार मोबाइल ऐप के साथ अग्रणी रहा है।

- विद्यालय लोकेटर
- केंद्र लोकेटर
- दसवीं/ बारहवीं कक्षा के परिणाम

38) एक सीबीएसई शैक्षणिक निधान / संग्रह - परिणाम मंजूषा का सुदृढ़ीकरण

शैक्षणिक दस्तावेजों का निधान/संग्रह अर्थात अंक पत्र, प्रवास प्रमाण-पत्र और उत्तीर्णता प्रमाण-पत्र 2016 में विकसित और कार्यान्वित किए गए थे। विद्यार्थियों के अग्रिम रूप से खोले जा रहे डिजीलॉकर खातों के माध्यम से परिणाम घोषणा के उपरांत तुरंत विद्यार्थियों को सीधे विधिवत रूप से ई-हस्ताक्षरित और क्यूआर कोड वाले डिजिटल शैक्षणिक दस्तावेज प्रदान करने हेतु इसे डिजिलॉकर्स के साथ एकीकृत किया गया है

वर्तमान में इस निधान/ संग्रह में 2001 से 2021 तक के लगभग 16 करोड़ डिजिटल शैक्षणिक दस्तावेज वाला परिणाम डेटा उपलब्ध है।

39) परिणाममंजूषा के साथ ई-सनद का एकीकरण

उच्चतर अर्हता या रोजगार के लिए विदेश जाने वाले छात्रों के लिए एक e-Apostle सेवा।

40) परिणाममंजूषा में चेहरा मिलान प्रौद्योगिकी

सीबीएसई छात्रों को डिजिटल अंकपत्र प्रदान करने के लिए बहु-कारक प्रमाणीकरण के तहत प्रमाणीकरण तंत्रों में से एक के रूप में चेहरा मिलान करने के लिए चेहरे की पहचान की प्रौद्योगिकी का उपयोग कर रहा है।

सीबीएसई आईटी अधिनियम 2000 में निर्धारित उचित प्रमाणीकरण के बाद अपने छात्रों को डिजिटल मार्कशीट प्रदान करने के लिए अधिकृत है। सीबीएसई प्रवेश पत्र पर पहले से उपलब्ध तस्वीरों के साथ चेहरा मिलान किया जाता है। चेहरा मिलान प्रमाणीकरण को विदेशी छात्रों के लिए उसी प्रणाली में दूसरे फैक्टर प्रमाणीकरण के रूप में जोड़ा जाता है, जहां विदेशी मोबाइल नंबरों पर मोबाइल ओटीपी आधारित प्रमाणीकरण नहीं किया जा सकता है।

विदेशी छात्रों को उनके कॉलेज प्रवेश के लिए डिजिटल प्रमाणपत्र प्रदान करने के लिए COVID स्थिति में आपातकालीन उपायों /प्रतिक्रियाओं में से एक के रूप में चेहरे के मिलान प्रौद्योगिकी का उपयोग करने वाली प्रणाली बनाई गई है।

41) 1975 के बाद से विरासत शैक्षणिक रिकॉर्ड का डिजिटलीकरण

सीबीएसई पहला शिक्षा बोर्ड है जिसके पास शैक्षणिक दस्तावेजों का अपना निधान/संग्रह है। वर्तमान में वर्ष 2004 से 2021 तक के छात्रों के शैक्षणिक दस्तावेज (अंक पत्र, प्रवास प्रमाण पत्र और उत्तीर्णता प्रमाण-पत्र) पहले से ही इस निधान/संग्रह में दर्ज हैं। हालाँकि, व्यापक स्पेक्ट्रम के लिए, 1975 के बाद के शैक्षणिक दस्तावेजों को सीबीएसई के मौजूदा निधान/संग्रह में दर्ज करने के लिए डिजिटाइज़ किया जा रहा है। एक बार डिजीटल होने के बाद सभी आँकड़े सीबीएसई शैक्षणिक निधान/संग्रह पर उपलब्ध होंगे।

42) सीबीएसई परिणामों में ब्लॉकचेन कार्यान्वयन

डिजिटल उत्कृष्टता प्राप्त करने के प्रयासों के तहत सीबीएसई अपने परिणामों और शैक्षणिक दस्तावेजों के लिए एक और "उभरती हुई प्रौद्योगिकी" अर्थात "ब्लॉकचैन" क्रियान्वित करता है।

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY), भारत सरकार के तहत राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र की ब्लॉक चेन प्रौद्योगिकी के लिए उत्कृष्टता केंद्र के साथ तकनीकी सहयोग में, सीबीएसई ने "शैक्षणिक {ब्लॉकचेन} दस्तावेज़ (एबीसीडी)" नामक एक प्रणाली विकसित की है जो यह सुनिश्चित करती है कि शैक्षणिक दस्तावेज़ सुरक्षित और छेड़छाड़ रहित तरीके से दर्ज किए गए हैं और विश्वसनीय और सत्यापन योग्य माध्यमों से ऑनलाइन प्राप्त किए जा सकते हैं। लिंक्ड चेन स्ट्रक्चर में प्रमाण-पत्रों को रिकॉर्ड करने के लिए ब्लॉक चेन प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करते हुए इसे स्थापित किया गया है।

सीबीएसई ने वर्ष 2019-2021 के लिए दसवीं और बारहवीं कक्षा के डिजिटल रूप से हस्ताक्षरित प्रमाणपत्र पहले ही उपलब्ध करा दिए हैं और अगले कुछ महीनों में पिछले वर्षों के प्रमाणपत्रों को भी धीरे-धीरे बढ़ाया/शामिल किया जाएगा।

शैक्षणिक ब्लॉकचैन दस्तावेज़ का उपयोग विभिन्न संस्थानों द्वारा प्लग-इन इंटरफेस के साथ अपनी प्रणाली को एकीकृत करके ऑनलाइन परामर्श के लिए भी किया जा सकता है। बैंक और वित्तीय संस्थान भी आवेदकों की अर्हता के आधार पर शैक्षिक ऋणों और मेरिट-आधारित छात्रवृत्ति की मंजूरी के लिए इस प्रणाली का उपयोग कर सकते हैं।

प्रमाण पत्र की प्रामाणिकता को इन्हें जारी होने के कई वर्षों के बाद भी सत्यापित किया जा सकता है, क्योंकि किसी विशेष प्रमाण पत्र में किए गए सभी सम्मिलनों या परिवर्तनों का एक चिह्न उपलब्ध कराया जाएगा।

शैक्षणिक ब्लॉकचैन दस्तावेज़ की शुरूआत के परिणामस्वरूप प्रमाण पत्र का पारदर्शी, छेड़छाड़ रहित और कागज रहित उपयोग हुआ है। इससे सत्यापन के समय और कागजी कार्रवाई में भी बहुत कमी हो गई की है।

43) डीएडीएस - डुप्लिकेट शैक्षणिक दस्तावेज़ प्रणाली

प्रत्येक वर्ष कई विद्यार्थी अपने शैक्षणिक दस्तावेजों की डुप्लीकेट कॉपी के लिए आवेदन करते हैं। ऐसे विद्यार्थी आम तौर पर क्षेत्रीय कार्यालयों से व्यक्तिगत रूप से संपर्क करते हैं, एक निर्धारित फॉर्म पर आवेदन करते हैं और बैंकों में आवश्यक शुल्क जमा करते हैं। वैकल्पिक रूप से वे क्षेत्रीय कार्यालयों को फॉर्म और बैंक ड्राफ्ट डाक द्वारा भेज रहे थे। ऐसे छात्रों की सुविधा के लिए डीएडीएस (डुप्लीकेट शैक्षणिक दस्तावेज प्रणाली) नाम से एक प्रणाली विकसित और कार्यान्वित की गई है। इस पोर्टल पर विद्यार्थी ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं और शुल्क का भुगतान भी ऑनलाइन कर सकते हैं। ऐसे ऑनलाइन आवेदन प्राप्त होने पर, क्षेत्रीय कार्यालय ऐसे विद्यार्थियों के शैक्षणिक दस्तावेजों को प्रिंट करेंगे और उन्हें स्पीड पोस्ट के माध्यम से भेजेंगे।

इससे पूरी प्रक्रिया आसान हो गई है और छात्रों को इस कोविड महामारी के दौरान व्यक्तिगत रूप से संबंधित क्षेत्रीय कार्यालय में नहीं आना पड़ा। यह पोर्टल छात्रों को शैक्षणिक दस्तावेज़ की डिजिटल कॉपी के साथ-साथ मुद्रित कॉपी दोनों के लिए विकल्प देता है और छात्रों की पसंद के आधार पर शैक्षणिक दस्तावेज़ प्रदान किया जाता है।

44) CTET का डिजिटल निधान/संग्रह

2018 में सीटीईटी परीक्षार्थियों के डिजिटल अंकपत्रों और अर्हता प्रमाणपत्रों का एक निधान/संग्रह विकसित और कार्यान्वित किया गया था।

परीक्षार्थी (दिसंबर 2018-दिसंबर 2021) अब किसी भी समय अपने अंकपत्र और/या प्रमाणपत्र डाउनलोड कर सकते हैं। दोनों दस्तावेज क्यूआर कोडेड हैं और विशेष रूप से विकसित ऐप के माध्यम से सत्यापन के लिए डिजिटल रूप से हस्ताक्षरित हैं।

45) ऑनलाइन कार्यप्रवाह आधारित परिणाम उपरांत 'जनसांख्यिकीय डेटा सुधार (डीडीसी)' मॉड्यूल

इस सुधार मॉड्यूल का उपयोग कक्षा X और XII के परिणाम के उपरांत के डेटा में सुधार के लिए किया जाता है। ये सुधार अभ्यर्थियों के अनुरोध पर विद्यालय द्वारा प्रस्तुत किए जाते हैं और संबंधित क्षेत्रीय कार्यालयों को भेजे जाते हैं जहां आधिकारिक पदानुक्रम में कार्य प्रवाह-आधारित प्रणाली के माध्यम से इनका अवलोकन किया जाता है, और अंतिम अनुमोदन क्षेत्रीय अधिकारी/ परीक्षा नियंत्रक द्वारा किया जाता है। एक बार अनुमोदित हो जाने के बाद इसे परिणाम निधान/ संग्रह अर्थात 'परिणाम मंजूषा' में अद्यतन किया जाता है।

46) ऑनलाइन कार्य-प्रवाह-आधारित परिणाम उपरांत 'अंक के आँकड़े में सुधार (DDC)' मॉड्यूल

अनुमोदन के न्यूनतम चरणों के साथ आंतरिक आधिकारिक उपयोग के लिए ऑनलाइन कार्यप्रवाह आधारित परिणाम उपरांत 'अंक के आँकड़े मे सुधार' मॉड्यूल।

47) ओवीईआरएस - मूल्यांकन और पुनर्मूल्यांकन प्रणाली का ऑनलाइन सत्यापन

परिणाम के बाद अंक सत्यापन, उत्तर पुस्तिकाओं की छायाप्रति और पुनर्मूल्यांकन के लिए एक व्यापक और कम्प्यूटरीकृत प्रणाली।

48) समाधान के लिए विद्यालय अनुरोध प्रस्तुति (एसआरएसआर) पोर्टल

यह बोर्ड परीक्षा हेतु ऑनलाइन विवाद निवारण तंत्र के लिए एक पोर्टल है। इस पोर्टल के माध्यम से छात्रों/विद्यालयों द्वारा उठाए गए विवादों को निर्धारित अवधि में सीबीएसई द्वारा सुलझाया जा सकता है।

49) सीडीएमएसआईएस - कस्टमाइज्ड डाटा माइनिंग एंड स्टैटिस्टिकल इंफॉर्मेशन सिस्टम

यह विभिन्न सहयोगी संगठनों, विश्वविद्यालयों, प्रवेश परामर्श निकायों और सरकारी विभागों को आवश्यक डेटा/ सांख्यिकीय जानकारी शीघ्रता से प्रदान करने के लिए प्रणाली है।

50) एक परामर्श ऐप "दोस्त फॉर लाइफ"

सीबीएसई ने महामारी के दौरान कक्षा IX-XII के छात्रों के मनोसामाजिक कल्याण के लिए एक नया ऐप लॉन्च किया। देश भर में टोल फ्री नंबर के माध्यम से काउंसलिंग की विद्यमान पद्धति से हटकर, घर के सुरक्षित माहौल में छात्रों और अभिभावकों की आसानी, सुविधा और उपयोगिता के लिए बोर्ड ने यह सुविधा दी है।

51) छात्रवृत्ति पोर्टल

सभी प्रकार की छात्रवृत्ति योजनाओं के लिए वन स्टॉप पोर्टल विकसित किया गया। सीबीएसई/ भारत सरकार की विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं के लिए अभ्यर्थियों के आवेदन से लेकर अंतिम रूप देने तक की प्रक्रिया को पूरी तरह से डिजिटल कर दिया गया है।

एकीकृत भुगतान प्रणाली (आईपीएस)

52) निरीक्षण समिति और समीक्षा समिति के सदस्यों के लिए एकीकृत भुगतान प्रणाली (आईपीएस)।

निरीक्षण समिति के सदस्यों को भुगतान के सीधे बैंक अंतरण

के लिए सीबीएसई आईटी विभाग द्वारा एचडीएफसी बैंक के सहयोग से एकीकृत भुगतान प्रणाली विकसित और कार्यान्वित की गई है। निरीक्षण समिति के सदस्यों/ समीक्षा समिति के सदस्यों के टीए/डीए बिलों के भुगतान में अत्यधिक देरी को समाप्त करने के लिए निरीक्षण के दौरान उनके बैंक खाते का विवरण दर्ज किया जाता है। जैसे ही निरीक्षण समाप्त हो जाता है, उन्हें देय राशि का भुगतान स्वतः ही सीधे उनके खातों में कर दिया जाता है।

53) बोर्ड परीक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए एकीकृत भुगतान प्रणाली (आईपीएस) (केन्द्र प्रभारों / पारिश्रमिक का डीबीटी)

यह अप्रामाणिक / अवास्तविक संवितरण को खत्म करने के लिए, एक ऑनलाइन मानकीय/नोरमटिव भुगतान प्रणाली " (आईपीएस) एकीकृत भुगतान प्रणाली“ है। यह कार्य/ कारोबार सुगमता और ईज ऑफ लिविंग (ईओएल) के अनुरूप है।

इसे पहली बार सीटीईटी जनवरी 2021 परीक्षा के लिए सफलतापूर्वक लागू किया गया था। तत्पश्चात् इसे संबद्धता एवं परीक्षा संबंधी भुगतानों में भी लागू किया गया है। इसकी निम्नलिखित विशेषताएं हैं।

- मैनुअल प्रणाली का डिजिटल रचनान्तरण
- प्रयोग करने में आसान
- स्वत: परिकलन
- मानकीय भुगतान
- स्व-घोषणा / प्रमाणन
- बैंक में सीधे अंतरण
- प्रणाली में अंतर्निहित जांच (मान्यकरण)
- बैंक भुगतान गेटवे के साथ सॉफ्टवेयर एकीकरण
- त्वरित भुगतान

इसे केंद्र अधीक्षक, अन्वीक्षकों, सहायक कर्मचारियों, मूल्यांकनकर्ताओं आदि सहित सभी बोर्ड परीक्षा पदाधिकारियों के पारिश्रमिक के डीबीटी के लिए भी लागू किया गया है।

54) शिक्षक प्रशिक्षण के लिए एकीकृत भुगतान प्रणाली (पारिश्रमिक का डीबीटी)।

प्रशिक्षण के लिए संसाधन व्यक्तियों को भुगतान के सीधे बैंक अंतरण के लिए।

शैक्षणिक और प्रशिक्षण

55) एचपीसी पोर्टल

यह समग्र प्रगति कार्ड (एचपीसी) के लिए एक पोर्टल है जो योगात्मक से अधिक नियमित और रचनात्मक आकलन में बदलाव को दर्शाता है। अधिक सक्षमता आधारित, छात्रों के अधिगम और विकास को बढ़ावा।

56) एसक्यूएए-विद्यालय गुणवत्ता आकलन और आश्वासन

विद्यालयों द्वारा स्व-आकलन के लिए विद्यालय गुणवत्ता आकलन और आश्वासन (SQAA) पोर्टल का विकास और कार्यान्वयन। इस प्रणाली में निम्नलिखित विशेषताएं हैं:

- निरंतर अनुचिंतन के माध्यम से विद्यालयों द्वारा प्रदान की जाने वाली गुणवत्ता और सेवाओं को उन्नत करने के लिए संपूर्ण स्व-आकलन साधन।
- यह आकलन सर्वोत्तम वैश्विक मानकों और स्थानीय आवश्यकताओं के संदर्भ में बेंचमार्क किया गया है।
- यह विद्यालयों को लक्ष्य की आकांक्षा रखने, अनुचिंतन करने व हितधारकों के साथ बातचीत प्रारंभ करने, बड़े पैमाने पर जटिलता को जानने और प्रबंधित करने, और अपने कार्यों के लिए जिम्मेदार होने के लिए प्रेरित करता है।
- हितधारकों को आश्वस्त करता है कि विद्यालय निरंतर सुधार की आकांक्षा रखता है जिससे वांछित विद्यार्थी अधिगम परिणाम प्राप्त होते हैं।
- ऐसे मानकीकरण तत्व/पहलू प्रदान करता है जो विविध विद्यालयों के संदर्भों के अनुकूल हैं।

57) 75 लाख पोस्ट कार्ड अभियान पोर्टल

डाक विभाग और स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग के लिए आजादी का महोत्सव (AKAM) के हिस्से के रूप में 75 लाख पोस्ट कार्ड अभियान के लिए प्रविष्टियां जमा करने के लिए एक पोर्टल विकसित किया गया था।

58) एसएकेएसएच - ज्ञान और कौशल हब के रूप में विद्यालय

यह विद्यालय के समय के बाद कौशल शिक्षा प्रदान करने के लिए ज्ञान और कौशल हब (एसएकेएसएच) के रूप में विद्यालयों के पंजीकरण के लिए एक पोर्टल है।

59) एक्यूएडी- एक दिन एक प्रश्न

Ei, AQAD (एक दिन एक प्रश्न) के सहयोग से सीबीएसई की इस पहल के तहत छात्रों की अवधारणाओं की समझ का परीक्षण करने के लिए विचारोत्तेजक प्रश्नों का एक सेट होता है और इसे वेबसाइट के माध्यम से दैनिक रूप से उपलब्ध कराया जाता है। AQAD अंग्रेजी, गणित और विज्ञान विषयों में कक्षा 3 से 10 के लिए उपलब्ध है।

60) वीर गाथा परियोजना

सीबीएसई से संबद्ध विद्यालयों के छात्रों से साहसिक कार्यों

और बहादुरों की जीवन गाथाओं से संबंधित प्रविष्टियां प्राप्त करने के लिए एक पोर्टल क्रियान्वित किया गया है। इसे रक्षा मंत्रालय (MoD) के निर्देशों के अनुसार विकसित किया गया था।

61) एसएएफएएल - अधिगम विश्लेषण के लिए संरचित आकलन

नैदानिक आकलन के लिए छात्रों के ऑनलाइन पंजीकरण के लिए एसएएफएएल पोर्टल विकसित और कार्यान्वित किया गया है जो छात्रों पर अतिरिक्त परीक्षा दबाव डाले बिना शिक्षण-अधिगम में सुधार के लिए विद्यालयों और शिक्षकों को विकासात्मक प्रतिक्रिया भी प्रदान करेगा।

62) कला-एकीकृत प्रतिमान (exemplar) पोर्टल

कला-एकीकृत प्रतिमान (exemplar) पोर्टल कक्षा में प्रयोगात्मक और आनंदमय अधिगम के लिए शिक्षकों और प्रधानाचार्यों की सुविधा के लिए विकसित किया गया था और क्रियान्वित किया गया था। इस पोर्टल के माध्यम से, शिक्षक अनुसंधान, कर सकते हैं, नवाचार ला सकते हैं और प्रतिमान अद्वितीय प्रतिमान (exemplar) बना सकते हैं और सृजनात्मकता और नवाचार के अपने कौशल का प्रदर्शन कर सकते हैं।

63) वार्षिक शैक्षिक योजना

वार्षिक शैक्षिक योजना पोर्टल का लक्ष्य एक शिक्षक की शैक्षिक योजना को दर्शाना है अर्थात उनकी कक्षा में शिक्षण अधिगम की प्रक्रिया के उनके संदृश्य को क्रियान्वित करना है। यह छात्रों के लिए पाठ्यक्रम देय–आदेय के प्रत्येक चरण को सार्थक और व्यापक बनाने में शामिल सर्व चिंतन, तैयारी और निष्पादन के चरणों को आत्मसात करता है।

64) कलासेतु- कला शिक्षा और कला एकीकृत अधिगम के लिए एक पोर्टल

कला एकीकृत शिक्षा और अधिगम के बारे में विद्यालयों से जानकारी प्राप्त करने के लिए एक पोर्टल।

65) ओटीएएस - ऑनलाइन शिक्षक पुरस्कार प्रणाली

यह सीबीएसई शिक्षक पुरस्कारों के लिए आवेदन आमंत्रित करने के लिए व्यापक और अत्यधिक पारदर्शी प्रणाली है। विभिन्न मापदंडों के रूब्रिक और वेटेज के आधार पर, यह प्रणाली आवेदकों को स्वचालित रूप से ग्रेड भी देती है। यह अत्यंत पारदर्शी व्यवस्था है।

66) सीबीएसई रीडिंग चैलेंज

यह आठवीं से दसवीं कक्षा में पढ़ने वाले बच्चों की पढ़ने की क्षमता का आकलन करने के लिए रीडिंग चैलेंज प्रतियोगिता का एक पोर्टल है।

67) प्रशिक्षण - सीबीएसई संबद्ध विद्यालयों के शिक्षकों के लिए एक प्रशिक्षण पोर्टल

सीबीएसई से संबद्ध विद्यालयों के प्रधानाचार्यों और शिक्षकों के लिए एक व्यापक प्रशिक्षण प्रबंधन प्रणाली (टीएमएस) पोर्टल जहां वे सीबीएसई के सीओई द्वारा आयोजित किए जा रहे विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं और शुल्क का भुगतान ऑनलाइन कर सकते हैं। इस पोर्टल के माध्यम से शिक्षकों को ई-सर्टिफिकेट भी उपलब्ध कराया जा रहा है। यह OASIS के साथ भी एकीकृत है।

68) सीबीएसई अभिव्यक्ति श्रृंखला का वेब पोर्टल और ऐप

यह छात्रों के पंजीकरण और प्रविष्टियां प्राप्त करने के लिए एक मोबाइल ऐप है। इसके अलावा, प्रविष्टियों के डिजिटल मूल्यांकन और परिणामों की घोषणा के लिए क्षेत्रीय कार्यालयों के लिए एक पोर्टल है।

69) आर्यभट्ट - गणित चुनौती

गणित ओलंपियाड "गणित चुनौती" के लिए छात्रों के पंजीकरण और कंप्यूटर आधारित मोड में परीक्षा आयोजित करने के लिए एक एकीकृत पोर्टल है। इसमें उत्तर पुस्तिका के संपादन योग्य पीडीएफ को छात्रों द्वारा डाउनलोड किया जाता है, उसी पर प्रश्न का उत्तर देने का प्रयास किया जाता है और उसे वापस अपलोड किया जाता है। डेटा पीडीएफ से लिया जाता है और परिणाम संकलित और घोषित किया जाता है।

70) एचपीई- स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा पोर्टल

विद्यालयों से खेल, स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा संबंधी जानकारी एकत्र करने के लिए एक व्यापक पोर्टल।

71) एएसएआर ऐप - संबद्ध विद्यालय गतिविधियों की रिपोर्ट

विद्यालयों को सर्वोत्तम पद्धतियों सहित उनके द्वारा की जा रही विभिन्न गतिविधियों के फोटो/वीडियो अपलोड करने की सुविधा के लिए ऐप।

प्रशासन, वित्त और सतर्कता

72) ओआईपीआर - ऑनलाइन अचल संपत्ति विवरणी पोर्टल

ऑनलाइन आईपीआर विकसित किया गया और मुख्य सतर्कता अधिकारी द्वारा अनुवीक्षण के प्रावधान के साथ सीबीएसई के ई-कर्मिक पोर्टल से एकीकृत किया गया। इसे स्पैरो के साथ भी एकीकृत किया गया है।

73) ओएसईएस- ऑनलाइन कर्मचारी चुनाव प्रणाली

शिक्षा बोर्ड कर्मचारी कल्याण संघ (एसबीएसडब्ल्यूए) के

पदाधिकारियों के चुनाव हेतु ऑनलाइन वोट डालने के लिए एक प्रणाली विकसित और कार्यान्वित की गई थी।

अनुवीक्षण और नियंत्रण

74) एचआईआरओएस वेब पोर्टल और एपीपी - विद्यालयों का ऐतिहासिक सूचना निधान/संग्रह
यह बोर्ड में किसी भी इकाई द्वारा विद्यालयों के साथ विभिन्न पत्राचारों को अपलोड करने और ट्रैक करने के लिए पोर्टल और मोबाइल ऐप से युक्त एक व्यापक प्रणाली है। यह विद्यालयों के प्रदर्शन, उपविधियों के उल्लंघन, यदि हो, प्रशस्ति और प्रतिकूल संचार आदि का एक पूर्ण ऐतिहासिक निधान/संग्रह है।

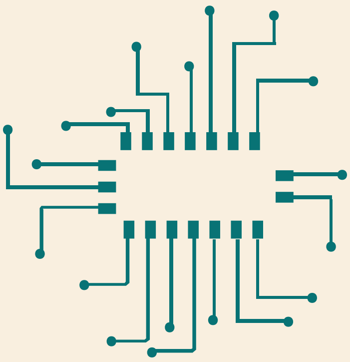

हितधारकों के साथ त्वरित संचार

75) ई-हरकारा - विद्यालय के लिए तीव्र संचार प्रणाली
यह विद्यालयों के लिए एक पोर्टल है जिसके माध्यम से विद्यालय सीधे बोर्ड के उपयुक्त प्राधिकरण के साथ अपने मुद्दों के बारे में संवाद कर सकते हैं और अपने अनुरोधों की स्थिति को ट्रैक कर सकते हैं। संबंधित प्राधिकरण इस मुद्दे को सीधे ऑनलाइन संबोधित कर सकता है। यह पहल कोविड लॉकडाउन के दौरान की गई। यह विद्यालयों के लिए बहुत उपयोगी साबित हुआ, क्योंकि वे बोर्ड के संबंधित अधिकारियों के साथ इलेक्ट्रॉनिक रूप से सीधे संवाद कर सकते थे।

76) ई-संदेश पोर्टल
यह विद्यालयों, प्रधानाचार्यों, शिक्षकों, मूल्यांकनकर्ताओं और विद्यार्थियों जैसे विभिन्न हितधारकों को बल्क एसएमएस और ई-मेल भेजने के लिए एक पोर्टल है।

शिक्षा मंत्रालय (एमओई) और अन्य संगठन

77) एमओई के लिए एलपीडी पोर्टल
शिक्षा मंत्रालय के लिए पोर्टल मिशन एजुकेशन - लो परफॉर्मिंग डिस्ट्रिक्ट (एलपीडी) का विकास।

78) जेएनवीएसटी पोर्टल
जेएनवीएसटी परीक्षार्थियों के ऑनलाइन डेटा संग्रह और अन्य संबंधित सभी परीक्षा पूर्व गतिविधियों के लिए एक पोर्टल।

79) राष्ट्रीय बाल भवन के लिए बाल श्री पुरस्कार पोर्टल
रूब्रिक के आधार पर प्रविष्टियां आमंत्रित करने और चयन/मेरिट सूची तैयार करने के लिए राष्ट्रीय बाल भवन का एक पोर्टल। यह एनबीबी बाल श्री पुरस्कार के लिए एक संपूर्ण और अत्यधिक पारदर्शी प्रणाली है।

80) राष्ट्रीय बाल भवन के लिए सदस्यता पोर्टल
राष्ट्रीय बाल भवन के लिए संस्थानों की संबद्धता के लिए एक व्यापक पोर्टल।

81) राष्ट्रीय बाल भवन के लिए सदस्यता पोर्टल
राष्ट्रीय बाल भवन के लिए सदस्यता पोर्टल।

82) राष्ट्रीय बाल भवन के लिए कार्यशाला और प्रशिक्षण पोर्टल
राष्ट्रीय बाल भवन के लिए एक समावेशी प्रशिक्षण पोर्टल।

83) जम्मू-कश्मीर शिक्षा विभाग के लिए मध्याह्न भोजन ऐप
विद्यालय के बच्चों को ड्राई राशन और भोजन के वितरण के अनुवीक्षण के लिए जम्मू-कश्मीर शिक्षा विभाग के लिए एक एप।

84) एनवीएस के लिए एनसीएमटीएम ऐप
अभिरक्षक, केंद्र अधीक्षक, प्रशासक और प्रधानाचार्य द्वारा अत्यधिक गोपनीय और संवेदनशील सामग्री की ट्रैकिंग और अनुवीक्षण की इलेक्ट्रॉनिक निगरानी के लिए चार एप।

85) एनवीएस द्वारा निगरानी के लिए एनसीएमटीएम वेब पोर्टल
विभिन्न प्राधिकरणों द्वारा NCMTM ऐप की निगरानी के लिए पोर्टल।

सीबीएसई की दसवीं और बारहवीं की परीक्षा 2020-21

बोर्ड ने परीक्षा के आयोजन के लिए परीक्षा केंद्रों, विद्यालयों और अन्य सभी पदाधिकारियों के निर्धारण, छात्रों के लिए दिशा-निर्देश तैयार करने, केंद्रों को निरंक उत्तर पुस्तिकाएं भेजने सहित सभी तैयारियां की थीं, हालांकि, COVID मामलों की संख्या में तीव्र वृद्धि के कारण, और छात्रों और शिक्षकों की सुरक्षा और क्षेम को ध्यान में रखते हुए, 2020-2021 की परीक्षाओं को अधिसूचना संख्या सीबीएसई/सीई/परीक्षा 2021 दिनांक 01.06.2021 द्वारा रद्द कर दिया गया था।

परीक्षाओं के रद्द होने के बाद, सीबीएसई ने विशेषज्ञ समिति की मदद से बारहवीं कक्षा और दसवीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाओं 2021 के लिए अंकों के सारणीकरण के लिए नीति तैयार करना शुरू कर दिया। बड़ी संख्या में छात्रों के वैध, विश्वसनीय, निष्पक्ष और पूर्वाग्रहमुक्त आकलन के लिए एक निष्पक्ष और पारदर्शी नीति विकसित करना एक चुनौतीपूर्ण कार्य था। विस्तृत विचार-विमर्श और बहुत सारे डेटा विश्लेषण के बाद, नीति तैयार की गई और 17.06.2021 को जारी की गई।

नीति तैयार करते समय, बोर्ड के सामने सबसे बड़ी चुनौती एक विश्वसनीय और वैध परिणाम तैयार करना था। इसे शिक्षकों के ज्ञान पर भरोसा करते हुए और विद्यालय के शिक्षकों की एक ऐसी समिति को जिम्मेदारी सौंपकर किया गया, जो एक विद्यार्थी का परिणाम तैयार करने के लिए सभी विषय शिक्षकों से परामर्श करे।

2021 की रिट याचिका सिविल संख्या 522 दिनांक 17.06.2021 के मामले में भी इस नीति को भारत के माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा अनुमोदित किया गया था। यह नीति भारत और विदेश दोनों में सीबीएसई से संबद्ध विभिन्न प्रकार के विद्यालयों के मामलों के निपटान के लिए बहुत व्यापक थी।

कक्षा XII के लिए सारणीकरण नीति

कक्षा-X	**मुख्य 5 विषयों में से सर्वश्रेष्ठ 3 प्रदर्शन करने वाले विषयों के औसत थ्योरी घटक पर आधारित अंक**	**40%**
कक्षा -XI	**अंतिम परीक्षा के थ्योरी घटक के आधार पर अंक**	**30%**
कक्षा XII	**यूनिट टेस्ट/मिड-टर्म/प्री-बोर्ड परीक्षा के आधार पर अंक**	**30%**

महामारी के कारण, विद्यालयों ने सत्र 2020-21 के लिए ऑनलाइन/ऑफलाइन मोड में विभिन्न प्रकार के परीक्षण और परीक्षाएं आयोजित किए जैसे कि यूनिट टेस्ट/मिड टर्म टेस्ट/प्री-बोर्ड परीक्षा और विद्यालयों द्वारा दिए गए अंकों के आधार पर, परिणाम की संगणना की गई और नीतिगत आकलन के अनुसार कक्षा-बारहवीं का परिणाम 30.07.2021 और कक्षा-X का परिणाम 03.08.2021 को घोषित किया गया।

इस नीति में निम्नलिखित के लिए प्रावधान किया गया है:
- विद्यालय स्तर पर गठित परिणाम समिति द्वारा अंक परिकलन एवं संगणना
- परिणाम समिति द्वारा विद्यालय स्तर पर अंकों का अनुशोधन/मॉडरेशन।
- परिणाम समिति द्वारा युक्तिसंगत दस्तावेज़ तैयार करना।

कक्षा X परिणाम के भारांक/भारिता

आवधिक टेस्ट/ यूनिट टेस्ट	**10 अंक**
अर्धवार्षिक / मध्यावधि परीक्षा	**30 अंक**
प्रे –बोर्ड परीक्षाएं	**40 अंक**
कुल	**80 अंक**

सीबीएसई की ओर से सुविधा

समय पर परिणाम तैयार करने में सुविधा के लिए, नीति को समझने और निष्पक्ष और सही परिणाम तैयार करने में सीबीएसई ने विद्यालयों को पूर्ण सहयोग प्रदान किया।

परिणामों की सटीकता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए नीति में दिए गए निर्देशों के अनुसार प्रत्येक विद्यालय द्वारा एक परिणाम समिति भी गठित की गई थी। इस परिणाम समिति में 08 सदस्य शामिल थे:

एक प्रधानाचार्य, पांच विषय शिक्षक और दो बाह्य सदस्य।

इसके अलावा, बोर्ड ने निम्न प्रकार की सुविधाएं प्रदान की:
- सारणीकरण नीति को समझाने के लिए यूट्यूब पर एक ऑनलाइन वेबिनार आयोजित किया गया जिसमें विद्यालयों के प्रश्नों का भी समाधान किया गया। वेबिनार को 27000 संबद्ध विद्यालयों के दसवीं कक्षा के 90000 से अधिक शिक्षकों और बारहवीं कक्षा के 50000 शिक्षकों द्वारा देखा गया।

- •ईमेल, व्हाट्सएप और फोन पर प्राप्त प्रश्नों को प्राय: पूछे जाने वाले प्रश्नों (एफएक्यू) के रूप में वेबसाइट पर अपलोड किया गया और ई-संदेश की सहायता से सभी विद्यालयों को भेजा गया।
- विद्यालयों की सहायता के लिए सीबीएसई के सहोदय विद्यालय संकुल की सहायता से कई अन्य वेबिनार आयोजित किए गए।
- विद्यालय की दसवीं और बारहवीं कक्षा के परिणामों से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए विशेष रूप से एक ईमेल बनाया गया था।
- समिति की सहायता के लिए सीबीएसई परीक्षा इकाई में एक हेल्प डेस्क स्थापित किया गया था।
- क्षेत्रीय कार्यालयों के साथ कई बैठकें आयोजित की गईं जिनमें क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा विद्यालयों से प्राप्त प्रश्नों का समाधान किया गया।
- क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा नगर समन्वयकों को नीति के बारे में जानकारी दी गई और आगे मार्गदर्शन किया गया जैसा भी विद्यालयों द्वारा अपेक्षित था।
- सभी नीति अनुदेशों की अंतर्निहित उपलब्धता के साथ एक ऑनलाइन मॉड्यूल विकसित किया गया था ताकि परिणाम समितियां डेटा अपलोड कर सकें। यदि समिति अनुदेशों का सही ढंग से पालन करने में असमर्थ थी, तो ऑनलाइन प्रणाली द्वारा गलतियों को सुधारने के लिए समिति का मार्गदर्शन किया। यह ऑनलाइन प्रणाली सीबीएसई द्वारा आंतरिक रूप से तैयार की गई थी और इससे बोर्ड को सफलतापूर्वक परिणाम तैयार करने, संकलित करने और घोषित करने में सहायता मिली थी।

दसवीं और बारहवीं कक्षा के परिणाम 2021

- पिछली पद्धति और सीबीएसई द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार दसवीं और बारहवीं कक्षा के लिए कोई मेरिट सूची तैयार नहीं की गई थी।
- एक विशेष मामले के रूप में, बोर्ड ने छात्रों की विषयवार 0.1 मेरिट सूची घोषित नहीं की और छात्रों को मेरिट सर्टिफिकेट जारी नहीं किया।
- एक नई पहल के रूप में पहली बार अलग अंक पत्र और उत्तीर्णता प्रमाणपत्र के स्थान पर 2021 परिणाम के लिए एक संयुक्त अंक पत्र सह प्रमाणपत्र जारी किया गया था।

प्रदर्शन में सुधार/कम्पार्टमेंट परीक्षा 2021

प्रदर्शन में सुधार /कम्पार्टमेंट परीक्षा 2021 बोर्ड द्वारा छात्रों की निम्न श्रेणी के अनुसार आयोजित की गई:

- दसवीं कक्षा के उन छात्रों के लिए जो 02 विषयों में उत्तीर्ण नहीं हो पाए थे और कक्षा-बारहवीं के उन छात्रों के लिए जो 01 विषय में उत्तीर्ण नहीं हो सके थे।
- जो विद्यार्थी सारणीकरण नीति के आधार पर दिए गए अंकों से संतुष्ट नहीं थे, उन्हें परीक्षा में बैठने का अवसर दिया गया। नीति के अनुसार, बाद की परीक्षा में प्राप्त अंकों को अंतिम माना जाना था।
- कक्षा-बारहवीं और कक्षा-दसवीं के छात्रों को दी गई सूचना के अनुपालन में कम्पार्टमेंट परीक्षाओं में केवल एक विषय में अपने प्रदर्शन में सुधार करने का अवसर दिया गया था। परिणाम घोषित करने के लिए विषय में प्राप्त दो अंकों में से सर्वश्रेष्ठ पर विचार किया गया। एनईपी-2020 के साथ तालमेल बैठाने के लिए ऐसा पहली बार किया गया है।
- प्राइवेट, पत्राचार और द्वितीय अवसर वाले कम्पार्टमेंट के अभ्यर्थियों के लिए, जिनका परिणाम सारणीकरण नीति के आधार पर घोषित नहीं किया गया था, क्योंकि उनके वर्ष भर के आकलन विवरण उपलब्ध नहीं थे।

कंपार्टमेंट परीक्षाओं की तिथियाँ

कक्षा- X	**25 अगस्त 2021 to 08 सितंबर 2021**
कक्षा- XII	**25 अगस्त 2021 to 15 सितंबर 2021**

कक्षा X परिणाम 2021

अभ्यर्थियों का क्षेत्रवार उत्तीर्णता % - 2021- कक्षा –X

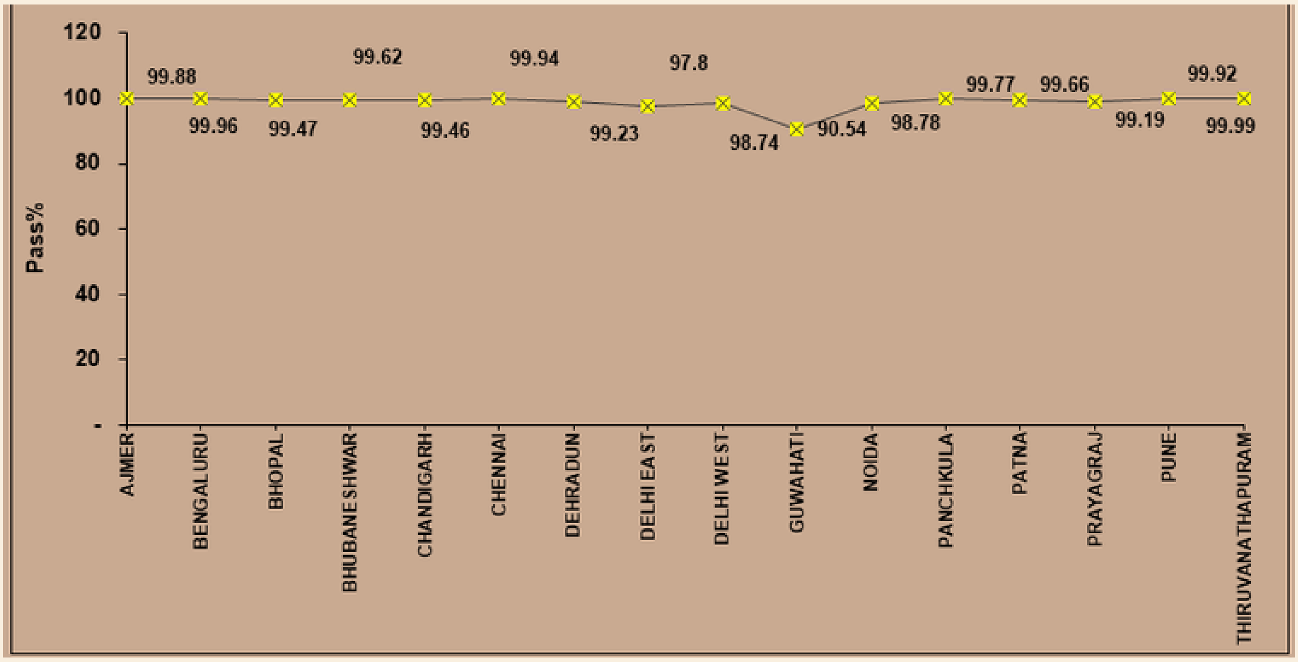

अभ्यर्थियों के उत्तीर्णता % की लिंगवार तुलना – 2021 - कक्षा-X

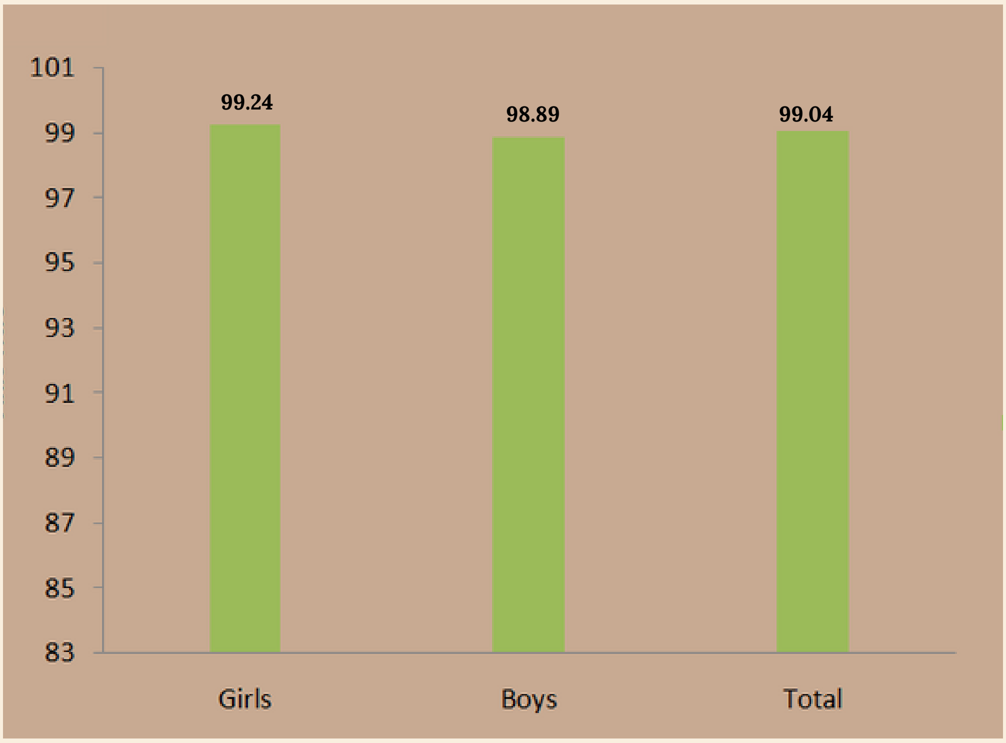

लिंगवार उत्तीर्णता % कक्षा-X (2021)

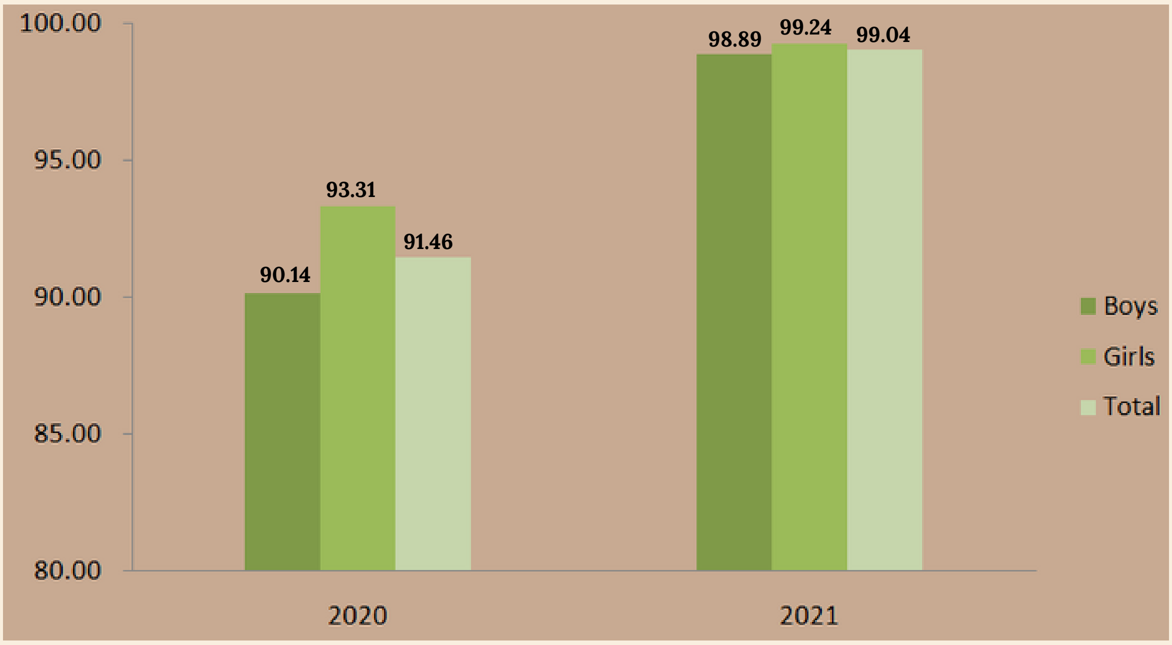

2021 में कक्षा-X की पंजीकृत अभ्यर्थियों की क्षेत्रवार संख्या

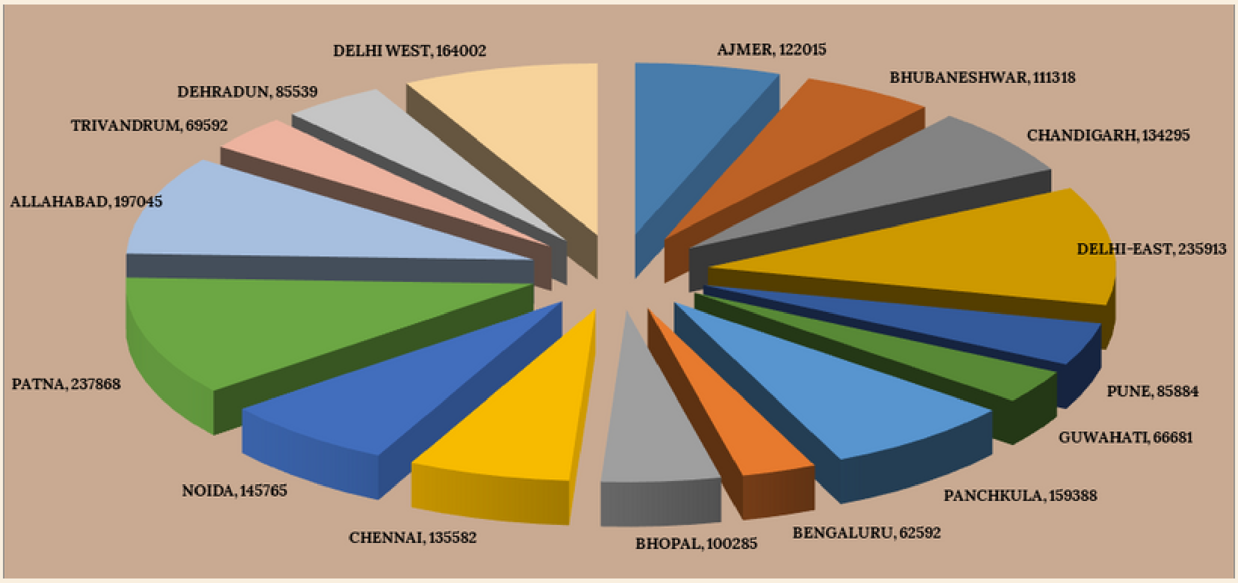

कक्षा XII परिणाम 2021

अभ्यर्थियों की क्षेत्रवार उत्तीर्णता का % - 2021 – कक्षा - XII

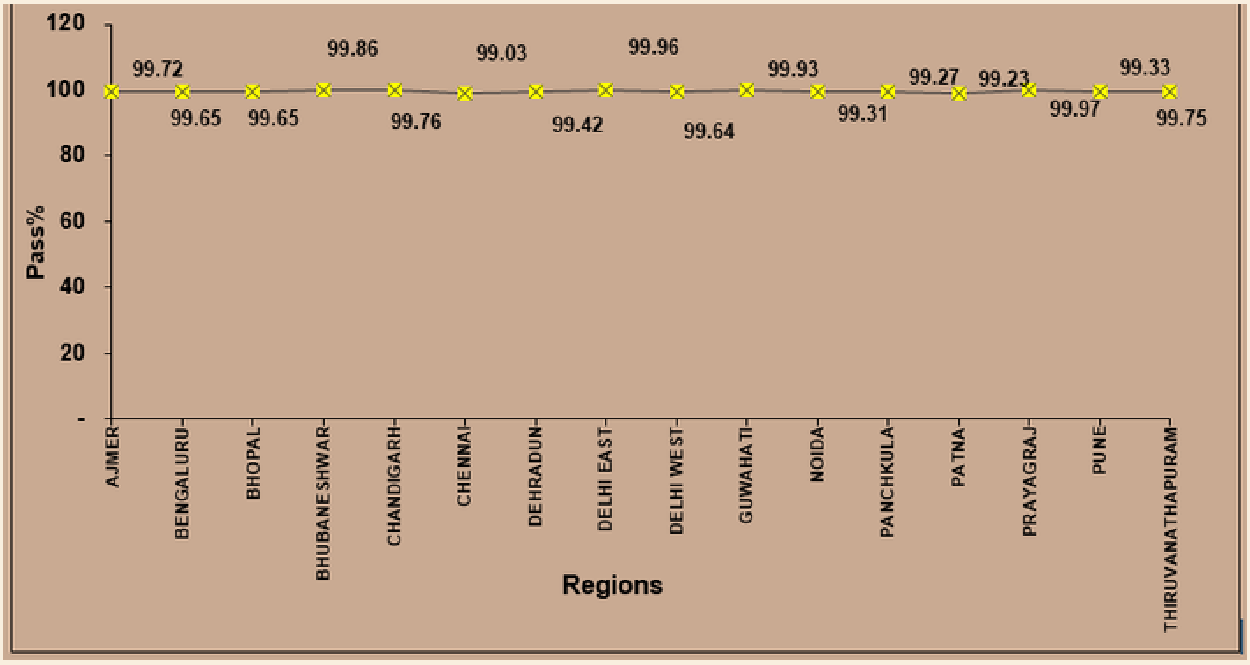

अभ्यर्थियों की उत्तीर्णता % की लिंगवार तुलना - कक्षा- XII– 2021

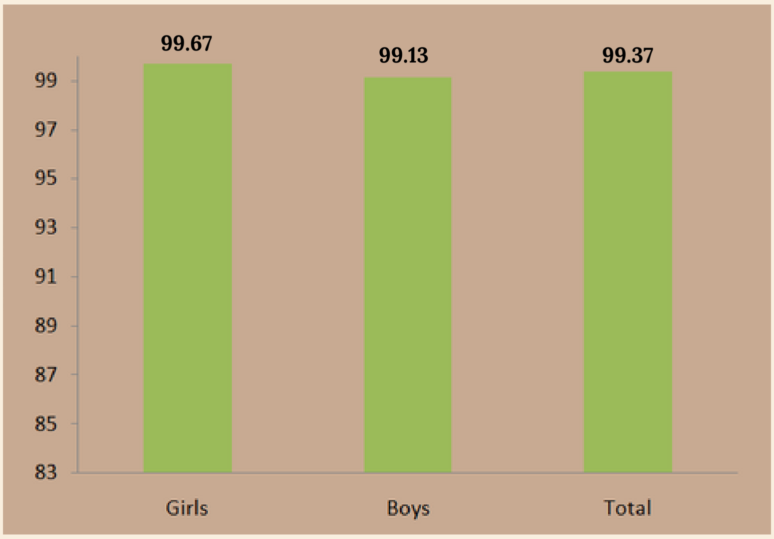

कक्षा XII लिंगवार उत्तीर्णता % (2021)

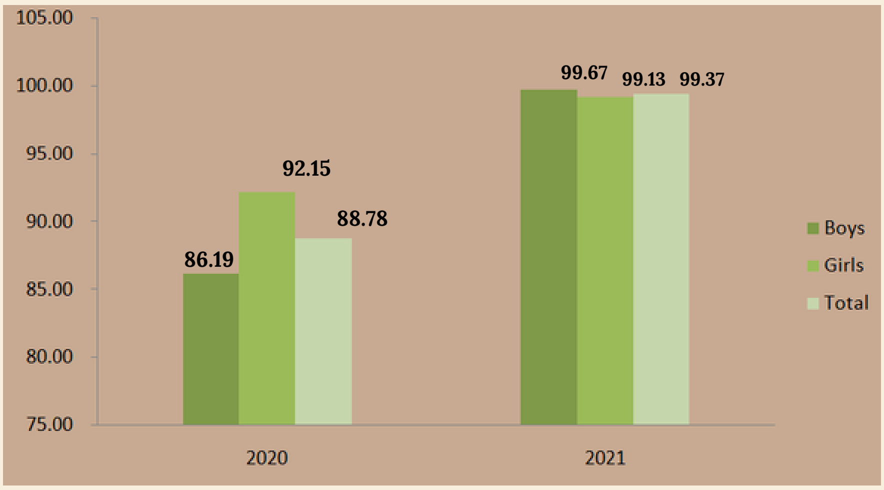

2021 में कक्षा XII में पंजीकृत अभ्यर्थियों की क्षेत्रवार संख्या

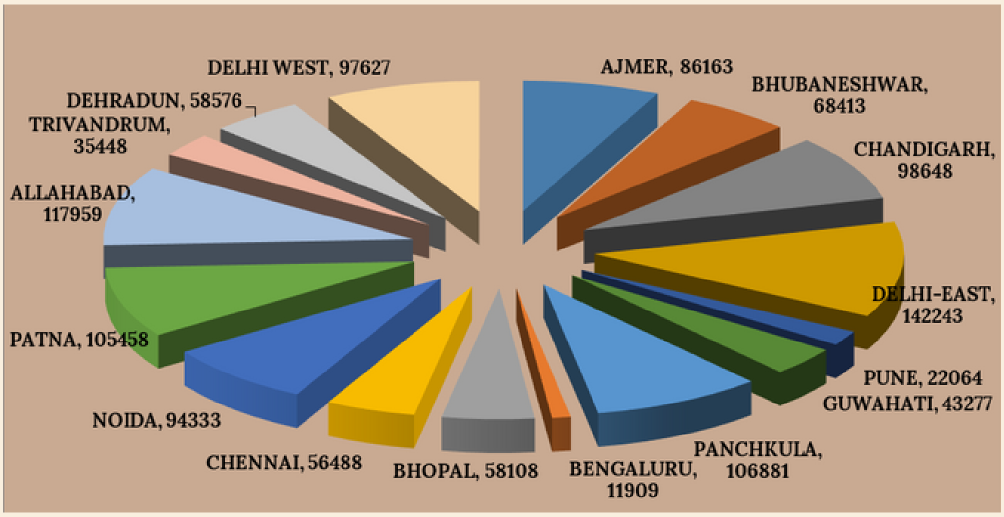

सत्र 2021-22 के लिए बोर्ड परीक्षा कक्षा X और XII के लिए आकलन की विशेष योजना

बोर्ड परीक्षा 2021-22 के पाठ्यविवरण को युक्तिसंगत बनाया गया है और शैक्षणिक सत्र को प्रत्येक सत्र में लगभग 50% पाठ्यविवरण के साथ 2 सत्रों में विभाजित किया गया है: सत्र-I परीक्षा और सत्र-II परीक्षा/ वर्षांत परीक्षा। आंतरिक आकलन/प्रैक्टिकल/परियोजना कार्य को और अधिक विश्वसनीय एवं वैध/मान्य बनाया जायेगा।

बोर्ड परीक्षा 2021: सुरक्षा और छूट के साथ नया स्वरूप टर्म-I

नवंबर-दिसंबर 2021 में टर्म- I की परीक्षा परिशोधित प्रारूप में ऑफलाइन मोड में आयोजित की गई थी, जहां छात्रों ने 90 मिनट की परीक्षा के दौरान बहुविकल्पीय प्रश्न हल किए। बोर्ड ने छात्रों और शिक्षकों के लिए सभी कोविड सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन किया और परीक्षा केंद्रों की संख्या में वृद्धि, दूर बैठने की व्यवस्था, मास्क, सैनिटाइज़र का कड़ा अनुपालन, परीक्षा केंद्रों और शहर बदलने के लिए छात्रों को छूट, परीक्षा के दौरान संक्रमित होने पर बाद में उपस्थित होने का विकल्प देकर सुरक्षा सुनिश्चित की गई।

टर्म -II

आकलन/परीक्षा ऑफलाइन मोड में आयोजित की जाएगी। यह 26 अप्रैल से 15 जून 2022 तक आयोजित होने वाली 2 घंटे की अवधि के लिए व्यक्तिनिष्ठ परीक्षा होगी।

टर्म- I परीक्षाओं में छात्रों का प्रदर्शन

टर्म- I परीक्षा सारणी/ अनुसूची के अनुसार आयोजित की गई थी। कक्षा 10वीं के लिए टर्म-I परीक्षा में छात्रों के प्रदर्शन की सूचना स्कूलों को 11.03.2022 और कक्षा-12वीं के लिए 19.03.2022 को दी गई।

- छात्रों की सहायता के लिए सामूहिक रूप से छात्रों के केवल थ्योरी प्रदर्शन को स्कूल को सूचित किया गया था ताकि वे टर्म- II परीक्षा में अच्छी तैयारी कर सकें।
- कोविड के कारण या राष्ट्रीय/ अंतरराष्ट्रीय खेल/ ओलंपियाड आदि में भाग लेने के कारण अपनी परीक्षा में न बैठने वाले छात्रों के मामले में यह निर्णय लिया गया कि उनका परिणाम टर्म- II परीक्षा के प्रदर्शन के आधार पर दिनांक 09.11.2021 के परिपत्र संख्या सीबीएसई/ समन्वय/स्पोर्ट्स/2021-22 के अनुसार घोषित किया जाएगा।
- टर्म-I में, केवल प्रदर्शन के बारे में बताया गया था, इसलिए कोई अंक विवरण सह उत्तीर्णता प्रमाणपत्र जारी नहीं किया गया था।
- टर्म-I और टर्म-II का भारांक टर्म-II परिणाम की घोषणा के समय तय किया जाएगा और तदनुसार, अंतिम प्रदर्शन की गणना की जाएगी।

केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा (सीटीईटी)

नि:शुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम, 2009 के तहत देश भर में बड़ी संख्या में समयबद्ध तरीके से शिक्षकों की भर्ती की आवश्यकता होती है। कार्य की अधिकता के बावजूद, यह सुनिश्चित करना वांछनीय है कि शिक्षकों की भर्ती की गुणवत्ता किसी भी कीमत पर कम न हो। इसलिए, यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि शिक्षकों के रूप में भर्ती किए गए व्यक्तियों में आवश्यक अभिक्षमता और प्राइमरी और उच्च प्राइमरी स्तर पर शिक्षण की चुनौतियाँ का सामना करने की क्षमता हो। आरटीई अधिनियम की धारा 23 की उप-धारा (1) के प्रावधानों के अनुसार, राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) द्वारा 23 अगस्त, 2010 की अधिसूचना और 29 जुलाई, 2011 के बाद के संशोधन द्वारा एक व्यक्ति के लिए कक्षा पहली से 8वीं तक पढ़ाने के लिए शिक्षक के रूप में नियुक्ति हेतु न्यूनतम अर्हता/पात्रता मानदंड निर्धारित किया गया था।

अन्य बातों के साथ-साथ यह प्रावधान किया गया था कि आरटीई अधिनियम की धारा 2 के खंड (एन) में संदर्भित किसी भी स्कूल में शिक्षक के रूप में नियुक्त होने के एक व्यक्ति को योग्य ठहराने के लिए आवश्यक अर्हताओं में से एक यह है कि उसे शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) में उत्तीर्ण होना चाहिए जो उपयुक्त सरकार द्वारा एनसीटीई द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुसार आयोजित की जाएगी। शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड को केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा (CTET) आयोजित करने की जिम्मेदारी सौंपी है।

सीटीईटी का 15वां संस्करण ऑनलाइन मोड में

सीटीईटी, जो कि दिसंबर 2021 में एकाधिक पारियों में ऑनलाइन मोड में बड़ी संख्या में उम्मीदवारों के लिए आयोजित किया गया था, के लिए 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर या 3 वर्षीय एकीकृत बी.एड-एम.एड सहित समकक्ष ग्रेड वाले भी आवेदन कर सकते हैं।

परीक्षा की तिथि	**16.12.2021 से 21.01.2022**
शहरों की संख्या	234
परीक्षा केन्द्रों की संख्या	726
पंजीकृत अभ्यर्थियों की संख्या	3555316

सीटीईटी दिसंबर 2021 का परिणाम दिनांक 09.03.2022 को घोषित किया गया था

	पंजीकृत अभ्यर्थी	उपस्थित अभ्यर्थी	अर्हताप्राप्त अभ्यर्थी
पेपर - I	18,92,276	14,95,511	4,45,467
पेपर - II	16,62,886	12,78,165	2,20,069

व्यावसायिक परीक्षाएं
राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, भारत सरकार तीन साल की चक्र अवधि के साथ ग्रेड III, V, VIII और X के लिए लक्षित नमूना आधारित राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण (NAS) का एक चल/प्रवाही कार्यक्रम लागू कर रहा है। NAS राज्य सरकार स्कूल, सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल, निजी गैर सहायता प्राप्त और केंद्रीय सरकार स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों की अधिगम उपलब्धि के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित एक बड़े पैमाने का आकलन है। यह स्कूली शिक्षा की प्रभावशीलता पर एक प्रणाली स्तरीय अनुचिंतन प्रदान करता है और भविष्य की दिशा और उपचारात्मक हस्तक्षेप/मध्यवर्तन के लिए एक निविष्टि के रूप में कार्य करता है।वर्ष 2020 के लिए निर्धारित NAS को महामारी के कारण स्थगित कर दिया गया था और 12 नवंबर 2021 को सभी 36 राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में आयोजित किया गया था।

एनएएस के मुख्य विशेषताओं में से एक यह है कि यह पृष्ठभूमि चरों की एक अत्यंत समृद्ध प्रणाली में सन्निहित है। यह सर्वेक्षण प्रासंगिक चरों के साथ छात्रों के प्रदर्शन को सहसंबंधन करता है। NAS आकलन, शैक्षिक प्रक्रिया और अधिगम परिणामों की अन्योन्याश्रयता को समझने में शोधकर्ताओं सहित शैक्षिक योजनाकारों और नीति निर्माताओं के लिए उपयोगी है। यह कक्षा 3 और 5 के लिए भाषा, गणित और पर्यावरण अध्ययन में; कक्षा 8 के लिए भाषा, गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान और कक्षा 10 के लिए आधुनिक भारतीय भाषा, गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और अंग्रेजी में आयोजित किया गया था। NAS के संचालन में तीन चरण शामिल हैं; प्रपत्र/साधन विकास, प्रतिचयन डिजाइन और प्रशासन। एनसीईआरटी द्वारा ग्रेड-वार विषय विशिष्ट अधिगम परिणामों की पहचान की गई और प्रपत्र / साधन विकसित किए गए। प्रतिचयन/ प्रतिदर्शग्रहण आकलन का एक महत्वपूर्ण पहलू है। NAS प्रतिचयन डिजाइन का उद्देश्य आकलन के पूर्वनिर्धारित उद्देश्यों का समर्थन करना था और टिप्पणी NAS पोर्टल पर उपलब्ध है। परिचालन संबंधी व्यवस्था उपलब्ध थीं और देश भर के पदाधिकारियों के साथ समन्वय के लिए एक डिजिटल ऐप https://nas.education.gov.in शुरू की गई थी।

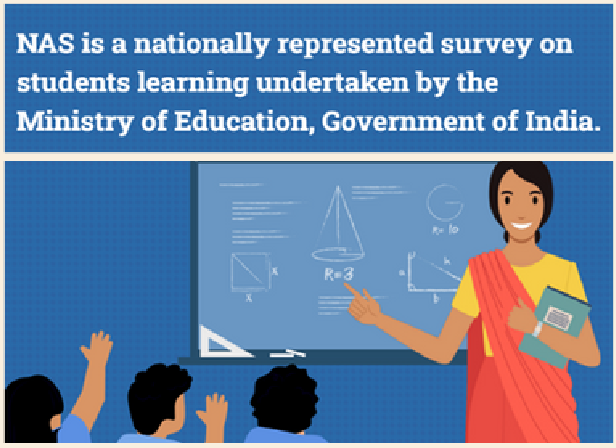

मंत्रालय द्वारा एक राष्ट्रीय संचालन समिति का गठन किया गया। एनसीईआरटी ने आकलन रूपरेखा विकसित की और एनएएस 2021 का प्रशासन सीबीएसई को सौंपा गया। संचालन के तहत लगभग 2 लाख फील्ड जांचकर्ता (FIs), 1.24 लाख प्रेक्षक, 733 जिला स्तरीय समन्वयक (DLC), जिला नोडल अधिकारी (DNO) और 36 राज्य नोडल अधिकारी (SNO) शामिल हुए थे। प्रत्येक जिले में केंद्रीय प्रतिनिधियों को बोर्ड प्रतिनिधियों के रूप में भी नियुक्त किया गया था।

प्रौद्योगिकी की मदद से व्यापक प्रशिक्षण दिया गया और एनआईसी की मदद से लॉन्च किए गए एनएएस एप्लिकेशन में नामांकन नियुक्तियों सहित संसाधनों के प्रबंधन के लिए लॉगिन पहुंच और भूमिका आधारित कार्यक्षमता थी। गतिविधि के अनुवीक्षण, रिपोर्ट, प्रलेखन, प्रशिक्षण, और ड्यूटी सत्यापन आदि। पदाधिकारियों को उनकी भूमिकाओं के लिए आवश्यक उद्भासन के लिए लघु और स्व-विवरणात्मक वीडियो विकसित किए गए। यूडीआईएसई कोड का प्रयोग करते हुए पृष्ठभूमि प्रश्नावली प्रपत्र/ साधन, गोपनीयता, सर्वेक्षण सामग्री की समय पर आपूर्ति, स्कूल-विशिष्ट पैकिंग, पारगमन सुरक्षा, त्रि-स्तरीय पर्यवेक्षण, मशीन-आधारित यादृच्छिक परिनियोजन, नियंत्रण पत्रक, फील्ड नोट, हेल्पलाइन नंबर, अद्यतन जानकारी की व्यवस्था की गई थी।

लगभग 1.18 लाख स्कूलों के लगभग 3.4 मिलियन छात्रों ने एक ही दिन में सर्वेक्षण किया। आकार और पैमाने के संदर्भ में, यह सर्वेक्षण दुनिया में सबसे बड़े शैक्षिक सर्वेक्षण के रूप में विद्यमान है। NAS रिपोर्ट अधिगम अंतर का निदान करने और शिक्षा नीतियों, शिक्षण पद्धतियों और अधिगम में आवश्यक हस्तक्षेपों को निर्धारित करने में सहायता करती है। राष्ट्रीय, राज्य और जिला रिपोर्ट कार्ड https://nas.gov.in पर उपलब्ध है।

एनआईसी ने एक मोबाइल ऐप https://play.google.com/store/apps/details?id=com.moe.nas_app भी विकसित किया है। इस ऐप के माध्यम से अधिगम परिणाम की जानकारी तक आसान पहुँच हो जाती है। कक्षा 3, 5, 8 और 10 में स्कूलों की प्रबंधन श्रेणी, लिंग, सामाजिक समूहों और जिला स्तर तक स्थान के अनुसार अलग-अलग और विस्तृत अधिगम उपलब्धि और अधिगम परिणाम से विस्तृत उपलब्धि अनुसंधान और आगे सुधार कार्यों के लिए उपलब्ध हैं।

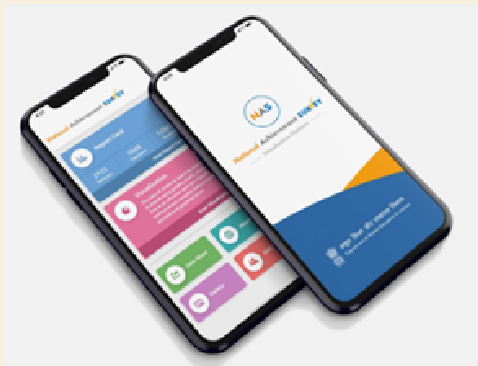

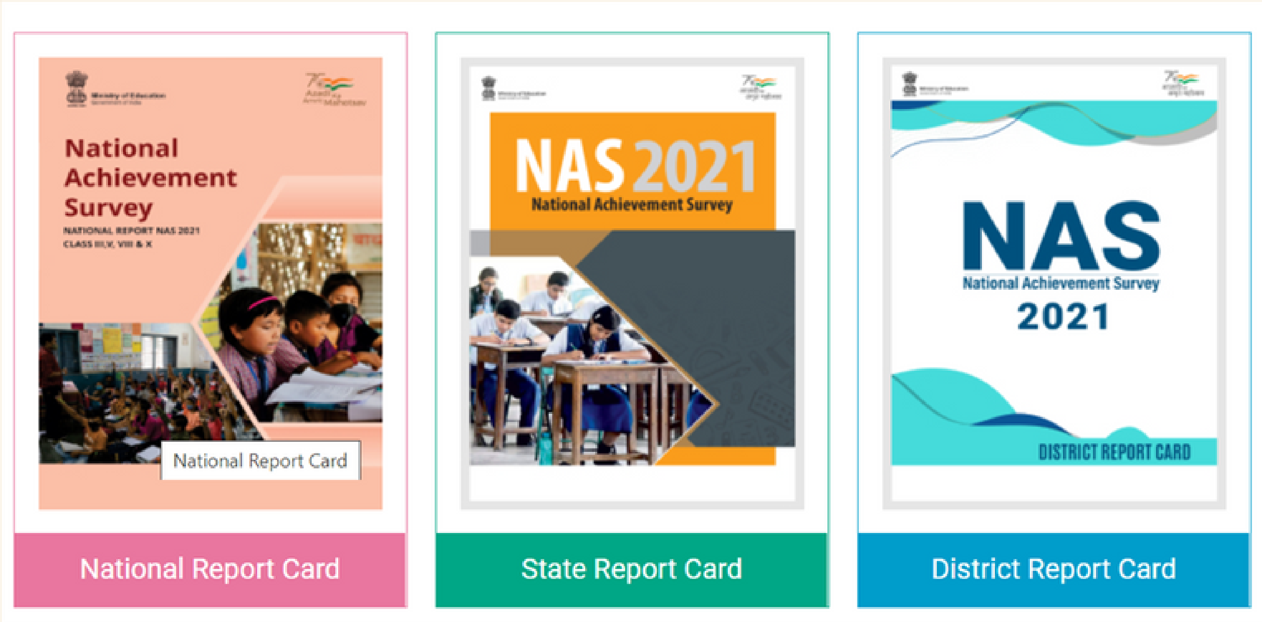

जेएनवी में रिक्त सीट के लिए जेएनवी कक्षा IX पार्श्विक प्रवेश दाखिला परीक्षा

सीबीएसई ने 27 राज्यों और 8 संघ राज्य क्षेत्रों के 969 केंद्रों में जेएनवी में प्रवेश के लिए 9 अप्रैल 2022 को कक्षा 9वीं पार्श्विक प्रवेश दाखिला परीक्षा आयोजित की। 243879 अभ्यर्थी पंजीकृत थे (106237 लड़कियां + 137628 लड़के + 14 ट्रांसजेंडर)। यह 538 जिलों में आयोजित किया गया था। टेस्ट कक्षा 8 के पाठ्यविवरण पर आधारित है और अधिकतम 100 अंकों के साथ MCQ ऑब्जेक्टिव टाइप पेन पेपर परीक्षा है। अवधि 2 घंटे 30 मिनट है।

इसमें अंग्रेजी (15Q) + हिंदी (15Q) + गणित (15Q) + सामान्य विज्ञान (35Q) शामिल हैं। टेस्ट में एक-एक अंक के कुल 100 प्रश्न हैं।

JNVST - 2022 (कक्षा VI) JNVs में प्रवेश के लिए राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा

कक्षा VI जेएनवी चयन परीक्षा के लिए एनवीएस के साथ हस्ताक्षरित सहमति ज्ञापन में वर्णित दायित्वों के अनुसार, सीबीएसई ने 30.04.2022 को 12362 केंद्रों में नीचे दिए गए विवरण के अनुसार चयन परीक्षा आयोजित की:

	30.04 2022 तक पंजीकृत
कुल अभ्यर्थी	2842814
कुल लड़कियां	1340966
कुल लड़के	1501848
कुल ट्रांसजेंडर	18
कुल जिले	650
कुल राज्य / संघ राज्य क्षेत्र	35
कुल केंद्र	12362
कुल अभिरक्षक	3601
कुल ब्लॉक	5498

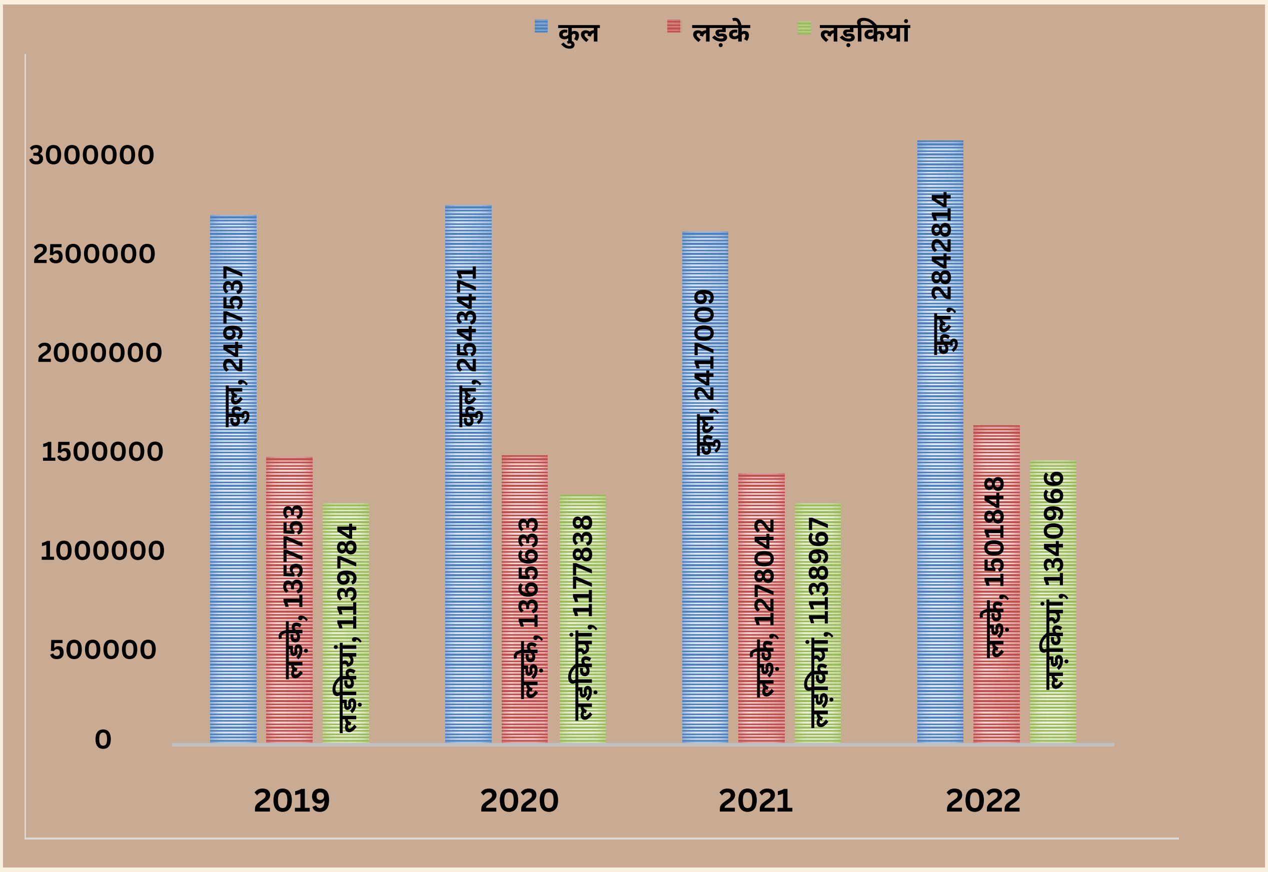

JNVST परीक्षा 120 मिनट की अवधि की एक OMR आधारित बहुविकल्पीय परीक्षा है। (80 बहुविकल्पीय प्रश्न : (मानसिक योग्यता- 40, अंकगणित-20, भाषा-20)

एनवीएस उपायुक्त, सहायक आयुक्त और जेएनवी प्रधानाचार्यों के लिए चयन परीक्षाओं के निर्बाध प्रशासन हेतु संवेदीकरण सत्र

बड़े पैमाने की परीक्षा में, प्रत्येक इकाई/ कार्यकर्ता/ पदाधिकारी की भागीदारी एक महत्वपूर्ण तत्व होती है। प्राप्त प्रतिपुष्टियों और अनुभवों को ध्यान में रखते हुए, एनवीएस ने इच्छा व्यक्त की कि सीबीएसई फील्ड में एनवीएस अधिकारियों के लिए संवेदीकरण कार्यक्रम आयोजित करे।

उचित वितरण, पैकिंग, सही रिकॉर्ड हैंडलिंग, दस्तावेज़ीकरण और एमआईएस के पहलू को अनदेखा नहीं किया जा सकता है और यांत्रिक रूप में अनुमति नहीं दी जा सकती है। त्रुटि रहित परीक्षा सुनिश्चित करने के लिए इसमें प्रत्येक बार अत्यधिक सावधानी बरतनी चाहिए। कई बैचों में इंटरएक्टिव सत्र आयोजित किए गए। कार्यक्रमों का उद्घाटन आयुक्त, एनवीएस द्वारा किया गया और साथ ही उन्होंने इस पर अपनी आरंभिक टिप्पणी भी दी।

प्रतिबद्ध और संयुक्त : सीबीएसई कोविड-19 प्रतिक्रिया टीम

देश में कोविड-19 की दूसरी और तीसरी लहर के दौरान मामलों में वृद्धि के साथ, सीबीएसई द्वारा मई-जून और आगे दिसंबर-जनवरी 2021 में कर्मचारियों और उनके परिवारों की मदद करने के लिए एक प्रणाली बनाई गई।

सीबीएसई मुख्यालय में एक कोविड प्रतिक्रिया दल का गठन किया गया था जिसमें चिकित्सा सहायता, स्थिति रिपोर्ट और आगे टीम को वापस रिपोर्ट करने के लिए कार्यालय की प्रत्येक इकाई के प्रतिनिधि शामिल थे।

- सभी सीबीएसई कर्मचारियों से उनके संबंधित विभाग समूहों के माध्यम से दैनिक स्वास्थ्य रिपोर्ट एकत्र की गई। पॉजिटिव मामलों को सीबीएसई कोविड रिस्पॉन्स टीम को, जब भी जरूरत हो, आगे की चिकित्सा सहायता या अस्पताल में भर्ती होने के लिए भेज दिया गया।

- पूरी जानकारी एक विशेष प्रारूप में रखी गई थी और 3-5 कोविड पॉजिटिव मामलों की निगरानी और प्रतिदिन दो बार रिपोर्ट करने के लिए एक नोडल व्यक्ति की प्रतिनियुक्ति की गई।

- टेली मेडिकल परामर्श की सुविधा भी प्रदान की गई ताकि प्रभावित कर्मचारी चिकित्सा सलाह के आधार पर आगे की कार्रवाई के बारे में निर्णय ले सकें।

- अस्पतालों में बेड खोजने के लिए अग्रसक्रिय प्रयास और अस्पताल में भर्ती होने वाले सभी मामलों की आगे की निगरानी की गई।

- कोविड-19 प्रबंधन के लिए प्रशासनिक व्यवस्था की गई थी। सीबीएसई प्रबंधन और वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा स्थिति का जायजा लेने के लिए दैनिक बैठकें आयोजित की गई। त्वरित निर्णय लेने के लिए एक सशक्त उच्च स्तरीय समिति गठित की गई।

- सीबीएसई स्टाफ ने आवश्यक चिकित्सा उपकरणों पर खर्च को पूरा करने के लिए स्वैच्छिक वित्तीय योगदान भी दिया।

- कोविड रिस्पांस टीम, कोविड प्रभावित लोगों और कोविड से ठीक हुए लोगों के लिए अलग-अलग व्हाट्सएप ग्रुप बनाए गए।

- इन व्हाट्सएप समूहों से प्रभावित लोगों और ठीक हुए लोगों के स्वास्थ्य की लाइव ट्रैकिंग में मदद मिली। इन समूहों में लाइव आधार पर महत्वपूर्ण निर्देश साझा किए गए।

- कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए आवश्यक दवाएं और उपस्कर जैसे ऑक्सीजन सिलेंडर/किट/सांद्रक/ऑक्सीमीटर/थर्मामीटर पर्याप्त संख्या में खरीदे गए।

- आपातकालीन उपयोग के लिए ऑक्सीजन सपोर्ट वाली एक एम्बुलेंस को 24*7 किराए पर लिया गया और अधिकारियों की एक टीम को प्रशिक्षित किया गया।

उपचार और चिकित्सक का परामर्श

- चिकित्सकों और परामर्शदाताओं का एक पैनल बनाया गया और कर्मचारियों के स्वयं या परिवार के सदस्यों के तत्काल परामर्श की मांग वाले सभी अनुरोध चिकित्सीय रिपोर्टों के मूल्यांकन या दूसरी राय के लिए भेजे गए।

- स्थिति को सामान्य करने के उद्देश्य से कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए ठीक होने के बाद लोगों को परामर्श देने के लिए परामर्शदाताओं की एक टीम की व्यवस्था की गई थी।

- स्वयं या परिवार के सदस्यों के लिए तत्काल टेली परामर्श की मांग करने वाले ऐसी कर्मचारियों के सभी अनुरोधों को मेडिकल रिपोर्ट के मूल्यांकन और दूसरी राय के लिए मीडिया प्रमुख और पीआर के माध्यम से भेजा गया था, जो पहले से किन्हीं अन्य डॉक्टरों की देखरेख में थे।

नामिकायित या गैर-नामिकायित अस्पतालों में दाखिला

- कोविड मामलों में वृद्धि और चिकित्सा अवसंरचना की उपलब्धता के आधार पर सक्षम प्राधिकारी द्वारा गैर-नामिकायित अस्पतालों में चिकित्सा के दावे की स्वीकृति के संबंध में उचित निर्णय लिया गया।

कोविड के बाद/कोविड के दौरान मानसिक स्वास्थ्य देखभाल

- प्रमुख (मीडिया और पीआर) द्वारा कोविड से ठीक हुए लोगों को परामर्श देने और उनके परिवार के सदस्यों की मदद के लिए परामर्शदाताओं की एक टीम की व्यवस्था की गई।

कोविड-19 के हल्के/लक्षणहीन मामलों के होम आइसोलेशन का प्रबंधन

- उन रोगियों के मामले में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के दिशा-निर्देशों का पालन किया गया, जिनका नैदानिक रूप से कोविड-19 के हल्के/लक्षणहीन वाले मामलों के रूप में आकलन किया गया था।

मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण

सीबीएसई परामर्श कार्यक्रम

करियर मार्गदर्शन के लिए सीबीएसई ऑनलाइन पोर्टल

नौवीं-बारहवीं कक्षा के छात्रों की कैरियर योजना का समर्थन/सहयोग करने के लिए अग्रगामी आधार पर की गई एक पहल

- सीबीएसई कैरियर मार्गदर्शन पोर्टल की शुरुआत 04 अगस्त, 2021 को सीबीएसई और यूनिसेफ द्वारा संयुक्त रूप से की गई थी।

- यह पोर्टल भारत और विदेशों के सभी 26,000 से अधिक सीबीएसई स्कूलों में कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए था।

- पोर्टल शिक्षकों और प्रशासकों के लिए भी सुलभ था।

सीबीएसई करियर मार्गदर्शन और परामर्श वेबिनार

- कैरियर मार्गदर्शन पोर्टल में इन पर जानकारी दी गई:

1. कैरियर (अंग्रेज़ी में, हिंदी व 8 अन्य भाषाएँ)

2. महाविद्यालय और व्यावसायिक संस्थान और कोर्स

3. छात्रवृतियाँ

4. प्रवेश परीक्षाएं

शिक्षकों के लिए करियर मार्गदर्शन पोर्टल प्रशिक्षण का प्रथम चरण

- सीबीएसई द्वारा यूनिसेफ और तकनीकी साझेदार के साथ मिलकर पोर्टल का उपयोग करने के तरीके पर दो शिक्षकों/परामर्शदाताओं के लिए 8 एक दिवसीय प्रशिक्षण सत्रों की व्यवस्था की गई ।

- 16 क्षेत्रीय कार्यालयों के अंतर्गत आने वाले सभी स्कूलों के लिए दो घंटे का प्रशिक्षण सत्र 10 सितंबर 2021 से आयोजित किया गया, जिसमें 10 हजार से अधिक स्कूलों ने भाग लिया।

- मीडिया और जन-संपर्क इकाई द्वारा सभी प्रशिक्षण सत्र संस्थानंतर्गत आयोजित किए गए।

- प्रत्येक प्रशिक्षण सत्र के बाद वास्तविक समय के आधार पर व्यक्तिगत प्रतिक्रियाओं को गूगल फॉर्म में एकत्र किया गया और प्रशिक्षण कार्यक्रम मॉड्यूल की प्रभाविता का अध्ययन करने के लिए विश्लेषण किया गया।

छात्रों के मनोसामाजिक कल्याण के लिए सीबीएसई दोस्त फॉर लाइफ ऐप

सीबीएसई ने महामारी के दौरान कक्षा IX-XII के छात्रों के मनोसामाजिक कल्याण के लिए एक नया ऐप लॉन्च किया। देश भर में टोल फ्री नंबर के माध्यम से टेली काउंसलिंग की मौजूदा पद्धति के अतिरिक्त, इस सुविधा को घर के सुरक्षित वातावरण में छात्रों और अभिभावकों की सुगमता, सुविधा और उपयोगिता के लिए अभिकल्पित किया गया था।

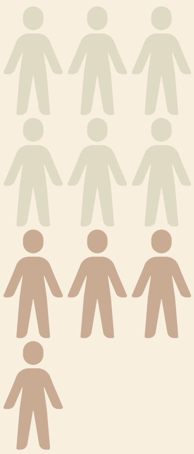

यह ऐप एक साथ दुनिया भर के विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में सीबीएसई से संबद्ध स्कूलों के छात्रों और अभिभावकों की आवश्यकता की पूर्ति करने के लिए है। प्रशिक्षित परामर्शदाताओं और प्रधानाचार्यों द्वारा सप्ताह में तीन बार सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को लाइव परामर्श सत्र नि:शुल्क आयोजित किए गए थे। इस वर्ष 83 स्वयंसेवक थे, जिनमें से 66 भारत में थे और 17 सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, नेपाल, ओमान, कुवैत, जापान, सिंगापुर और यूएसए में अवस्थित थे।

24वें वर्ष के लिए सीबीएसई मनोवैज्ञानिक परामर्श 2021

सीबीएसई काउंसलिंग बोर्ड का एक सर्वोत्कृष्ट वार्षिक कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक छात्रों की विभिन्न श्रेणियों को परीक्षा से पूर्व और बाद में परामर्श के माध्यम से नि:शुल्क सुविधा/ सहायता प्रदान करना है।

परीक्षाओं के बारे में उपयोगी जानकारी प्रसारित करने के लिए छात्रों/माता-पिता/हितधारकों को आईवीआरएस की सुविधा भी प्रदान की गई।

पहली बार टेली ऑपरेटरों के स्थान पर प्रशिक्षित परामर्शदाताओं की सेवाएं ली गई जो सीधे हितधारकों को परामर्श प्रदान करते थे। इससे वास्तविक समय में सुविधा को उन्नत करने, बेहतर सामंजस्य बनाने और कोविड के दौरान सीधे परामर्श देने में मदद मिली।

छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों के लिए सीबीएसई कल्याण श्रृंखला वेबिनार

स्वास्थ्य और मनो-भावनात्मक कल्याण पर कोविड-19 के विभिन्न पहलुओं और प्रभावों पर चर्चा करने के लिए, सीबीएसई ने छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों और सामान्य जन समुदाय के लिए वेबिनार की एक श्रृंखला आयोजित की। यह बड़े समुदाय तक पहुंचने, भाग लेने और जागरूकता पैदा करने, अत्यंत महत्व के अनेक मुद्दों के बारे में धारणाओं को समझाने की एक पहल थी। एक ऐसे पारिस्थितिकी तंत्र को जीवंत करना और पुनर्स्थापित करना महत्वपूर्ण था जहां कोविड के समय के दौरान तथ्यों से परिचित होकर और संघर्षशीलता बनाए रखते हुए विद्यार्थियों ने शारीरिक और भावनात्मक रूप से सुरक्षित महसूस किया। वेबिनार के विषय इस प्रकार थे:

- देखभाल, करुणा और संप्रेषण
- सामना करने और उपचार के लिए मदद करने वाले लोग
- आशा और संघर्षशीलता का संचार
- अधिगम और सामाजिक-भावनात्मक क्षेम के लिए सृजनात्मकता

सीबीएसई में मानसिक स्वास्थ्य दिवस उत्सव

सीबीएसई कर्मचारियों के बीच मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए मुखोन्मुख पहल की गई। मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को उजागर करने के लिए पोस्टर, व्यक्तिगत वार्ता और चर्चा की व्यवस्था की गई थी।

सार्वजनिक अनुक्रिया और आउटरीच

कोविड-19 के दौरान असाधारण परिस्थितियों में अपनाई गई नीतियों और लिए गए निर्णयों को वैश्विक स्तर पर विभिन्न श्रोतागण/दर्शकगण के साथ साझा किया गया ताकि समझ और स्वीकार्यता पैदा की जा सके और लोगों को सर्वोत्तम सेवाएं प्रदान की जा सकें।

सीबीएसई सोशल मीडिया आउटरीच

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न हितधारकों के साथ व्यापक संयोजन और संप्रेषण के लिए प्रौद्योगिकी को मुख्य आधार के रूप में उपयोग करते हुए, सीबीएसई ने सूचना प्रसारित करने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म यूट्यूब, ट्विटर, फेसबुक और इंस्टाग्राम का सक्रिय रूप से उपयोग किया है।

सरकार, अंतर-मंत्रालयी और शिक्षा मंत्रालय के वर्तमान अभियानों का प्रसार/वर्धन। जैसे आजादी का अमृत महोत्सव, MoE-DoP 75 लाख पोस्ट कार्ड अभियान, एक भारत श्रेष्ठ भारत (EBSB), वीर गाथा परियोजना, परीक्षा पर चर्चा, मनोदर्पण, कला उत्सव को भी सोशल मीडिया हैंडल पर भागीदारी और जागरूकता के लिए प्रचारित किया गया।

जहां तक सीबीएसई की पहल की बात है, एनईपी 2020 के अनुरूप प्रशिक्षण कार्यक्रम, प्रतियोगिताएँ, नवाचार और आकलन किए गए। यंग वॉरियरएनएक्सटी, आर्यभट्ट गणित चैलेंज (एजीसी) 2021, स्कूलों में कौशल विकास, जूनियर स्किल्स 2021, सभी के लिए कृत्रिम बोध, 100+ कॉमिक बुक्स, राष्ट्र स्तर के साइबर सुरक्षा कौशल गेम-inCTFj, आईबीएम स्किलबिल्ड फॉर स्टूडेंट्स एंड प्रॉब्लम सॉल्वर्स टूर्नामेंट, एटीएल स्पेस चैलेंज 2021, 3030 एकलव्य श्रृंखला आयोजित किए गए।

सीबीएसई पठन मिशन 2021-23, सीबीएसई अभिव्यक्ति श्रृंखला, सीबीएसई करियर मार्गदर्शन एवं परामर्श पोर्टल, सीबीएसई शिक्षक पुरस्कार, सीबीएसई स्कूल संबद्धता पुन: संरचित स्वचालित प्रणाली (एसएआरएएस) कुछ ऐसे अन्य कार्यक्रम थे, जिनके लिए जागरूकता पैदा की गई।

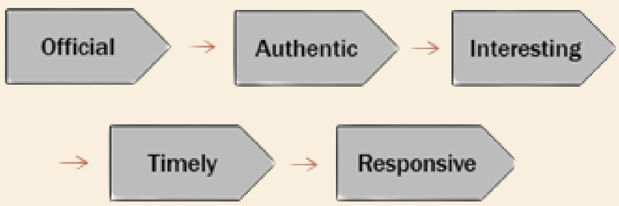

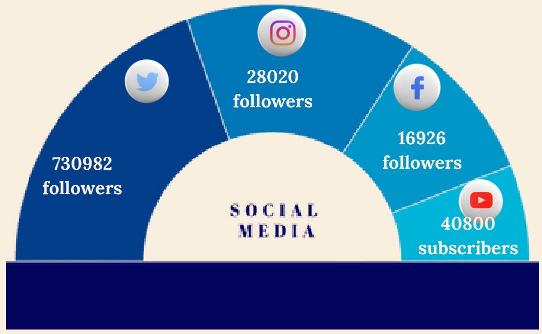

आरटीआई और लोक शिकायत निवारण का अनुवीक्षण

जनसामान्य की सुविधा के लिए अपने अभियान में सीबीएसई ने पारदर्शी और त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए सार्वजनिक शिकायत निवारण तंत्र और आरटीआई अधिनियम 2005 के तहत सूचना प्रकटीकरण प्रक्रियाओं को ऑनलाइन प्रणाली के साथ संरेखित किया है। बोर्ड अग्रसक्रिय रूप से ऑनलाइन और ऑफलाइन आरटीआई और लोक शिकायत निपटान के अनुवीक्षण करता है और इसे सुविधाजनक बनाता है।

विशेष रूप से बनाई गई कोविड श्रेणी के तहत जन शिकायत निवारण

कोरोना काल में शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए एक विशेष कोविड-19 श्रेणी बनाई गई। इस श्रेणी के तहत, 596 मामलों को प्राथमिकता के आधार पर देखा गया और ये बिना किसी लंबित मामले के 03 दिनों की समय सीमा में निपटाए गए। सख्त अनुवर्ती कार्रवाई सीमा के साथ औसत प्रतिक्रिया समय 15 से घटाकर 08 दिन कर दिया गया।

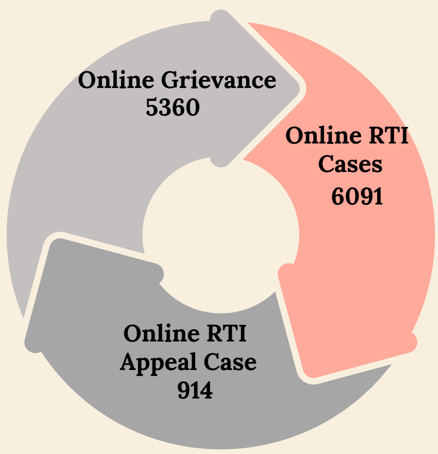

सामाजिक मीडिया पोस्ट दीर्घा

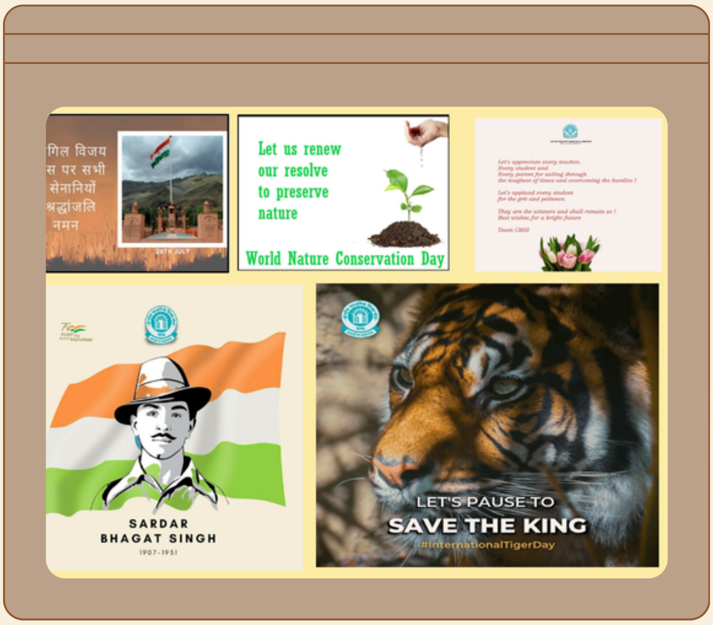

संबद्धता

सरस - स्कूल संबद्धता पुन: संरचित स्वचालित प्रणाली आर - 1.0

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में स्वायत्तता, सुशासन और सशक्तिकरण (एनईपी 2020) के माध्यम से नवाचार और आउट-ऑफ-द-बॉक्स विचारों को प्रोत्साहित करते हुए लेखा-परीक्षा और सार्वजनिक प्रकटीकरण के माध्यम से शैक्षिक प्रणाली की सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता और संसाधन दक्षता सुनिश्चित करने के लिए एक 'सुप्रवाही और प्रभावी' नियामक ढांचे की सिफारिश करती है। पूरे भारत में और 25 देशों में फैले स्कूलों के साथ सीबीएसई अपने शिक्षार्थियों के बीचबौद्धिक, सामाजिक और सांस्कृतिक जीवंतता को बढ़ावा देने के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करता है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की सिफारिशों के साथ सामंजस्य बैठाते हुए बोर्ड की ई-संबद्धता प्रणाली को स्कूल संबद्धता पुन: संरचित स्वचालित प्रणाली (एसएआरएएस) के रूप में पुन: संरचित किया गया और मार्च 2021 से लागू किया गया। "न्यूनतम सरकार अधिकतम शासन" के आधार पर बिजनेस प्रोसेसिंग री-इंजीनियरिंग (बीपीआर) एक स्वचालित प्रणाली है जो सुगमता से कार्य करने (ईओडीबी) और ईज ऑफ लिविंग (ईओएल) के लिए कम से कम मानव हस्तक्षेप वाली पूरी तरह से डिजीटल प्रणाली है।

31.03.2022 तक कुल संबद्ध स्कूल

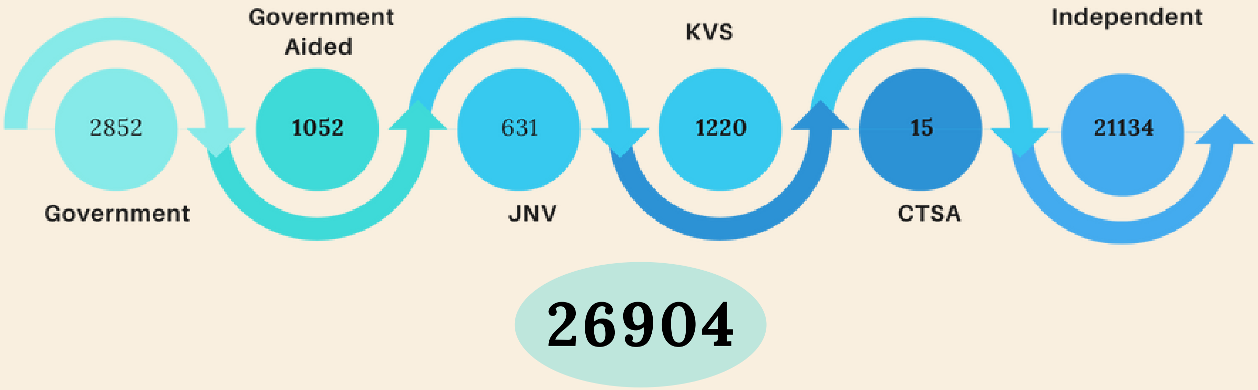

23 क्षेत्रों में अनुपालन भार को कम करने और प्रक्रियाओं के सरलीकरण के लिए हस्तक्षेप

बोर्ड के पास 31.03.2022 तक 26904 स्कूलों में लगभग 2 करोड़ छात्र और 9 लाख शिक्षक हैं। सीबीएसई ने विद्यालयों के प्रशासन और शासन, परीक्षा प्रणाली, शिक्षक प्रशिक्षण आदि की अपनी अधिकांश प्रक्रियाओं के लिए सदैव अग्रणी प्रोद्योगिकी को लागू किया है। 150-200 से अधिक कठिन प्रक्रियाओं को पुन: संरचित किया गया है और कई चरणों और लिए गए समय को बहुत कम कर दिया गया है।

पिछले कुछ वर्षों में प्रौद्योगिकी के उपयोग, प्रक्रियाओं की पुन: संरचना और सरलीकरण पर ध्यान दिए जाने के कई लाभ हुए हैं। यह अनुमान है कि प्रौद्योगिकी के व्यापक उपयोग से बोर्ड ₹100 करोड़ से अधिक मूल्य के कागज बचाता है।
विवरण हेतु दिए गए लिंक पर जाएं:

https://www.education.gov.in/sites/upload_files/mhrd/files/nep_achievement.pdf.

भारत में सीबीएसई से संबद्ध विद्यालय

SR. NO.	STATE NAME	GOVT	GOVT AIDED	AIDED FROM OTHER SOURCES/ CTSA	KVS	JNV	INDEPENDENT	GRAND TOTAL
1	ANDHRA PRADESH	25	4	0	38	14	342	423
2	ASSAM	23	13	0	57	27	207	327
3	BIHAR	6	2	0	55	39	1057	1159
4	GUJARAT	39	6	1	44	29	499	618
5	HARYANA	141	7	0	35	20	1981	2184
6	HIMACHAL PRADESH	10	3	3	25	12	277	330
7	JAMMU & KASHMIR	1	20	0	36	19	89	165
8	KARNATAKA	7	9	5	47	31	1184	1283
9	KERALA	6	3	0	37	14	1395	1455
10	MADHYA PRADESH	131	10	0	106	53	1257	1557
11	MAHARASTRA	39	16	0	59	34	1178	1326
12	MANIPUR	4	6	0	9	11	53	83
13	MEGHALAYA	0	4	0	7	9	7	27
14	NAGALAND	1	9	0	7	11	16	44
15	ODISHA	241	3	1	62	31	333	671
16	PUNJAB	44	28	0	50	23	1377	1522
17	RAJASTHAN	120	63	0	76	35	1037	1331
18	SIKKIM	220	6	0	2	4	14	246
19	TAMIL NADU	10	6	0	42	0	1399	1457
20	TRIPURA	110	4	0	9	4	41	168
21	UTTAR PRADESH	70	32	0	115	74	3813	4104
22	ARUNACHA PRADESH	195	8	0	16	17	102	338
23	MIZORAM	6	3	0	4	8	0	21
24	WEST BENGAL	10	14	3	61	19	302	409
25	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	94	5	0	2	3	20	124
26	CHANDIGARH	99	5	0	6	1	60	171
27	DELHI	570	738	0	46	2	841	2197
28	GOA	0	1	0	5	2	8	16
29	PUDUCHERRY	0	0	0	4	4	35	43
30	DADAR & NAGAR HAVELI	0	0	0	1	1	10	12
31	DAMAN & DIU	0	0	0	1	2	4	7
32	LAKSHADWEEP	6	0	0	1	1	0	8
33	CHATTISGARH	267	2	0	34	26	445	774
34	JHARKHAND	11	3	0	39	26	473	552
35	UTTARAKHAND	198	15	2	45	13	604	877
36	TELANGANA	25	3	0	31	10	403	472
37	LADAKH	123	1	0	3	2	11	140
	TOTAL	**2852**	**1052**	15	**1217**	**631**	**20874**	**26641**

विदेशों में सीबीएसई संबद्ध विद्यालय

SR. NO.	COUNTRY NAME	GOVT	GOVT AIDED	AIDED FROM OTHER SOURCES/ CTSA	KVS	JNV	INDEPENDENT	GRAND TOTAL
1	IRAN	0	0	0	1	0	0	1
2	MYANMAR	0	0	0	0	0	1	1
3	RUSSIA	0	0	0	1	0	0	1
4	TANSANIA	0	0	0	0	0	2	2
5	UGANDA	0	0	0	0	0	1	1
6	BANGLADESH	0	0	0	0	0	1	1
7	REPUBLIC OF BENIN	0	0	0	0	0	1	1
8	THAILAND	0	0	0	0	0	1	1
9	LIBYA	0	0	0	0	0	3	3
10	JAPAN	0	0	0	0	0	2	2
11	KUWAIT	0	0	0	0	0	24	24
12	MALAYSIA	0	0	0	0	0	3	3
13	NEPAL	0	0	0	1	0	15	16
14	NIGERIA	0	0	0	0	0	2	2
15	GHANA	0	0	0	0	0	1	1
16	LIBERIA	0	0	0	0	0	1	1
17	YEMEN	0	0	0	0	0	1	1
18	ETHIOPIA	0	0	0	0	0	2	2
19	KENYA	0	0	0	0	0	1	1
20	OMAN	0	0	0	0	0	16	16
21	SINGAPORE	0	0	0	0	0	4	4
22	BAHRAIN	0	0	0	0	0	7	7
23	INDONESIA	0	0	0	0	0	1	1
24	QATAR	0	0	0	0	0	17	17
25	SAUDI ARABIA	0	0	0	0	0	43	43
26	UNITED ARAB EMIRATES	0	0	0	0	0	110	110
	TOTAL	**0**	**0**	**0**	**3**	**0**	**260**	**263**

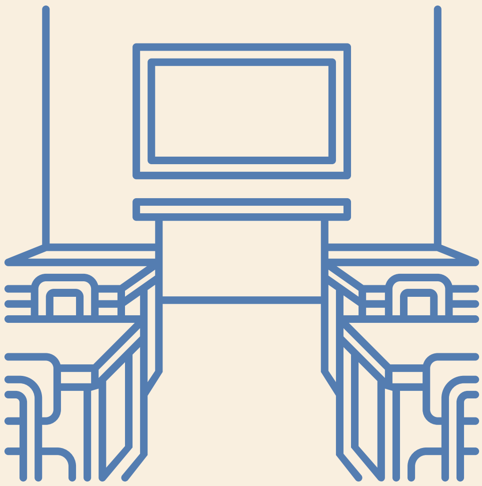

मेरिट छात्रवृत्ति योजनाएँ

सामाजिक और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के सुयोग्य छात्रों और बालिकाओं को बढ़ावा देने के लिए, बोर्ड की निम्नलिखित छात्रवृत्ति योजनाएं हैं:

- **शिक्षा मंत्रालय द्वारा प्रायोजित महाविद्यालय और विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए छात्रवृत्ति की केंद्रीय सैक्टर योजना (सीएसएसएस)**

शिक्षा मंत्रालय की ओर से, सीबीएसई प्रत्येक वर्ष 6854 छात्रवृत्ति देने के लिए भारत सरकार (शिक्षा मंत्रालय) के पीएफएमएस पोर्टल पर आवेदनों को प्राप्त, प्रक्रियागत और अपलोड करता है। यह योजना पूर्णतः शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित है।

इसयोजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के मेधावी छात्रों को पूर्वस्नातक या स्नाकोत्तर स्तर पर अपनी शिक्षा जारी रखने में मदद करना है। जिन छात्रों के माता-पिता की आय ₹8 लाख (आठ) प्रति वर्ष से कम है और बारहवीं कक्षा में न्यूनतम कट ऑफ (80 शततमक अंक) प्राप्त किया है, वे इस योजना के तहत छात्रवृत्ति प्राप्त करने के लिए पात्र हैं। विज्ञान, वाणिज्य और कला योजनाओं के लिए छात्रवृत्ति 3:2:1 के अनुपात में वितरित की जाती है। पात्र छात्रों को छात्रवृत्ति स्नातक स्तर पर ₹10,000/- प्रति वर्ष और स्नातकोत्तर स्तर पर ₹20,000/- प्रति वर्ष एक वर्ष में 10 माह के लिए प्रदान की जाती है।

- **एकल बालिका संतान मेरिट छात्रवृत्ति योजनाएँ**

बोर्ड के पास सीबीएसई से संबद्ध स्कूलों में ग्यारहवीं और बारहवीं कक्षा में शिक्षा प्राप्त करने वाली एकल बालिका के लिए छात्रवृत्ति है, जिसने सीबीएसई से संबद्ध स्कूलों से दसवीं कक्षा उत्तीर्ण की है। यह योजना पूरी तरह से सीबीएसई द्वारा प्रायोजित है।

वे छात्राएं जो अपने माता-पिता की इकलौती संतान हैं और जिन्होंने 60% या उससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं, इस पुरस्कार के लिए पात्र हैं, जहां मासिक शुल्क ₹1500/- से अधिक नहीं है। प्रत्येक विद्यार्थी को प्रति वर्ष ₹6,000/- की राशि प्रदान की जाती है और छात्रवृत्तियों की संख्या की कोई सीमा नहीं है।

- **अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए बोर्ड मेरिट छात्रवृत्ति योजना**

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति समुदाय के सुयोग्य छात्रों को बोर्ड दसवीं कक्षा के 23 छात्रों को प्रति माह ₹250/- और बारहवीं कक्षा के 25 छात्रों को ₹500/- प्रति माह की छात्रवृत्ति प्रदान करता है। यह योजना पूरी तरह से सीबीएसई द्वारा प्रायोजित है।

- **सीबीएसई कर्मचारियों के बच्चों के लिए छात्रवृत्ति योजना**

बोर्ड के कर्मचारियों के सुयोग्य बच्चों को बढ़ावा देने के लिए, स्कूल की प्रत्येक कक्षा में सभी पात्र छात्रों को निम्नलिखित दरों पर छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है:-

कक्षा VI – VIII	₹700/- प्रति माह
कक्षा IX – XII	₹900/- प्रति माह

- **(स्व.) श्री लक्ष्मण सिंह कोठारी स्मृति पुरस्कार**

संजय कोठारी फैमिली चैरिटेबल ट्रस्ट, नई दिल्ली ने सीबीएसई के साथ मिलकर स्वर्गीय श्री लक्ष्मण सिंह कोठारी के नाम पर एक चल-वैजयंती की स्थापना की है, जिसके साथ ऐसे छात्र को ₹10,000/- का नकद पुरस्कार दिया जाता है जिसने सीबीएसई द्वारा आयोजित बारहवीं कक्षा की परीक्षा में पांच विषयों में मिलाकर अधिकतम अंक प्राप्त किए हों। यह पुरस्कार ट्रस्ट द्वारा उपलब्ध कराई गई समग्र निधि से दिया जाता है।

छात्रवृत्ति पुरस्कार
01 अप्रैल 2021 से मार्च 2022 तक

योजना	छात्रवृति
महाविद्यालय और विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए केंद्रीय सेक्टर छात्रवृत्ति योजना (सीएसएस) (CSSS)(2021 नई) (छात्रवृति शिक्षा मंत्रालय द्वारा संवितरित)	पंजीकृत - 4939 सत्यापित -3438 (राष्ट्रीय छात्रवृति पोर्टल के माध्यम से)
पहला नवीनीकरण 2020, दूसरा नवीनीकरण 2019, तीसरा नवीनीकरण 2018 और चौथा नवीनीकरण 2017 (छात्रवृति शिक्षा मंत्रालय द्वारा संवितरित)	नवीनीकरण - 7845 सत्यापित - 7001 (राष्ट्रीय छात्रवृति पोर्टल के माध्यम से)
एकल बालिका संतान – X पास 2021 (नया)	2836 (प्रदत्त)
एकल बालिका संतान – X पास 2020 (नवीनीकरण 2021)	927 (प्रदत्त)
वर्ष 2021 के लिए बोर्ड की वार्ड छात्रवृति योजना	200 (प्रदत्त)
अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति छात्रों के लिए बोर्ड की मेरिट छात्रवृत्ति - कक्षा X व XII 2021	सारणीकरण नीति के कारण कोई मेरिट सूची तैयार नहीं की गई। अत: इस वर्ष योजना लागू नहीं की गई।
बारहवीं और दसवीं कक्षा 2021 के 0.1% मेरिट प्रमाणपत्र जारी करना	सारणीकरण नीति के कारण इस वर्ष न तो मेरिट लिस्ट तैयार की गई और न ही मेरिट सर्टिफिकेट जारी किया गया।
वर्ष 2021 के लिए (स्वर्गीय) श्री लक्ष्मण सिंह कोठारी स्मृति पुरस्कार	सारणीकरण नीति के कारण कोई मेरिट सूची तैयार नहीं की गई। इसलिए इस वर्ष पुरस्कार नहीं दिया गया।

राजभाषा का प्रचार-प्रसार

गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा समय-समय पर जारी वार्षिक कार्यक्रम में राजभाषा नीति, केंद्र सरकार के अधिनियमों और नियमों के कार्यान्वयन के लिए निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने, सरकारी कामकाज हिंदी में करने के लिए सीबीएसई में हिंदी प्रकोष्ठ की स्थापना की गई है।

इसके अतिरिक्त, हिंदी प्रकोष्ठ बोर्ड में राजभाषा नीति के कार्यान्वयन से संबंधित विभिन्न गतिविधियों में सहयोग करता है; यह राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 3(3) के तहत जारी किए गए सभी आधिकारिक दस्तावेजों के अनुवाद कार्य में भी सहयोग करता है।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति

बोर्ड में राजभाषा कार्यान्वयन समिति का गठन किया गया है, जिसकी अध्यक्षता सीबीएसई के अध्यक्ष द्वारा की जाती हैं। राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक प्रत्येक तिमाही में आयोजित की जाती है। इन त्रैमासिक बैठकों में शिक्षा मंत्रालय तथा राजभाषा विभाग के क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय के प्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया जाता है। समिति के सदस्यों की सूची (पृष्ठ संख्या 87 में दर्शाई गई है)।

वार्षिक प्रोत्साहन योजना

हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए बोर्ड के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए वार्षिक प्रोत्साहन योजना लागू की गई है। इस योजना के तहत 10 अधिकारियों और कर्मचारियों को नकद पुरस्कार देने का प्रावधान है।

हिंदी टंकण और आशुलिपि में प्रशिक्षण

बोर्ड अपने कर्मियों को केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान, नई दिल्ली के सहयोग से हिंदी टंकण और आशुलिपि का प्रशिक्षण देता है। इस वर्ष 46 कर्मचारियों को प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए नामांकित किया गया था।

हिंदी दिवस और हिंदी पखवाड़े का आयोजन

राजभाषा विभाग एवं शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के तहत बोर्ड द्वारा हिंदी दिवस के अवसर पर 14 सितंबर, 2021 से 29 सितंबर, 2021 तक हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया गया। इस दौरान बोर्ड के अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। 21 विजेताओं को प्रशंसा प्रमाणपत्र के साथ कुल ₹37,200/- का नकद पुरस्कार दिया गया।

हिंदी कार्यशाला

वर्ष में चार (04) हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन किया गया जिसमें 156 अधिकारियों और कर्मचारियों को हिंदी में अधिकारियों और कर्मचारियों के कार्यसाधक ज्ञान को बढ़ाने के लिए प्रशिक्षित किया गया।

अनुवाद कार्य

वर्ष के दौरान राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 3(3) में निहित दस्तावेजों और आधिकारिक अपेक्षाओं के अनुसार अन्य दस्तावेजों का भी अनुवाद किया गया।

हिंदी दिवस और हिंदी पखवाड़े की मुख्य बातें

हिंदी दिवस के अवसर पर सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने हिंदी में शत-प्रतिशत कार्य करने के उद्देश्य से "**राजभाषा प्रतिज्ञा**" ली।

हिंदी दिवस और पखवाड़ा का आयोजन

समारोह और कार्यक्रम

100 दिवसीय पठन अभियान का शुभारंभ

माननीय शिक्षा मंत्री ने 1 जनवरी 2022 को शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा छात्रों के बीच पठन साक्षरता को बढ़ावा देने के लिए 100 दिवसीय पठन अभियान नामक एक पहल की शुरुआत की। मंत्री जी ने पढ़ने की आदत के महत्व पर बल देते हुए कहा कि बच्चों को मस्तिष्क के विकास और कल्पना को बढ़ाने के लिए इसे कम उम्र में विकसित करने की जरूरत है।

बोर्ड ने विद्यालयों को बालवाटिका से आठवीं कक्षा तक के छात्रों पर केंद्रित इस अभियान में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया।

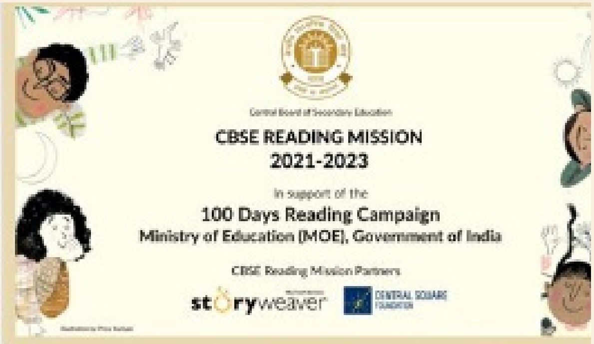

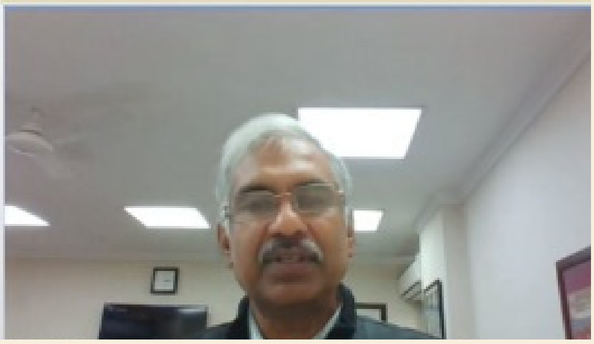

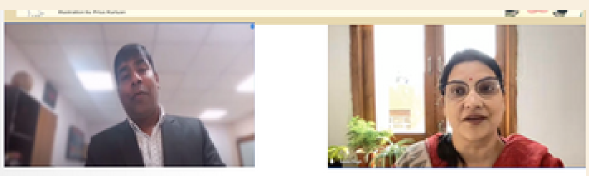

बोर्ड ने सीबीएसई पठन चुनौती 2021-22 को अंग्रेजी और हिंदी दोनों में कक्षा 6-7 और 8-10 तक विस्तारित किया। इस वर्ष छात्रों ने नवंबर-दिसंबर 2021 के दौरान दीक्षा पोर्टल पर चुनौती में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

English (6-7)		English (8-10)	
Total Enrolment	76246	Total Enrolment	115967

Hindi (6-7)		Hindi (8-10)	
Total Enrolment	16299	Total Enrolment	23776

जीवन कौशल, समग्र स्वास्थ्य और कल्याण में किशोर समकक्षी शिक्षक नेतृत्व कार्यक्रम

शिक्षार्थियों और समकक्षी शिक्षकों को स्कूल स्वास्थ्य, सुरक्षा और कल्याण के ऐम्बैसडर के रूप में सशक्त बनाने के उद्देश्य से, सीबीएसई ने 23 नवंबर, 2021 को एक ऑनलाइन मोड में 'जीवन कौशल, समग्र स्वास्थ्य और कल्याण में किशोर समकक्षी शिक्षक नेतृत्व कार्यक्रम' शुरू किया।

विभिन्न स्कूलों के समकक्षी शिक्षकों ने अपने विचार व्यक्त किए और कार्यक्रम का समर्थन किया।

देश भर के 2600 से अधिक सीबीएसई स्कूलों को ऑनलाइन अभिविन्यास कार्यक्रमों के प्रारंभिक चरण के लिए नामांकित किया गया था।

सहोदय स्कूल संकुल का 27वां राष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन

सहोदय समिति, ग्वालियर के सहयोग से सीबीएसई ने 17 और 18 जनवरी 2022 को सहोदय स्कूल परिसरों के राष्ट्रीय सम्मेलन के 27वें संस्करण का आयोजन ऑनलाइन मोड में 'पुनर्नवा - भारत की पुनर्खोज @ 75' विषय पर किया। यह आजादी का अमृत महोत्सव के प्रतिष्ठित सप्ताह के उत्सव के एक भाग के रूप में आयोजित किया गया था। इस सम्मेलन में वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर लगभग 7000 सदस्यों, YouTube पर 25000 से अधिक सदस्यों ने भागीदारी की।

मध्य प्रदेश के महामहिम राज्यपाल, श्री मंगुभाई सी. पटेल, मध्य प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री, श्री शिवराज सिंह चौहान, डॉ. सुभाष सरकार, माननीय राज्य मंत्री, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, सीबीएसई के अध्यक्ष श्री मनोज आहूजा ने इस अवसर पर अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। विभिन्न व्यवसायों के प्रख्यात वक्ताओं ने प्रतिभागियों के साथ खेल आधारित शिक्षा, शिक्षण साधन के रूप में संगीत, जलवायु परिवर्तन की समस्या के निवारण, पुरातत्व के महत्व जैसे विभिन्न विषयों पर अपने विशेषज्ञतापूर्ण विचार साझा किए।

सम्मेलन के दौरान नव कला वीथिका छात्रों के कला कार्यों पर एक ई प्रदर्शनी का प्रदर्शन किया गया और देश की विरासत के संरक्षण पर विद्यालयों की केस स्टडीज से युक्त ई स्मारिका का विमोचन किया गया।

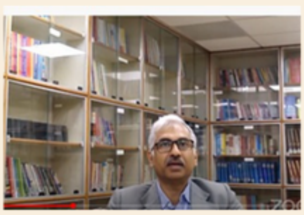

शिक्षण और स्कूल नेतृत्व में उत्कृष्टता के लिए सीबीएसई सम्मान 2020-21

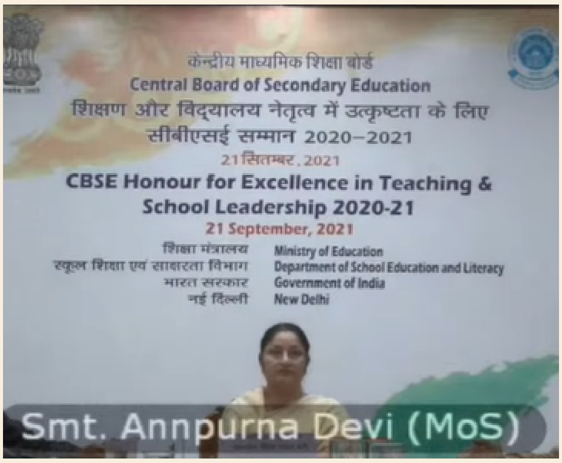

माननीय शिक्षा राज्य मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी ने 21 सितंबर 2021 को भारत में और भारत से बाहर सीबीएसई से संबद्ध स्कूलों के 22 शिक्षकों और प्रधानाचार्यों को शिक्षण और स्कूल नेतृत्व में उत्कृष्टता का प्रदर्शन करने के लिए सम्मानित किया।

22 पुरस्कार विजेताओं में प्राइमरी, मिडल, माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक स्तर के ऐसे शिक्षक शामिल थे, जिन्होंने न केवल अपनी अभिनव पद्धतियों के साथ भरपूर योगदान दिया, बल्कि कोविड-19 महामारी के दौरान चुनौतियों का सामना किया और ऑनलाइन मोड में निर्बाध शिक्षण सुनिश्चित किया और छात्रों तक पहुंच बनाई।

वर्ष 2020-21 के पुरस्कार श्रीमती अनीता करवल सचिव (एसई एंड एल), श्री मनोज आहूजा, अध्यक्ष सीबीएसई और श्री अनुराग त्रिपाठी, सचिव सीबीएसई की गरिमामय उपस्थिति में एक ऑनलाइन समारोह के दौरान दिए गए।

माननीय प्रधान मंत्री ने 'एआई फॉर ऑल' का शुभारंभ किया

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की पहली वर्षगांठ के अवसर पर, माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देश में प्रत्येक नागरिक के लिए कृत्रिम बोध (एआई) की बुनियादी समझ विकसित करने के उद्देश्य से "एआई फॉर ऑल" पहल की शुरुआत की। यह कार्यक्रम सीबीएसई, शिक्षा मंत्रालय और इंटेल इंडिया द्वारा संचालित है।

एआई फॉर ऑल एक 4 घंटे का, स्व-गति, माइक्रो-अधिगम प्रोग्राम है जो घर पर रहने वाले छात्र, माता-पिता, किसी भी क्षेत्र में व्यावसायी या यहां तक कि एक वरिष्ठ नागरिक के लिए भी लागू होता है। इसे दो वर्गों में बांटा गया है - एआई जागरूकता (1.5 घंटे) और एआई विवर्धन (2.5 घंटे)। एआई जागरूकता भाग एआई और इसकी क्षमता और कठिनाई की प्रारंभिक समझ प्रदान करता है। एआई विवर्धन भाग शिक्षार्थियों को एआई के सामान्य डोमेन का प्रारंभिक ज्ञान प्राप्त करने और व्यक्तिगत अधिगम योजना बनाने में मदद करता है।

कार्यक्रम का लक्ष्य अपने पहले वर्ष में 1 मिलियन नागरिकों को एआई से परिचित कराना है और यह दुनिया भर में सबसे बड़े एआई जन जागरूकता कार्यक्रमों में से एक है। समावेशी पहुँच सुनिश्चित करने के लिए, यह डिजिटल पहुँच वाले किसी भी व्यक्ति के लिए 11 विभिन्न स्थानीय भाषाओं में उपलब्ध है। दृष्टिबाधित लोगों के लिए इसे सुलभ बनाने के लिए इसकी सामग्री विभिन्न टॉक बैक एप्लिकेशन के साथ भी सुसंगत है।

सीबीएसई और एआईसीटीई ने शिक्षकों और छात्रों की क्षमता बढ़ाने के लिए सहमति ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

सीबीएसई और एआईसीटीई – इन दोनों प्रमुख संस्थानों द्वारा सीबीएसई से संबद्ध स्कूलों के शिक्षकों और छात्रों के प्रशिक्षण और कौशल को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण सहमति ज्ञापन किया हैं।

कोडिंग और डेटा विज्ञान पाठ्यक्रम

सीबीएसई ने 2021-2022 शैक्षणिक सत्र में नए कौशलविषयों के रूप में कक्षा VI-VIII के लिए कोडिंग और कक्षा VIII-XII के लिए डेटा विज्ञान पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए माइक्रोसॉफ्ट के साथ सहयोग किया।

कोडिंग और डेटा साइंस पाठ्यक्रम विवेचनात्मक चिंतन, संगणानात्मक कौशल, समस्या समाधान कौशल, सृजनतामकता और नई प्रौद्योगिकयों के लिए क्रियाशील/व्यावहारिक प्रदर्शन पर केंद्रित है। नई शिक्षा नीति 2020 को ध्यान में रखते हुए, इन कोर्सों की शुरूआत का उद्देश्य छात्रों में अगली पीढ़ी के कौशल का निर्माण करना है।

माइक्रोसॉफ्ट ने एनसीईआरटी पैटर्न और संरचनाओं के साथ संरेखित, कोडिंग और डेटा साइंस दोनों में अनुपूरक हैंडबुक तैयार की है। इसमें वास्तविक जीवन के उदाहरण शामिल किए गए हैं जिसका उद्देश्य माइक्रोसॉफ्ट मेक कोड के लिए नैतिक आयामों के प्रति उद्भासन करना है, जो एक ओपन-सोर्स प्लेटफॉर्म है, व जो छात्रों को गणित, भाषा और सामाजिक विज्ञान सहित सभी विषयों में बेहतर ढंग से अधिगम के लिए सक्षम बनाता है और डेटा विज्ञान के एआई आधारित अनुप्रयोगों के लिए बुनियाद तैयार करता है।

छात्रों के लिए कार्यस्थल के अनुभव और शिक्षकों के लिए पुरस्कार

छात्रों को भविष्य के कार्य के लिए तैयार करने और इस यात्रा में शिक्षकों और छात्रों की मदद करने के लिए, सीबीएसई ने आईबीएम स्किल्स बिल्ड फॉर स्टूडेंट्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से कई पेशेवर कोर्सों की पेशकश करने के लिए आईबीएम के

साथ भागीदारी की, इसके बाद छात्रों को कार्यस्थल और उद्योग से परिचित होने के लिए माइक्रो-इंटर्नशिप के अवसर मिलते हैं, इस प्रकार कौशल अंतर को पाटने में मदद मिलती है। मंच के माध्यम से शिक्षकों और छात्रों के लिए व्यक्तिगत अधिगम के साथ-साथ छात्रों और शिक्षकों ने वास्तविक दुनिया की सामुदायिक समस्याओं के लिए एआई और डिजाइन थिंकिंग का उपयोग करके समाधान खोजने के लिए एक प्रॉब्लम सॉल्वर टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए टीमों का गठन किया था।

- कार्यक्रम के सर्वोत्तम 100 छात्रों को आईबीएम और उसके भागीदारों के साथ माइक्रो-इंटर्नशिप के माध्यम से अद्वितीय कार्यस्थल अनुभवों का हिस्सा बनने का अवसर दिया गया।
- सर्वोत्तम 100 शिक्षकों को LeadZ टीचर अवार्ड्स में सम्मानित किया गया।
- 2022 में न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र (UN) मुख्यालय में 1M1B युवा शिखर में सर्वश्रेष्ठ शिक्षकों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए आमंत्रित किया गया था।

सीबीएसई, यूनिसेफ और YuWaah ने युवाओं में 21वीं सदी के जीवन कौशल को बढ़ावा देने के लिए साझेदारी की है

CBSE, UNICEF और YuWaah ने #YoungWarriorNXT और YuWaah Skills पहल के माध्यम से भारत में 21वीं सदी के कौशल को बढ़ावा देने के लिए भागीदारी की। सीबीएसई ने पूरे भारत में अपने स्कूलों में चैटबॉट-आधारित शिक्षण साधन के माध्यम से छात्रों में रोजगार और जीवन कौशल का निर्माण करने के लिए अद्वितीय #YoungWarriorNXT पहल के लिए अपना सहयोग प्रदान किया। समग्र कार्यक्रम का उद्देश्य जीवन कौशल पारिस्थितिकी तंत्र को प्रभावित करना और आकार देना और भारत में बड़े पैमाने पर जीवन कौशल प्रदान करना था। नो-टेक, लो-टेक और हाई-टेक आधारित डिलीवरी मॉडल के अनेक चैनल आवश्यक जीवन कौशल जैसे स्व-जागरूकता, समस्या समाधान, संप्रेषण, सहयोग और उपलब्धि-अभिविन्यास के साथ-साथ रोजगार कौशल और मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण कौशल तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए तैनात किए गए थे।

एक चैटबॉट-आधारित शिक्षण समाधान, #YoungWarriorNXT चैटबॉट, युवा लोगों तक पहुंचने के लिए व्हाट्सएप, फेसबुक मैसेंजर और टेलीग्राम के मौजूदा प्लेटफॉर्म का लाभ उठा रहा है। आयोजित की गई अधिगम गतिविधियां कार्य-आधारित, गेमिफाइड अन्योन्यक्रिया हैं जो शिक्षार्थियों को मार्गदर्शन और वास्तविक दुनिया की ओर अग्रसर करते हुए कार्यों को पूरा करने की चुनौती प्रदान करती हैं।

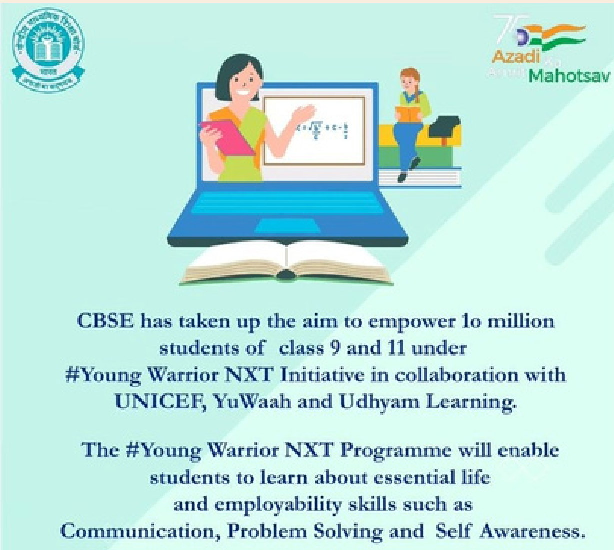

सीबीएसई में स्वतंत्रता दिवस समारोह

सीबीएसई में स्वतंत्रता दिवस समारोह

सभी सीबीएसई कार्यालयों में सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान शपथ ग्रहण और गतिविधियां

सभी सीबीएसई कार्यालयों में सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान शपथ ग्रहण

सभी सीबीएसई कार्यालयों में संविधान दिवस पर शपथ ग्रहण समारोह

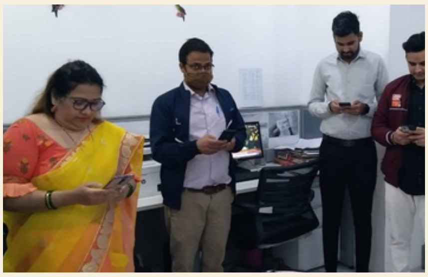

सीबीएसई मुख्यालय में गणतंत्र दिवस समारोह

क्षेत्रीय कार्यालयों में गणतंत्र दिवस समारोह

सीबीएसई क्षेत्रीय कार्यालयों में अंबेडकर जयंती समारोह

सचिव, भारत सरकार के रूप में पदोन्नत होने पर अध्यक्ष, श्री मनोज आहूजा को शुभकामनाओं के साथ विदाई

सीबीएसई मुख्यालय में महिला दिवस समारोह

क्षेत्रीय कार्यालयों में महिला दिवस समारोह

बोर्ड की संरचना

सचिव (स्कूल शिक्षा और साक्षरता), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार बोर्ड के नियंत्रक प्राधिकारी हैं।

अध्यक्ष बोर्ड के मुख्य कार्यपालक हैं और चौदह विभाग प्रमुख यथा सचिव, परीक्षा नियंत्रक, निदेशक (शैक्षणिक), निदेशक (प्रशिक्षण), निदेशक (आईटी), निदेशक (विविध परीक्षाएं), निदेशक (एडुसेट, अनुसंधान एवं विकास), निदेशक (कौशल शिक्षा), चार क्षेत्रीय निदेशक, निदेशक (पंजीकृत कार्यालय, अजमेर) और निदेशक (व्यावसायिक परीक्षा) उनका सहयोग करते हैं।

सचिव, सीबीएसई मुख्य प्रशासनिक अधिकारी है और प्रशासन, लेखा परीक्षा और लेखा, जनसंपर्क, विधि और स्कूलों को संबद्धता प्रदान करने से संबंधित मामलों के लिए उत्तरदायी है।

परीक्षा नियंत्रक परीक्षाओं और परीक्षाओं के प्रशासन से संबंधित सभी मामलों के लिए उत्तरदायी है, जिनमें प्रमुख क्षेत्र परीक्षा पूर्व और परीक्षा बाद के कार्य, माध्यमिक और वरिष्ठ स्कूल प्रमाणपत्र की वार्षिक और कंपार्टमेंट परीक्षा आयोजित करने के लिए क्षेत्रीय कार्यालयों के साथ समन्वय करना है।

निदेशक (शैक्षणिक) माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक स्तर पर सभी विषयों के लिए पाठ्यक्रम विकसित करने, नई कोर्स सामग्री के विकास और शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार लाने, माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक कक्षाओं के लिए पाठ्य पुस्तकें प्रकाशित करने और शैक्षणिक परियोजनाओं के अनुवीक्षण के लिए उत्तरदायी है।

निदेशक (प्रशिक्षण) शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन कराते हैं, प्रशिक्षण आवश्यकताओं का आकलन करके क्षमता निर्माण कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं।

निदेशक (आईटी) कक्षा IX और XI के ऑनलाइन पंजीकरण और सभी क्षेत्रों की परीक्षा पूर्व व बाद की गतिविधियों, कंप्यूटर से संबंधित सभी गतिविधियों, सीटीईटी और प्रवीणता परीक्षा आदि, प्रकाशन प्रबंधन प्रणाली से संबंधित ऑनलाइन आवेदनो, छात्रवृत्ति, भर्ती, वेबसाइट-अद्यतन और रखरखाव और सभी नए आईटी उद्यम और परियोजनाएं से संबंधित सभी मामलों के लिए उत्तरदायी है।

निदेशक (विविध परीक्षा) केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा (सीटीईटी) के संचालन से संबंधित सभी मामलों के लिए उत्तरदायी है और निदेशक (व्यावसायिक परीक्षा) जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा (जेएनवीएसटी) और केंद्रीय विद्यालय चयन परीक्षा के संचालन से संबंधित सभी मामलों के लिए उत्तरदायी है।

निदेशक (एडुसेट, अनुसंधान एवं विकास) भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (आईएसआरओ) द्वारा प्रक्षेपित शिक्षा उपग्रह के माध्यम से दूरस्थ शिक्षा से संबंधित सभी मामलों के लिए उत्तरदायी है।

निदेशक (कौशल शिक्षा) कौशल शिक्षा विषयों के लिए पाठ्यक्रम तैयार करने आदि से संबंधित सभी मामलों के लिए उत्तरदायी है।

क्षेत्रीय निदेशक मुख्य और कंपार्टमेंट माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक प्रमाणपत्र परीक्षाओं के संचालन और परीक्षाओं के प्रशासन से संबंधित सभी मामलों के लिए उत्तरदायी हैं, परीक्षा से पहले और बाद के कार्य, इसके परिणामों की घोषणा और अन्य संबंधित गतिविधियां प्रमुख क्षेत्र हैं।

निदेशक (पंजीकृत कार्यालय अजमेर) पंजीकृत कार्यालय, अजमेर की गतिविधियों जैसे डुप्लीकेट दस्तावेज जारी करना, सत्यापन, बोर्ड के दस्तावेजों में सुधार आदि के लिए उत्तरदायी है।

सीबीएसई का मुख्यालय दिल्ली में है और इसके सोलह क्षेत्रीय कार्यालय दिल्ली (पूर्व), पंचकुला, प्रयागराज (इलाहाबाद), अजमेर, गुवाहाटी, देहरादून, पटना, भुवनेश्वर, चेन्नई, तिरुवनंतपुरम, दिल्ली (पश्चिम), नोएडा, चंडीगढ़, भोपाल, बेंगलुरु और पुणे हैं। शिक्षकों के लिए 16 उत्कृष्टता केंद्र अजमेर, इलाहाबाद, भुवनेश्वर, चेन्नई, देहरादून, दिल्ली (पूर्व), गुवाहाटी, पंचकुला, पटना, तिरुवनंतपुरम, दिल्ली (पश्चिम), नोएडा, चंडीगढ़, भोपाल, बेंगलुरु और पुणे भी हैं।

संगठनात्मक चित्रण

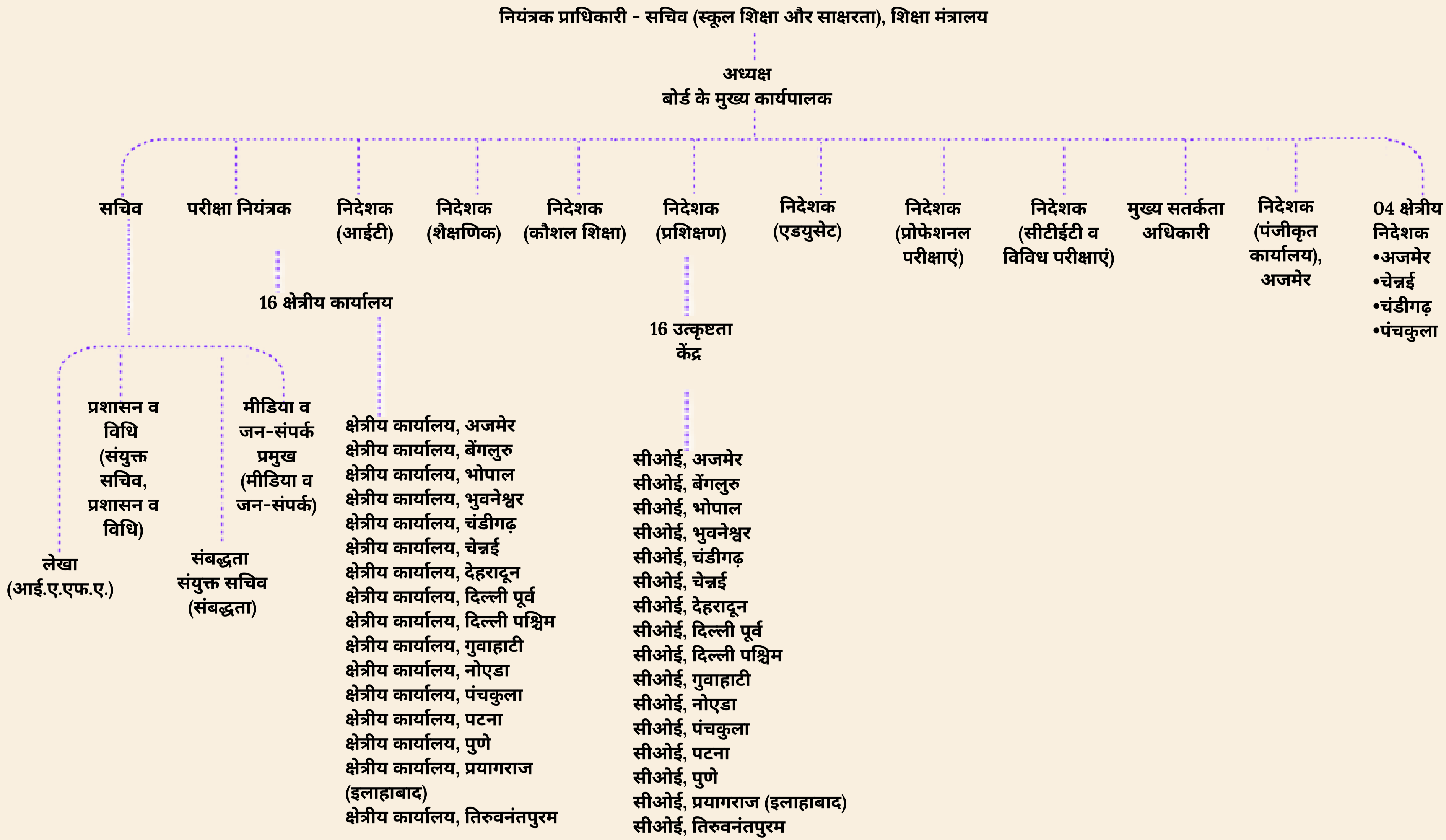

वर्ष के दौरान प्रशासनिक परिवर्तन

पदोन्नत अधिकारियों/कर्मचारियों को बधाई

संयुक्त सचिव

श्री जयप्रकाश चतुर्वेदी
श्री करनैल सिंह
श्री के. श्रीनिवासन
श्रीमती राज रानी शर्मा
डॉ. रणबीर सिंह

उप सचिव

श्री विकास कुमार अग्रवाल
श्री राम वीर
श्री राजीव बरुआ

प्रधान निजी सचिव

श्रीमती सीमा नागपाल
श्री संजीव कुमार साहनी
श्रीमती मिनी
श्रीमती मधु पंत
श्रीमती ममता खन्ना

सहायक सचिव

श्री सज्जन कुमार
श्री संजय कुमार स्याल
श्री राजीव कुमार शर्मा
श्रीमती वी निर्मला
श्रीमती अनीता जनमा सासवेन
श्री अमलेंदु गोस्वामी
श्रीमती इंदु कुमार
श्री पवन कुमार गौर
श्रीमती लता रानी अरोड़ा
श्रीमती शशि प्रभा
श्रीमती वी श्रीमथी
श्रीमती शांता रानी
श्री संजय तिवारी
श्री मनोज कुमार शाह
श्री जितेंद्र महाजन
श्री कुंदन लाल
श्री नीरज नेगी
श्रीमती बलबीर कौर
श्रीमती मीरा रावत
श्री सुरेंद्र सिंह रावत
श्री शेर सिंह
श्रीमती इंदु कनोत्रा
श्री हरबंस लाल

विश्लेषक (राजभाषा)

श्रीमती हेमलता

वरिष्ठ निजी सचिव

श्री संदीप राजपाल
श्रीमती पुष्पा रानी सचदेवा
श्री संदीप कुमार गुप्ता
श्रीमती शालिनी वर्मा

विश्लेषक (आईटी)

सुश्री हुमा

अनुभाग अधिकारी

श्री धेबेर बासुमतरी
श्री हंस राज अरोड़ा
श्री राम चरण गुप्ता
श्रीमती सुजाता मलिक
श्री अजय कुमार कालिया
श्रीमती शारदा सचदेवा
श्री राधे श्याम-I
श्री गोपाल कृष्ण
श्री निर्मल राठौड़
श्री सुखबीर सिंह
श्री प्रेम पाल
श्री सतीश शाह
श्री प्रवीण कुमार भसीन
श्री हरि किशन
कुमारी सीमा
श्री अमित कुमार गुप्ता
श्री पंकज शर्मा
श्री राजेश कुमार
श्री जय प्रकाश शर्मा
श्री चन्दन कुमार
मो. हैदर महदी
श्री नितिन पांडला
श्रीमती दपिंदर कौर
श्री आदित्य कुमार
श्रीमती प्रियंका कपूर
श्री राहुल टिर्की
श्री मनोज कुमार गोहिल
श्री हरि कमल
सुश्री माला
श्री सुमित निर्वाण
श्री वी. लंबियाकलियाँ
सुश्री बीना नेगी
सुश्री पी. सरस्वती
सुश्री के. लक्ष्मी
सुश्री ए.एम. हमीदा फातिमा
श्री राम करण मीणा

कनिष्ठ अभियंता

श्री सुंदर पाल सिंह

निजी सचिव

सुश्री समीक्षा गाबा

अधीक्षक

श्री ऋषि पाल ठाकरान
श्री विनोद कुमार - I
श्री कपिल देव
श्री राज कुमार धवन
श्री विनोद कुमार-II
श्री खिम बहादुर थापा
श्री नरेश चंद
श्री प्रवीण कुमार
श्री दिनेश कुमार
श्री उमेश शर्मा
श्री विष्णु दत्त
श्री अनिल कुमार नाहरा
श्री धरमवीर
श्री किशन लाल
श्री राकेश शर्मा
श्रीमती कांता रावत
श्री वीर पाल सिंह
श्री रवि कुमार
श्री शिव कुमार
श्रीमती किरण नेगी
श्रीमती हेमलता
श्री प्रभु दयाल
श्री नरेंद्र कुमार
श्री राजन वोहरा
श्री राम कुमार
श्री बसंत सिंह
श्री जग मोहन
श्री राम बीर सिंह नागर
श्री राम फूल
सुश्री अंशु सक्सेना
श्री प्रभात वशिष्ठ
सुश्री रीना प्रसाद
श्री अर्जुन कुमार
श्री राकेश चतुर्वेदी
श्री नीरज कुमार
श्री प्रिय रंजन प्रसाद कर्ण
सुश्री शिखा शर्मा
श्रीमती मोनिका
श्री सतेन्द्र सिंह असवाल

अधीक्षक

श्री राजेश कुमार गौतम
श्री गुरु दत्त रोहिल्ला
श्री साहिल भूटानी
सुश्री रेणु कैन्थ
श्री रोहित कुमार
श्रीमती निरुपा जयंती टोपो
श्रीमती समोला
श्री जेम्स टी पाउथियान्मुयांग
श्रीमती कंचन शालिनी लाकड़ा
श्री अरविंद कुमार मिंज

वरिष्ठ लेखाकार

श्रीमती सपना गोयल

अधीक्षक (कॉपियर)

श्री पवन कुमार

वरिष्ठ सहायक

श्री अशोक कुमार-I
श्री ज़ुबैर अहमद
श्री कृष्ण कुमार
श्री दीप नारायण
श्री भूपेंद्र कुमार
श्री रामेश्वर मांझी
श्री नरेश कुमार

कनिष्ठ सहायक

श्री मुकेश कुमार
श्री पवन कुमार
श्री चंद्र किरण
श्री रोहताश सिंह
श्री हरिओम सिंह मीणा

सहायक रिकॉर्ड कीपर

श्री बाल कृष्ण शर्मा
श्री प्रेम चंद्र प्रसाद
श्री सुंदर राम
श्री धर्मेंद्र
श्री श्याम लाल
श्री लक्ष्मण सिंह
श्री शिव कुमार

अधिवर्षिता पर शुभकामनाएं

श्री अशोक कुमार धवन
संयुक्त सचिव

श्री राजा राम मीना
संयुक्त सचिव

श्रीमती कांता रानी
सहायक सचिव

श्री सोम नाथ
सहायक सचिव

श्रीमती अंजु बाला कोहली
सहायक सचिव

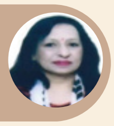
श्रीमती इंदु कनौत्रा
सहायक सचिव

श्रीमती लता रानी अरोड़ा
सहायक सचिव

श्रीमती उषा जोशी
विश्लेषक (राजभाषा)

श्री सुखबीर सिंह
अनुभाग अधिकारी

श्री के.के. शर्मा
अनुभाग अधिकारी

श्री अजित प्रसाद जैन
अनुभाग अधिकारी

श्री धर्मवीर
अनुभाग अधिकारी

श्री हंस राज अरोड़ा
अनुभाग अधिकारी

श्रीमती पुष्पा ठाकुर
अनुभाग अधिकारी

श्रीमती मिथलेश शर्मा
अनुभाग अधिकारी

श्री अजय कुमार कालिया
अनुभाग अधिकारी

श्रीमती शारदा सचदेवा
अनुभाग अधिकारी

श्री भगौती प्रसाद
अनुभाग अधिकारी

श्रीमती सुजाता मलिक
अनुभाग अधिकारी

श्री राधे श्याम-I
अनुभाग अधिकारी

श्री राम चरण गुप्ता
अनुभाग अधिकारी

श्री सरजीत सिंह
अधीक्षक

श्री संजीव सिंह राठौड़
अधीक्षक

श्री राधे श्याम-III
अधीक्षक

श्री परशुराम यादव
अधीक्षक

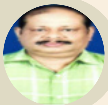
श्री चितरंजन पटेल
अधीक्षक

श्री उन्नी कृष्णन नायर
कनिष्ठ अभियंता

श्री धरमबीर सिंह
एफ़एमओ

श्री बिजेन्द्र सिंह
एफ़एमओ

श्री नरेंद्र कुमार
पीसीओ

श्री प्रताप सिंह
एमटीएस

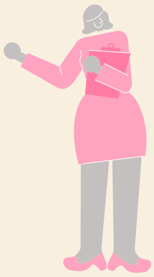

बोर्ड का शासी निकाय

1

अध्यक्ष
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

2

शिक्षा निदेशक
शिक्षा निदेशालय
एनसीटी दिल्ली सरकार

3

सचिव (शिक्षा)
अंडमान और निकोबार प्रशासन सरकार
अंडमान और निकोबार द्वीप समूह
पोर्ट ब्लेयर

4

डी.पी.आई (स्कूल)
संघ राज्य क्षेत्र सचिवालय
चंडीगढ़

5

अपर शिक्षा निदेशक (स्कूल)
शिक्षा निदेशालय
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार, नई दिल्ली

6

शिक्षा उप निदेशक (एसडबल्यूबी)
शिक्षा निदेशालय
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार, नई दिल्ली

7

उप निदेशक शिक्षा (उत्तर-पूर्व)
शिक्षा निदेशालय
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार, नई दिल्ली

8

शिक्षा निदेशक
नई दिल्ली नगरपालिका समिति
नई दिल्ली

9

संयुक्त सचिव (संस्थान)
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
शिक्षा मंत्रालय

10

निदेशक (एमई)
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
नई दिल्ली

11

संयुक्त सचिव एवं वित्त सलाहकार
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
शिक्षा मंत्रालय

12

प्रोफेसर
रसायन विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

13

प्रोफेसर
आनुवंशिकी विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

14

अध्यक्ष
भारतीय विश्वविद्यालय संघ
नई दिल्ली

15

महासचिव
भारतीय विश्वविद्यालय संघ
नई दिल्ली

16

कुलपति
डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर मुक्त विश्वविद्यालय
अहमदाबाद

17

प्रधानाचार्य
मॉडर्न स्कूल
नई दिल्ली

18

अध्यक्ष, आईपीएससी और प्रधानाचार्य
सिंधिया कन्या विद्यालय
ग्वालियर

19

आयुक्त
केंद्रीय विद्यालय संगठन
नई दिल्ली

20

आयुक्त
नवोदय विद्यालय समिति
नोएडा

21

प्रधानाचार्य
सर्वोदय कन्या विद्यालय नं. 1
दिल्ली

22

प्रधानाचार्य
कॉसमॉस पब्लिक स्कूल
दिल्ली

23

प्रधानाचार्य
माउंट आबू पब्लिक स्कूल
दिल्ली

24

प्रधानाचार्य
कमल मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल
नई दिल्ली

25

जिला शिक्षा अधिकारी
अतिरिक्त डीलक्स भवन
चंडीगढ़

26

प्रमुख एवं संकाय अध्यक्ष, शिक्षा संकाय
केंद्रीय शिक्षा संस्थान (सीआईई)
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

27

उपाध्यक्ष
अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद
नई दिल्ली

28

एडीजी (एचआरडी)
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
नई दिल्ली

29

कार्यकारी सचिव

भारतीय चिकित्सा परिषद
नई दिल्ली

30

प्रधानाचार्य – शिक्षा एवं नवाचार

भारतीय उद्योग महासंघ
गुरुग्राम

31

सचिव

संगीत नाटक अकादमी
नई दिल्ली

32

निदेशक

इंस्टिट्यूट ऑफ होम एकोनॉमिक्स
दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

33

प्रधानाचार्य

सेंट मेरी स्कूल
नई दिल्ली

34

प्रधानाचार्य

दिल्ली पब्लिक स्कूल
हैदराबाद

35

प्रधानाचार्य

इंद्रप्रस्थ इंटरनेशनल स्कूल
दिल्ली

36

सह-संस्थापक और निदेशक

हेरिटेज स्कूल
गुरुग्राम

37

अध्यक्ष एवं प्रधानाचार्य

नेशनल पब्लिक स्कूल
बेंगलुरु

38

निदेशक

डीएवी कॉलेज प्रबंध समिति
नई दिल्ली

39

कार्यकारी निदेशक

पेस्टल वीड कॉलेज, देहरादून

40

वरिष्ठ निदेशक (परीक्षा व अनुसंधान)

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी, नोएडा

41

सचिव

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

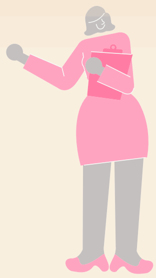

वित्त समिति

1

अध्यक्ष
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

2

संयुक्त सचिव (संस्थान)
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
शिक्षा मंत्रालय

3

संयुक्त सचिव व वित्त सलाहकार
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
शिक्षा मंत्रालय

4

प्रधानाचार्य
दिल्ली पब्लिक स्कूल, गाजियाबाद

5

सचिव
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

परीक्षा समिति

1
अध्यक्ष
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

2
आयुक्त
केंद्रीय विद्यालय संगठन, नई दिल्ली

3
शिक्षा निदेशक
शिक्षा निदेशालय
दिल्ली

4
अपर शिक्षा निदेशक
शिक्षा निदेशालय
दिल्ली

5
प्राचार्य
श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज
दिल्ली विश्वविद्यालय

6
सेवानिवृत्त प्रोफेसर
भूतपूर्व निदेशक (वीसी), एबीवी-आईआईटीएम
ग्वालियर

7
प्रधानाचार्य
दिल्ली पब्लिक स्कूल, गाज़ियाबाद

8
परीक्षा नियंत्रक
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

परिणाम समिति

1

अध्यक्ष
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

2

आयुक्त
केंद्रीय विद्यालय संगठन, नई दिल्ली

3

शिक्षा निदेशक
शिक्षा निदेशालय
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार

4

आयुक्त
नवोदय विद्यालय समिति
नोएडा

5

शासी निकाय के दो सदस्य

6

परीक्षा नियंत्रक
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

संबद्धता समिति

1

अध्यक्ष
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

2

संयुक्त सचिव (संस्थान)
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
शिक्षा मंत्रालय

3

शिक्षा निदेशक
शिक्षा निदेशालय
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार

4

उपाध्यक्ष
अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद

5

सचिव
राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग

6

प्रधानाचार्य
सीबीएसई सम्बद्ध विद्यालय

7

सचिव
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण हेतु राष्ट्रीय संचालन समिति

1

अध्यक्ष
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

2

संयुक्त सचिव
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
शिक्षा मंत्रालय

3
डीडीजी (सांख्यिकी)
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
शिक्षा मंत्रालय

4

निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद

5
सलाहकार
नीति आयोग

6
निदेशक
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
शिक्षा मंत्रालय

7

निदेशक
प्रोफेशनल परीक्षा
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड एवं
प्रमुख एनएएस शाखा

8

प्रमुख, ईएसडी
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण
परिषद

9

वैज्ञानिक 'एफ'
राष्ट्रीय सूचनाविज्ञान केंद्र

10

शिक्षा विशेषज्ञ
यूनिसेफ

पाठ्यक्रम समिति

1

अध्यक्ष
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

2

निदेशक (शैक्षणिक)
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

3

निदेशक
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
दिल्ली

4

निदेशक
शिक्षा निदेशालय
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली

5

आयुक्त
केंद्रीय विद्यालय संगठन
दिल्ली

6

आयुक्त
केंद्रीय विद्यालय संगठन
दिल्ली

7

प्रधानाचार्य
राबिया गर्ल्स पब्लिक स्कूल
नई दिल्ली

8

एसोसिएट प्रोफेसर
क्लस्टर इनोवेशन सेंटर
दिल्ली विश्वविद्यालय

9

प्रोफेसर
पर्यावरणीय अध्ययन विभाग,
जैवसंसाधन व पर्यावरणीय जैवप्रौद्योगिकी प्रयोगशाला,
दिल्ली विश्वविद्यालय

10

सहायक प्रोफेसर
राजनीति विज्ञान विभाग
गुरु तेग बहादुर कॉलेज
दिल्ली विश्वविद्यालय

11

वरिष्ठ प्राध्यापक/ परियोजना निदेशक
राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण
परिषद (SCERT), नई दिल्ली

12

एसोसिएट प्रोफेसर
वाणिज्य विभाग
हंसराज कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय

13

प्रोफेसर
श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स
दिल्ली विश्वविद्यालय

14

एसोसिएट प्रोफेसर
हंस राज कॉलेज
दिल्ली विश्वविद्यालय

15

प्रोफेसर
वनस्पति विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय

16

प्रोफेसर (जैव-प्रौद्योगिकी)
नेताजी सुभाष प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
दिल्ली

17

प्राचार्य
श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स
दिल्ली विश्वविद्यालय

18

प्रोफेसर
संगीत एवं ललित कला संकाय
दिल्ली विश्वविद्यालय

19

एसोसिएट प्रोफेसर
रसायन शास्त्र विभाग,
ज़ाकिर हुसैन कॉलेज
दिल्ली विश्वविद्यालय

20

प्रोफेसर
कंप्यूटर एवं प्रणाली विज्ञान स्कूल
जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय
दिल्ली

21

प्राचार्य
श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज
दिल्ली विश्वविद्यालय

22

वरिष्ठ प्राध्यापक
गुरु नानक देव प्रौद्योगिकी संस्थान
दिल्ली

23

एसोसिएट प्रोफेसर
सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग
एनसीईआरटी, दिल्ली

24

प्रोफेसर
कला एवं सौंदर्य शिक्षा विभाग
एनसीईआरटी, दिल्ली

25
निदेशक
प्रदर्शन कला किंकिनी ध्वनि संस्थान
दिल्ली

26
प्रोफेसर
भूगोल विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय

27
प्रोफेसर
संगीत विभाग, संगीत व ललित कला संकाय,
दिल्ली विश्वविद्यालय

28
प्रोफेसर
इतिहास विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय

29
निदेशक
सतत शिक्षा विद्यालय (एसओसीई)
इग्नू, दिल्ली

30
प्रोफेसर
कंप्यूटर विज्ञान विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय

31
एसोसिएट प्रोफेसर
इंदिरा गांधी शारीरिक शिक्षा तथा खेल-कूद विज्ञान संस्थान,
नई दिल्ली

32
प्रोफेसर
भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय

33
प्रोफेसर
राजनीति विज्ञान विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय

34
प्रोफेसर
मनोविज्ञान विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय

35
प्रोफेसर
समाजशास्त्र विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय

36
प्रोफेसर
भाषा शिक्षा विभाग
एनसीईआरटी, दिल्ली

37
प्रोफेसर
हिंदी विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय

38
प्रोफेसर
संस्कृत विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय

प्रशिक्षण सलाहकार समिति

1
अध्यक्ष
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

2
निदेशक (प्रशिक्षण)
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

3
आयुक्त
केंद्रीय विद्यालय संगठन, दिल्ली

4
अपर सचिव
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग

5
प्रोफेसर
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद

6
अनुसंधान अधिकारी
अनुसंधान अधिकारी
शैक्षणिक अनुभाग
राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद

7
प्रोफेसर
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना तथा प्रशासन संस्थान

8
संयुक्त आयुक्त
नवोदय विद्यालय समिति

9
सदस्य सचिव
आरसीआई

10
संयुक्त निदेशक
PSSCIVE, भोपाल

11

निदेशक
एससीईआरटी, दिल्ली

12

निदेशक
सीईआरटी, राजस्थान

13

निदेशक
एससीईआरटी, सिक्किम

14

संकाय अध्यक्ष
व्यावसायिक अध्ययन स्कूल
अंबेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली

15

निदेशक
उच्चतर शिक्षा प्रोफेशनल विकास केंद्र
दिल्ली विश्वविद्यालय

16

एसोसिएट प्रोफेसर
सीएसई विभाग
आईआईटी-दिल्ली

17

प्रधानाचार्य
द लखनऊ पब्लिक कोलीजिएट
लखनऊ

18

प्रधानाचार्य
श्री नारायण पब्लिक स्कूल
कोच्चि

19

प्रधानाचार्य
स्प्रिंगडेल्स स्कूल, दिल्ली

20

निदेशक (आईटी एवं परियोजना)
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

21

निदेशक (शैक्षणिक)
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

22

परीक्षा नियंत्रक
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

23

निदेशक (प्रोफेशनल परीक्षा)
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

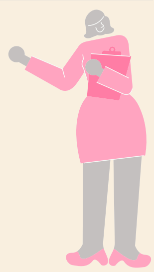

कौशल शिक्षा समिति

1
अध्यक्ष
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

2
निदेशक (कौशल शिक्षा)
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

3
आयुक्त
केंद्रीय विद्यालय संगठन

4
आयुक्त
नवोदय विद्यालय समिति

5
शिक्षा निदेशक
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार

6
शिक्षा निदेशक
सिक्किम सरकार

7
शिक्षा निदेशक
अरुणाचल प्रदेश सरकार

8
शिक्षा निदेशक
अंडमान सरकार

9
डीपीआई
चंडीगढ़

10
उप महानिदेशक
राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद (NCVET

11
एमडी एवं सीईओ
राष्ट्रीय कौशल विकास निगम

12
सचिव
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, दिल्ली

13

महानिदेशक
सीआईआई

14

महानिदेशक
एफ़आईसीसीआई

15

निदेशक (अध्ययन)
एनसीएचएमसीटी, नोएडा

16

संकाय अध्यक्ष (शैक्षणिक)
दिल्ली विश्वविद्यालय

17

वरिष्ठ प्रोफेसर
एनआईएफटी, नई दिल्ली

18

संयुक्त निदेशक
PSSCIVE, भोपाल

19

निदेशक (व्यावसायिक)
एआईसीटीई, नई दिल्ली

20

डीडीजी (डीजीई व टी)
भारत सरकार, दिल्ली

21

निदेशक (व्यावसायिक)
राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान, नोएडा

22

निदेशक
व्यावसायिक अध्ययन स्कूल, इग्नू

23

परियोजना निदेशक (डीकेएमए)
कृषि अनुसंधान भवन-I
नई दिल्ली

24

प्रमुख
वित्तीय शिक्षा विद्यालय एवं विश्वविद्यालय
एनएसई, नई दिल्ली

25

निदेशक (सूचना प्रौद्योगिकी व परियोजना)
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

26

निदेशक (शैक्षणिक)
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

27

परीक्षा नियंत्रक
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

28

निदेशक (प्रोफेशनल परीक्षा)
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

29

प्रधानाचार्य
हंसराज मॉडल स्कूल, नई दिल्ली

30

प्रधानाचार्य
गार्गी गर्ल्स स्कूल, मेरठ

31

प्रधानाचार्य
डीपीएस नचारम
हैदराबाद

32

प्रधानाचार्य
बीसीएम आर्या मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक
विद्यालय लुधियाना

33

प्रधानाचार्य
द इंडियन स्कूल
ओमान

34

प्रधानाचार्य
इंटरनेशनल विद्यालय
गुवाहाटी

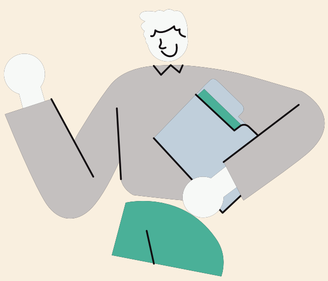

सीटीईटी की सलाहकार तथा कार्यान्वयन समिति

1

अध्यक्ष
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

2

अध्यक्ष
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, दिल्ली

3

निदेशक (सीटीईटी)
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

4

निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, दिल्ली

5

निदेशक
शिक्षा निदेशालय
अंडमान व निकोबार

6

निदेशक
एससीईआरटी
चंडीगढ़

7

आयुक्त
केंद्रीय विद्यालय संगठन
दिल्ली

8

उप निदेशक
शिक्षा निदेशालय
दिल्ली

9

संकाय अध्यक्ष
शिक्षा संकाय, सीआईई
दिल्ली विश्वविद्यालय

10

निदेशक
शिक्षक शिक्षा
शिक्षा मंत्रालय

11

आयुक्त
नवोदय विद्यालय समिति

राजभाषा कार्यान्वयन समिति

1

अध्यक्ष
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

2

सचिव
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

3

निदेशक (सूचना प्रौद्योगिकी)

4

निदेशक (शैक्षणिक)

5

परीक्षा नियंत्रक

6

निदेशक (कौशल शिक्षा एवं प्रशिक्षण)

7

निदेशक (प्रोफेशनल परीक्षा)

8

मुख्य सतर्कता अधिकारी

9

क्षेत्रीय निदेशक (दिल्ली)

10

प्रमुख (मीडिया एवं जन-संपर्क)

11

आंतरिक लेखाकार व वित्त सलाहकार

12

संयुक्त सचिव (सूचना प्रौद्योगिकी)

13

संयुक्त सचिव (प्रशासन एवं विधि)

14

संयुक्त सचिव (शैक्षणिक)

15
संयुक्त सचिव (संबद्धता)

16
संयुक्त सचिव (कौशल)

17
संयुक्त सचिव (समन्वय)

18
संयुक्त सचिव (प्रोफेशनल परीक्षा)

19
उप सचिव (विधि)

20
उप सचिव (भर्ती)

21
उप सचिव (खेल-कूद)

22
उप सचिव (गुप्त इकाई)

23
उप सचिव (सीटीईटी)

24
उप सचिव (प्रशासन)

25
सहायक सचिव (कार्मिक)

26
कार्यपालक अभियंता (रख-रखाव)

27
सहायक सचिव (राजभाषा)

तुलन पत्र
31 मार्च 2021

	अनुसूची	(राशि ₹ में) चालू वर्ष	(राशि ₹ में) पूर्व वर्ष
निधि का स्रोत			
समग्र/पूंजीगत निधि	1	15,968,285,591	12,220,638,611
अभिहित/उद्दिष्ट/अक्षय निधि	2	33,884,839,104	31,163,660,901
वर्तमान देनदारियां और रसद	3	353,333,594	459,504,014
कुल		**50,206,458,288**	**43,843,803,527**
निधि का प्रयोग	4		
स्थाई परिसंपत्ति			
मूर्त परिसंपत्ति		2,516,855,625	1,611,198,795
अमूर्त परिसंपत्ति			
चालू पूंजीगत कार्य		392,858,025	**370,705,611**
उद्दिष्ट/अक्षय निधि से निवेश	5		
दीर्घकालिक		470,578,824	1,043,750,006
अल्पकालिक			
निवेश – अन्य	6	27,119,711,256	14,250,000,000
वर्तमान परिसंपत्तियां	7	17,772,640,890	24,238,238,018
ऋण, अग्रिम तथा निक्षेप/जमा	8	1,933,813,669	2,329,911,098
कुल		**50,206,458,288**	**43,843,803,528**

केमाशिबो कार्यबल - एक नजर

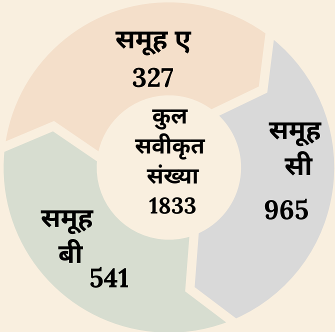

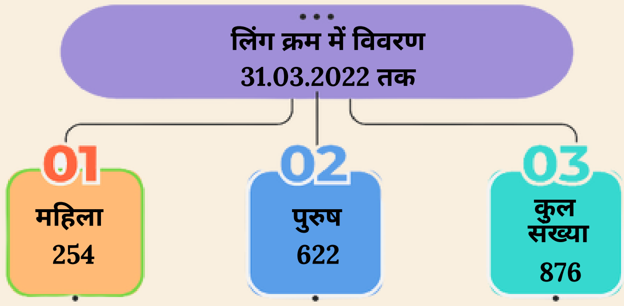

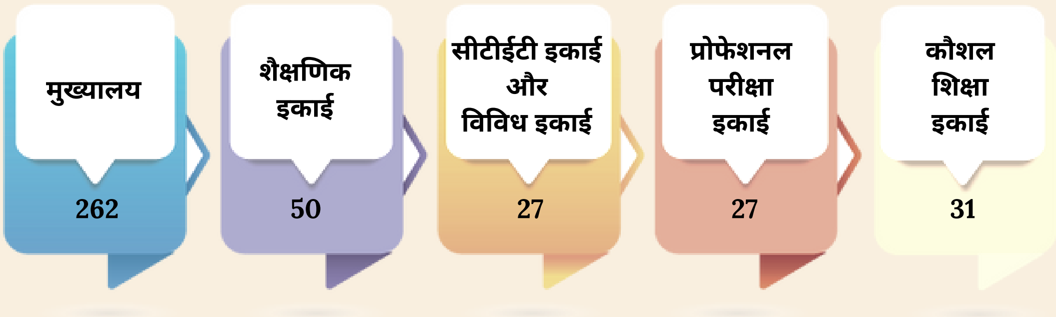

क्रमांक	क्षेत्रीय कार्यालय/उत्कृष्टता केंद्र	कर्मचारियों की संख्या	क्रमांक	क्षेत्रीय कार्यालय/उत्कृष्टता केंद्र	कर्मचारियों की संख्या
01.	क्षेत्रीय कार्यालय अजमेर/पंजीकृत कार्यालय (अजमेर)	43	10.	क्षेत्रीय कार्यालय गुवाहाटी	23
02.	क्षेत्रीय कार्यालय पटना	30	11.	क्षेत्रीय कार्यालय बैंगलुरु	15
03.	क्षेत्रीय कार्यालय, प्रयागराज (इलाहाबाद)	30	12.	क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल	13
04.	क्षेत्रीय कार्यालय भुवनेश्वर	19	13.	क्षेत्रीय कार्यालय नोएडा	29
05.	क्षेत्रीय कार्यालय चेन्नै	30	14.	क्षेत्रीय कार्यालय पुणे	11
06.	क्षेत्रीय कार्यालय तिरुवनंतपुरम	19	15.	क्षेत्रीय कार्यालय चंडीगढ़	17
07.	क्षेत्रीय कार्यालय देहरादून	22	16.	क्षेत्रीय कार्यालय दिल्ली पश्चिम	39
08.	क्षेत्रीय कार्यालय दिल्ली पूर्व	69	17.	सभी 16 उत्कृष्टता केंद्र	45
09.	क्षेत्रीय कार्यालय पंचकुला	25		कुल संख्या	479

शिक्षण और विद्यालय नेतृत्व में उत्कृष्टता के लिए सीबीएसई 2020-21

सुश्री शिक्षा
पीजीटी हिंदी
क्वीन मैरी
स्कूल दिल्ली

डॉ शुचिता राऊत
ललित कला शिक्षक
दिल्ली पब्लिक स्कूल
मध्य प्रदेश

डॉ. मुनीन्द्र कुमार मजूमदार
पीजीटी गणित
मारियाज पब्लिक
स्कूल असम

श्री प्रवीण कुमार मिश्रा
पीजीटी शारीरिक शिक्षा
स्वामीनारायण विद्यापीठ
गुजरात

सुश्री चाँदनी अग्रवाल
पीजीटी (आईटी)
महाराजा अग्रसेन मिडल स्कूल
दिल्ली

सुश्री कल्प्रीत कौर
पीजीटी रसायन
भारतीय विद्या भवन
एसएल पब्लिक स्कूल
पंजाब

सुश्री ममता अमरपुरी
पुस्तकाध्यक्ष
दर्शन अकादमी
दिल्ली

सुश्री मोनिका सचदेवा
पीजीटी जीव विज्ञान
दर्शन अकादमी
दिल्ली

सुश्री मोनिका सिंधवानी
पीजीटी भौतिकी
बाल भारती पब्लिक स्कूल
दिल्ली

सुश्री पद्मा श्रीनिवासन
पीजीटी (मानविकी)
डीपीएस आरके पुरम
दिल्ली

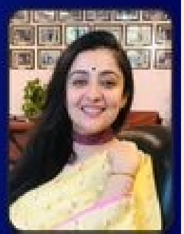

सुश्री रितिका आनंद
उप प्रधानाचार्य
सेंट मार्क्स सीनियर सेकें.
पब्लिक स्कूल
नई दिल्ली

श्री सीताकंठ पाटिल
पीजीटी गणित
डीएवी पब्लिक स्कूल
भुवनेश्वर

श्री विक्रम सिंह यदुवंशी
समन्वयक
इंडियन स्कूल, मस्कट
ओमान सल्तनत

सुश्री दिव्या भाटिया
प्रधानाचार्य
एमिटी इंटरनेशनल
विद्यालय
साकेत, नई दिल्ली

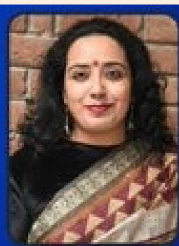

सुश्री माधवी गोस्वामी
पीजीटी जीव विज्ञान
सेठ आनंदराम जयपुरिया
विद्यालय
गाजियाबाद, यूपी

सुश्री मोनिका चावला
प्रधानाचार्य
सेंट जोसेफ सीनियर
सेकें. विद्यालय
चंडीगढ़

सुश्री रीना राजपाल
प्रधानाचार्य
दरबारी लाल डीएवी
मॉडल स्कूल
शालीमार बाग, दिल्ली

सुश्री स्मरणिका पटनायक
टीजीटी अंग्रेजी
डीएवी पब्लिक स्कूल
भुवनेश्वर
ओडिशा

सुश्री शर्मिला रहेजा
प्रधनाचार्य
उत्तम स्कूल फॉर गर्ल्स
गाजियाबाद, उ.प्र.

सुश्री सुखप्रीत कौर
प्राइमरी शिक्षक
भारतीय विद्या भवन
एसएल पब्लिक स्कूल
अमृतसर

सुश्री सुनीता सिंह
समन्वयक
(विज्ञान शिक्षक)
डीएवी सेन्टेनरी पब्लिक स्कूल
मेरठ, उ.प्र.

सुश्री सुष्मिता कानूनगो
प्रधानाचार्य
महर्षि पतंजलि
विद्या मंदिर
इलाहाबाद, उ.प्र.

सीबीएसई मुख्यालय, क्षेत्रीय कार्यालय और शिक्षक उत्कृष्टता केंद्र (सीओई)

सीबीएसई मुख्यालय
शिक्षा केंद्र, 2, सामुदायिक केंद्र
प्रीत विहार, दिल्ली

क्षेत्रीय कार्यालय एवं उत्कृष्टता केंद्र अजमेर
टोडरमल मार्ग, अजमेर
राजस्थान - 305030

क्षेत्रीय कार्यालय एवं उत्कृष्टता केंद्र प्रयागराज
35 बी, सिविल स्टेशन, एमजी मार्ग
सिविल लाइंस, प्रयागराज (इलाहाबाद) - 211001

क्षेत्रीय कार्यालय और उत्कृष्टता केंद्र बेंगलुरु
ज्ञान भारती मेन रोड,
नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी के सामने,
चंद्र लेआउट एक्सटेंशन II स्टेज,
नगरभावी, बेंगलुरु- 560072

क्षेत्रीय कार्यालय एवं उत्कृष्टता केंद्र भोपाल
रोहित नगर, फेज- II
वार्ड नंबर 53, बावड़िया कलां
भोपाल-462039

क्षेत्रीय कार्यालय और उत्कृष्टता केंद्र भुवनेश्वर
प्लॉट नंबर 4 (पीटी), शैलश्री विहार,
चंद्रशेखरपुर, भुवनेश्वर,
जिला – खोरदा, ओडिशा - 751021

क्षेत्रीय कार्यालय और उत्कृष्टता केंद्र चंडीगढ़
37, जुबली स्क्वायर, ब्लॉक-ई,
एयरोसिटी, एसएएसनगर मोहाली, पंजाब

क्षेत्रीय कार्यालय और उत्कृष्टता केंद्र चेन्नई
नया नंबर 3, पुराना नंबर 1630ए
जे ब्लॉक, 16वीं मेन रोड
अन्ना नगर पश्चिम, चेन्नई - 600040

क्षेत्रीय कार्यालय एवं उत्कृष्टता केंद्र देहरादून
99, कौलागढ़ रोड
देहरादून उत्तराखंड - 248001

क्षेत्रीय कार्यालय और उत्कृष्टता केंद्र दिल्ली (पूर्व)
पीएस-1-2, इंस्टीट्यूशनल एरिया
आई पी. एक्सटेंशन पटपड़गंज दिल्ली -110092

क्षेत्रीय कार्यालय और उत्कृष्टता केंद्र दिल्ली (पश्चिम)
सी-128 और सी-129, मंगोलपुरी औद्योगिक क्षेत्र,
फेज -1, दिल्ली - 110083

क्षेत्रीय कार्यालय और उत्कृष्टता केंद्र गुवाहाटी
(शंकर देव कलाक्षेत्र के पास) पंजाबाड़ी,
गुवाहाटी, असम - 781037

क्षेत्रीय कार्यालय और उत्कृष्टता केंद्र पंचकूला
सेक्टर-5, पंचकूला
हरियाणा - 134109

क्षेत्रीय कार्यालय और उत्कृष्टता केंद्र पुणे
आरएलएम बिजनेस पार्क, SR.NO. 28/4/ए,
ओल्ड खराड़ी मुंडवा रोड,
खराडी, पुणे, महाराष्ट्र - 411014

क्षेत्रीय कार्यालय एवं उत्कृष्टता केंद्र पटना
अंबिका कॉम्प्लेक्स, स्टेट बैंक कॉलोनी के पीछे, ब्रह्मस्थान के पास, शेखपुरा, रजा बाजार, बेली रोड, पटना, बिहार – 800014

क्षेत्रीय कार्यालय और उत्कृष्टता केंद्र तिरुवनंतपुरम
सीटीटीसी, एडमिन ब्लॉक, बीएसएनएल आरटीटीसी कैंपस,
कैमनम, तिरुवनंतपुरम - 695040

क्षेत्रीय कार्यालय और उत्कृष्टता केंद्र नोएडा
ए-83, सेक्टर-136, नोएडा
जी. बी. नगर (यू.पी.) – 201305

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
वार्षिक रिपोर्ट 2021-22
प्रकाशक
सचिव, के.मा.शि.बो.

अभिकल्पना, संकलन, सम्पादन व अवधारणा
निदेशक (मीडिया व जन-संपर्क) एवं टीम

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

शिक्षा केंद्र, 2, सामुदायिक केंद्र प्रीत विहार, दिल्ली